नाइजीरिया में जू जू

चयन और अनुवाद
सुषमा गुप्ता

2022

Book Title: Nigeria Mein Ju Ju (Ju Ju in Nigeria)
Cover Page picture: A Ju Ju Doll
Published under the Auspices of Akhil Bhartiya Sahityalok

E-Mail: hindifolktales@gmail.com
Website: www.sushmajee.com/folktales/index-folktales.htm

Copyrighted by Sushma Gupta 2018
No portion of this book may be reproduced or stored in a retrieval system or transmitted in any form, by any means, mechanical, electronic, photocopying, recording, or otherwise, without written permission from the author.

Map of Nigeria

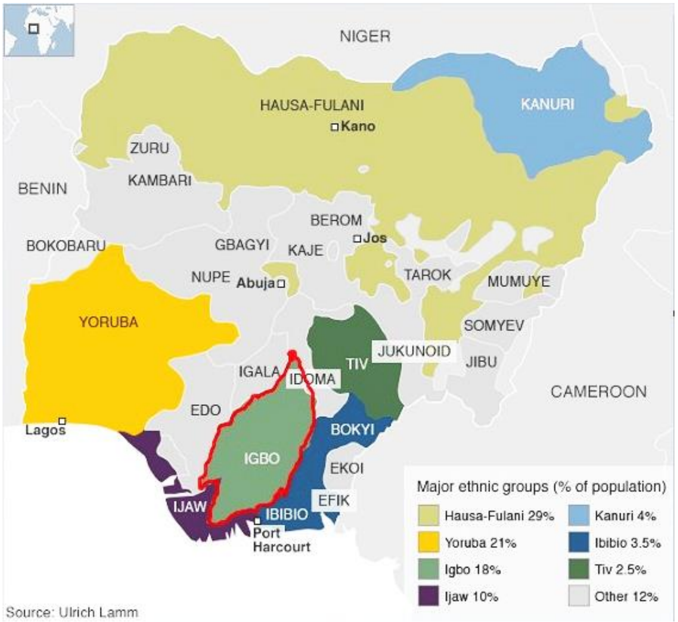

विंडसर, कैनेडा

2022

Contents

देश विदेश की लोक कथाऐं 5
नाइजीरिया में जू जू........ 7
1 एक टैडपोल की दुखभरी कहानी 9
2 बाज़ कभी चोरी क्यों नहीं करता 13
3 मुर्गी और बाज़........ 20
4 ओलोबुन की भेंट........ 23
5 एक उदास राजा और उसका उदास राज्य........ 27
6 खोया हुआ वारिस 32
7 दो खालों वाली स्त्री........ 37
8 एक राजा और एक जू जू पेड़ 51
9 एक सुन्दर लड़की और सात दूसरी लड़कियॉ........ 61
10 आदमी खाने वाले लोग........ 75
11 दासी जिसने अपनी मालकिन को मारा 81
12 ऐसीडो और उसके साथी 93
13 ढोल बजाने वाला और मगर........ 104
14 ओलूसेग्वे 117
15 एक बेसहारा लड़का और उसकी जादुई डंडियॉ........ 136
16 एक लड़की जिसने एक खोपड़ी से शादी की........ 162
17 बेसहारा लड़का और जादू का पत्थर........ 169
18 जादू का ढोल........ 177
19 राजा का जादू का ढोल........ 190
20 कछुआ और इग्वाको........ 205

देश विदेश की लोक कथाऐं

लोक कथाऐं किसी भी समाज की संस्कृति का एक अटूट हिस्सा होती हैं। ये संसार को उस समाज के बारे में बताती हैं जिसकी वे लोक कथाऐं हैं। आज से बहुत साल पहले, करीब **100** साल पहले, ये लोक कथाऐं केवल ज़बानी ही कही जातीं थीं और कह सुन कर ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाती थीं इसलिये किसी भी लोक कथा का मूल रूप क्या रहा होगा यह कहना मुश्किल है।

आज हम ऐसी ही कुछ अंग्रेजी और कुछ दूसरी भाषा बोलने वाले देशों की लोक कथाऐं अपने हिन्दी भाषा बोलने वाले समाज तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से बहुत सारी लोक कथाऐं हमने अंग्रेजी की किताबों से, कुछ विश्वविद्यालयों में दी गयी थीसेज़ से, और कुछ पत्रिकाओं से ली हैं और कुछ लोगों से सुन कर भी लिखी हैं। अब तक **2500** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी हैं। इनमें से **400** से भी अधिक लोक कथाऐं तो केवल अफ्रीका के देशों की ही हैं।

इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि ये सब लोक कथाऐं हर वह आदमी पढ़ सके जो थोड़ी सी भी हिन्दी पढ़ना जानता हो और उसे समझता हो। ये कथाऐं यहाँ तो सरल भाषा में लिखी गयी है पर इनको हिन्दी में लिखने में कई समस्याऐं आयी है जिनमें से दो समस्याऐं मुख्य हैं।

एक तो यह कि करीब करीब **95** प्रतिशत विदेशी नामों को हिन्दी में लिखना बहुत मुश्किल है चाहे वे आदमियों के हों या फिर जगहों के। दूसरे उनका उच्चारण भी बहुत ही अलग तरीके का होता है। कोई कुछ बोलता है तो कोई कुछ। इसको साफ करने के लिये इस सीरीज़ की सब किताबों में फुटनोट्स में उनको अंग्रेजी में लिख दिया गया हैं ताकि कोई भी उनको अंग्रेजी के शब्दों की सहायता से कहीं भी खोज सके। इसके अलावा और भी बहुत सारे शब्द जो हमारे भारत के लोगों के लिये नये हैं उनको भी फुटनोट्स और चित्रों द्वारा समझाया गया है।

ये सब कथाऐं "देश विदेश की लोक कथाऐं" और "लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें" नाम की सीरीज के अन्तर्गत छापी जा रही हैं। ये लोक कथाऐं आप सबका मनोरंजन तो करेंगी ही साथ में दूसरे देशों की संस्कृति के बारे में भी जानकारी देंगी। आशा है कि हिन्दी साहित्य जगत में इनका भव्य स्वागत होगा।

सुषमा गुप्ता
2022

नाइजीरिया में जू जू

बच्चों तुम लोग टोना टोटका तो जानते ही होगे। भारत में हर प्रान्त में तुम्हें इनके करने वाले और इनके बुरे असर को दूर करने वाले मिल जायेंगे। टोटके दोनों प्रकार के होते हैं अच्छे भी और बुरे भी। बुरे टोटके नुकसान पहुँचाते हैं और अच्छे टोटके बुरे टोटकों का असर खत्म करते हैं और परेशानियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

अफ्रीका के चौअन से ज़्यादा देशों में से नाइजीरिया देश में इस टोने टोटके का बहुत रिवाज है। इसे वहाँ की भाषा में इन्हें जू जू कहते हैं। इनका यह जू जू वहाँ भी ऐसा ही होता है जैसे भारत में टोना टोटका होता है। इसको वहाँ कई तरीके से इस्तेमाल करते हैं। यह वे अपने अच्छे के लिये या दूसरे के बुरे के लिये किसी के ऊपर भी करा सकते हैं।

इनके ये जू जू बहुत असरदार होते हैं और अक्सर काम करते हैं। शायद इसी लिये इनका उनमें काफी विश्वास है और ये लोग उनको काफी इस्तेमाल भी करते हैं। अगर किसी को कोई बीमारी हो या कुछ परेशानी हो तो उसका हल निकलवाना हो या फिर कुछ पूछना हो या फिर अपनी कुछ इच्छा पूरी करवानी हो तो वहाँ के लोग जू जू का इस्तेमाल करते हैं। जो लोग यह काम करते हैं उनको वहाँ जू जू करने वाला कहा जाता है।

ये जू जू वाले लोग कई तरह से लोगों का काम करते हैं – कौड़ियाँ और कुछ और सामान जैसे डंडियाँ फेंक कर परेशानी का हल निकालते हैं या फिर उनका भविष्य बताते हैं या फिर घास फूस और कुछ पेड़ पौधों की दवाओं की सहायता से इनके परेशानियों को दूर करते हैं। जू जू को जैसे भारत में ताबीज़ बना कर पहनाया जाता है उस तरीके से भी इस्तेमाल कर सकते हैं। खाने में मिला कर किसी को खिला कर भी कर सकते हैं।

कई बार ये जू जू पेड़ों में या पानी में भी रहते हैं। ये किसी को दिखायी तो नहीं देते पर लोगों को उठाने या फिर उनको नुकसान पहुँचाने का काम जरूर करते हैं। कभी लोगों का इनका पता होता है पर कभी उनको पता नहीं भी होता। कुछ खास बलियाँ न चढ़ाने से ये नाराज हो जाते हैं और लोगों को पकड़ कर ले जाते हैं और अपने घर में बन्दी बना कर रख लेते हैं। जबकि कुछ खास बलियाँ चढ़ाने से ये खुश हो जाते हैं और फिर पकड़े हुए लोगों को छोड़ देते हैं और नुकसान भी नहीं पहुँचाते। कहीं कहीं ये बहुत असरदार होते हैं जबकि कहीं कहीं ये बिल्कुल काम नहीं करते।

ये जू जू वहाँ बहुत लोकप्रिय हैं और बहुत सारी चीज़ें जो लोगों की समझ से बाहर होती हैं वे "किसी ने जू जू कर दिया है" कह कर इन जू जू करने वालों से दूर करवायी जाती हैं।

अब क्योंकि यह जू जू वहाँ के लोगों की ज़िन्दगियों में इतना घुला मिला है तो यह स्वाभाविक है कि इसकी वहाँ कई कहानियाँ भी होंगी। इस पुस्तक में हम नाइजीरिया की ऐसी ही कुछ लोक कथाऐं दे रहे हैं जो तुमको यह बतायेंगी कि इस जू जू की उनकी ज़िन्दगियों में क्या जगह है वे इसे कैसे इस्तेमाल करते हैं और इससे वे क्या क्या कर सकते हैं या क्या क्या करवा सकते हैं।

जू जू केवल आदमी ही इस्तेमाल नहीं करते बल्कि जानवर भी इस्तेमाल करते हैं। इस पुस्तक में दोनों ही के जू जू इस्तेमाल करने वाली कथाऐं दी गयी हैं। तो लो पढ़ो नाइजीरिया में जादू टोना या जू जू की ये लोक कथाऐं जो हमने तुम्हारे लिये खास तौर पर इकट्ठा की हैं।

1 एक टैडपोल की दुखभरी कहानी[1]

एक बार मेंढकों का राजा मर गया था। उसके अन्तिम संस्कार के बाद अब सवाल यह था कि अब राजा किसे बनाया जाये। मेंढकों के कुछ खास खास परिवार इकट्ठे हुए और राजा बनने के लिये बहुत सारे उम्मीदवार खड़े हुए।

विरोधी दलों के मेंढकों में कुछ कहा सुनी, लड़ाई झगड़ा और गाली गलौज भी हुई। बहुत देर तक यह सब कुछ करने के बाद भी मेंढक जनता जब किसी नतीजे पर नहीं पहुँच सकी तो फिर यह तय हुआ कि किसी जू जू आदमी[2] को बुला कर उससे राय ली जाये।

सो एक जू जू आदमी को बुलाया गया और उससे इस बारे में राय ली गयी। उसने कुछ सोच कर राय दी कि एक बच्चा टैडपोल[3] को मेंढकों को राजा बना दिया जाये।

इस खबर को सुन कर जितनी ज़्यादा खुशी और ताज्जुब बच्चा टैडपोल को हुआ उतना शायद किसी को भी नहीं हुआ।

मीटिंग खत्म करने से पहले सभी मेंढकों ने तय किया कि वे सात दिन के अन्दर अन्दर बच्चा टैडपोल का राजा बनाने की रस्म

[1] The Story of a Tadpole – a folktae of Yoruba Tribe of Nigeria, Africa

[2] Translated for the word "Ju Ju man". He is like Tonaa Totakaa man called Ojhaa in India.

[3] Tadpole is the state of the body of a frog before becoming the frog. See its picture above.

पूरी कर देंगे। इस अचानक सफलता ने बच्चा टैडपोल का दिमाग सातवें आसमान पर चढ़ा दिया।

पहले बहुत सारे मेंढक जो उसकी तरफ कभी आँख उठा कर भी नहीं देखते थे वे अब उसके चारों तरफ चक्कर काटने लगे और उसकी चापलूसी करने लगे।

बच्चा टैडपोल इस सबसे इतना खुश हुआ कि उसने अपने राजा बनने की रस्म से पहले वाले सात दिन के अन्दर अन्दर एक शानदार दावत का इन्तजाम किया।

उसके सारे नये दोस्तों को बुलावा भेजा गया। सबसे अच्छे गवैये, संगीत के साज़ बजाने वाले और नाचने वाले बुलाये गये। दावत के लिये बढ़िया बढ़िया खाने तैयार किये गये।

बड़े बड़े बरतनों में ताड़ी[4] भर कर इधर उधर चारों तरफ रख दी गयी। यहाँ तक कि गलियों और बाजारों में भी रखवा दी गयी ताकि किसी को पीने की कोई कमी न हो।

उस दिन सभी मेंढक दावत खाने और खुशी मनाने में में लगे रहे और उस दिन मेंढकों के देश में कोई काम नहीं हुआ।

रीति रिवाजों के अनुसार शाम को सारे मेंढक सड़कों पर खूब नाचे और छठे दिन बच्चा टैडपोल जो अब तक नशे में धुत हो चुका था मेंढकों के उस जुलूस के पीछे पीछे चला।

[4] Translated for the word “Palm Wine”. It is very common drink in Nigeria.

वह चाहता था कि सारी भीड़ उसको देखे सो उसने घोषणा की कि वह उन सारे नाचने वालों से कहीं ज़्यादा अच्छा नाच सकता था और उस टैडपोल ने सड़क पर नाचना और कूदना शुरू कर दिया।

क्योंकि हर मेंढक ने उसके नाच की तारीफ की और क्योंकि वह बहुत ज़्यादा नशे में था इसलिये उसने सोचा कि उसका नाच वाकई सभी को बहुत पसन्द आ रहा था जबकि उससे न तो कूदा ही जा रहा था और न ही नाचा जा रहा था।

वह बेचारा बार बार दूसरे मेंढकों के ऊपर लुढ़क जाता था। कभी कभी वह नाली में भी गिर पड़ता था।

एक चौराहे के पास कूड़े का एक बहुत बड़ा ढेर पड़ा था। यहाँ उस टैडपोल की किस्मत कुछ ज़्यादा ही खराब थी। उस ढेर को वह कूद कर पार करना चाह रहा था सो जब वह कूद रहा था तो एक गड्ढे में गिर गया और अपनी एक छोटी सी मुलायम सी टाँग तोड़ बैठा।

दूसरे मेंढकों ने उसे वहाँ से उठाया और एक तख्ते पर बिठा कर उसे उसके घर ले चले। घर जा कर उस टूटी हुई टाँग के दर्द में कराहता सा वह अपने मुलायम बिछौने पर लेट गया। उसको पता ही नहीं चला कि उसकी कौन सी टाँग ज़्यादा दर्द कर रही थी।

अब इन मेंढकों के देश में एक कानून यह भी था कि वे किसी ऐसे मेंढक को राजा नहीं बनाते थे जिसके शरीर का कोई भी हिस्सा टूटा हुआ हो।

सो अगले दिन जब सारे मेंढक इकट्ठा हुए तो उनको लगा कि सभी मेंढक ओझे की उस राय से राजी नहीं थे जो उसने सात दिन पहले दी थी। उन्होंने यह तय किया कि वे किसी टूटी टॉग वाले को अपना राजा नहीं बना सकते।

और इस तरह वह बच्चा टैडपोल राजा नहीं बना और उसकी जगह एक बूढ़े मेंढक को राजा बना दिया गया।

बच्चों इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अगर कोई अच्छी चीज़ या खुशी अचानक ही मिल जाये तो हमें इतना ज़्यादा खुश नहीं हो जाना चाहिये कि हम अपनी देखभाल भी ठीक से न कर सकें और उस खुशी को ही न सह सकें। बल्कि हमें उसके लायक बनने की कोशिश करनी चाहिये।

2 बाज़ कभी चोरी क्यों नहीं करता[5]

एक बार की बात है कि नाइजीरिया के एक गॉव में एक पति पत्नी रहते थे। उन लोगों की शादी को कई साल बीत चुके थे पर उनके कोई बच्चा नहीं था। एक दिन पत्नी ने अपने पति से प्रार्थना की कि वह किसी जू जू आदमी[6] के पास जाये और उससे इस बारे में बात करे।

पति अपने जू जू आदमी के पास गया और उससे उसने इस बारे में बात की तो उसने कहा कि "ठीक है कल आना। मैं देखता हूॅ कि मैं तुम्हारे लिये क्या कर सकता हूॅ।"

कुछ समय बाद उस जू जू आदमी के जू जू से उनके घर एक बेटी पैदा हुई जिसका नाम उन्होंने रखा अलान्तेरे[7]।

पति पत्नी दोनों उस जू जू आदमी के बहुत ही अहसानमन्द थे। पति जब उसको धन्यवाद देने गया तो वह बोला "देखो, अलान्तेरे को किसी भी हालत में काम मत करने देना क्योंकि इस जू जू ने इसको धरती पर भेजने के लिये यही सौदा किया है।"

पति घर लौट गया और जा कर यह सब अपनी पत्नी को बताया। दोनों को इस बात की कोई फिक्र नहीं थी कि उनकी बेटी

---

[5] Why the Hawk Never Steals? - a Yoruba folktale from Nigeria, Africa

[6] Ju Ju Man is the man who does magic or Black Magic. Ju Ju in Nigeria is a kind of magic or Black magic. It is like Indian Tonaa Totakaa. It can be both for good or bad.

[7] Alantere – name of the daughter of the couple.

काम करती है या नहीं क्योंकि बेटी से बढ़ कर उनके लिये और कोई खुशी नहीं थी।

अलान्तेरे बड़ी हुई पर जैसे और घरों में लड़कियाँ काम करती हैं अलान्तेरे को घर का कोई काम नहीं करने दिया जाता था। इस तरह बड़े होने से वह बहुत आलसी हो गयी।

जब अलान्तेरे अठारह साल की हुई तो उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली। दूसरी पत्नी अलान्तेरे को उसके आलसीपने की वजह से बिल्कुल भी पसन्द नहीं करती थी।

हालाँकि उसको अलान्तेरे के बारे में सब कुछ बता दिया गया था कि वह काम क्यों नहीं करती थी फिर भी उसके ऊपर इस बात का कोई असर नहीं था।

एक दिन जब पति और उसकी पहली पत्नी दोनों बाहर अपने दोस्तों से मिलने गये हुए थे तो पति की दूसरी पत्नी को अलान्तेरे से काम कराने का मौका मिल गया। उसने अलान्तेरे को खूब पीटा और घर का आँगन साफ कराया। फिर उसको पानी लाने भेजा।

जैसे ही अलान्तेरे पानी भरने के लिये पानी पर झुकी तो एक अजीब बात हुई। तालाब की देवी ओलूवेरी[8] अचानक तालाब से प्रगट हुई, उसने लड़की को खींचा और तालाब के पानी की गहराइयों में डुबो दिया।

---

[8] Oluweri – goddess of the Rivers

जब अलान्तेरे के माता पिता वापस घर लौटे तो उन्हें अपनी बेटी कहीं दिखायी नहीं दी। इससे उनको चिन्ता हो गयी कि उनकी बेटी कहाँ गयी।

उन्होंने जब दूसरी पत्नी से पूछा कि अलान्तेरे कहाँ है तो उसने उसके बारे में बताने से साफ इनकार कर दिया कि उसको उस लड़की के बारे में कुछ पता नहीं था। हो सकता था कि वह कहीं बाहर चली गयी हो।

जब अलान्तेरे बहुत देर तक नहीं लौटी तो उसके पिता ने उसके दोस्तों के घर मालूम किया पर वह वहाँ भी नहीं थी और उसके दोस्तों को भी नहीं मालूम था कि वह कहाँ थी।

इस पर उसके पिता ने लोगों से कहा कि लगता है कि अलान्तेरे को चुरा लिया गया है इसलिये उसकी तलाश जरूरी है। लोग दो दो या चार चार के समूह में चारों तरफ जा सकते थे और उसका नाम ले ले कर उसको पुकार सकते थे। लोगों ने ऐसा ही किया।

एक समूह ओलूवेरी के तालाब की तरफ निकल गया था। एक आदमी ने वहाँ जब उसका नाम ले कर पुकारा तो अलान्तेरे तालाब की सतह पर आ गयी। उसने बहुत बढ़िया कपड़े और गहने पहने हुए थे और वह बिल्कुल रानी लग रही थी। उसके चारों तरफ सोने और चाँदी की चटाइयाँ थीं।

अलान्तेरे ने एक गीत गाया जिसमें उसने उस आदमी को बताया कि किस तरह उसकी सौतेली माँ ने उससे काम करवाया और उस पर क्या क्या बीती।

वह आदमी तो यह सब देख सुन कर भौंचक रह गया। वह तुरन्त भागा भागा अलान्तेरे के माता पिता के पास पहुँचा और जा कर उनको सब कुछ बताया।

अलान्तेरे के माता पिता अपने दोस्तों के साथ उस तालाब पर आये और अलान्तेरे को पुकारा।

अलान्तेरे फिर वैसे ही बढ़िया कपड़े और गहने पहने तालाब की सतह पर आ गयी और यह गीत गाने लगी —

अलान्तेरे अलान्तेरे
देवताओं ने तुझे काम करने से मना किया था
उसके माँ बाप न भी हाँ तो की कि वह काम नहीं करेगी
पर जब उसके माँ बाप नहीं थे तब उसको पीटा गया
उससे काम कराया गया उसको पानी भरने भेजा गया
वह भी ओलूवेरी के अपने तालाब से

अलान्तेरे अलान्तेरे
तभी अचानक देवी आ गयी तालाब की जिसका नाम है ओलूवेरी
वह ले गयी उसको पानी के नीचे कभी न दिखायी देने के लिये
अब वह इस तालाब से आगे कभी दिखायी नहीं देगी

और वह फिर पानी में डूब गयी। अब हर बार जब भी वे तालाब पर आये यही सब हुआ। अलान्तेरे तालाब की सतह पर

आती, यह गाना गाती और फिर तालाब में चली जाती। पर कोई कभी उसको तालाब के बाहर नहीं ला सका।

दुखी पिता एक बार फिर उसी जू जू आदमी के पास गया और उसको अपने साथ हुई घटना बतायी। जू जू आदमी ने पहले जू जू से सीधी प्रार्थना की परन्तु उससे कुछ नहीं हुआ क्योंकि उससे किया गया वायदा तोड़ा जा चुका था।

तब उस जू जू आदमी और पिता ने मिल कर देवताओं की प्रार्थना की मगर वहाँ से भी कुछ नहीं हुआ। ओलूवेरी से भी प्रार्थना की पर उसका भी कोई जवाब नहीं मिला।

अलान्तेरे की कहानी अब सब जगह फैल चुकी थी। कई लोग सहायता के इरादे से आये भी पर कोई भी उसकी सहायता नहीं कर सका।

एक दिन जब अलान्तेरे का पिता सब तरफ से नाउम्मीद हो चुका था तो एक बाज़[9] आया। उसने भी अलान्तेरे की कहानी सुन रखी थी।

वह उसके पिता की सहायता करना चाहता था पर उसकी कीमत थी बीस मुर्गे। पिता तुरन्त ही राजी हो गया और दोनों ओलूवेरी के तालाब की तरफ चल दिये।

[9] Translated for the word “Hawk”. See its picture above.

बाज़ ने पिता को उस समय अपनी बेटी को पुकारने के लिये कहा जब वह उस तालाब के ऊपर मँडराये। कह कर बाज़ उस तालाब के ऊपर उड़ गया और वहाँ जा कर मँडराने लगा। उस बाज़ को तालाब पर मँडराते हुए देख कर पिता ने अपनी बेटी को पुकारा।

पिता के पुकारने पर अलान्तेरे तालाब की सतह पर आ गयी तो उस बाज़ ने तुरन्त ही कूद लगा कर उसके बाल पकड़ लिये और उसको धीरे से अपने तेज़ पंजों में पकड़ कर बाहर ले आया। बाहर ला कर उसने अलान्तेरे को उसके पिता के आँगन में छोड़ दिया।

इस पर घर में बहुत आनन्द मनाया गया और बाज़ को बहुत बहुत धन्यवाद दिया गया। अलान्तेरे के पिता ने बाज़ को न केवल बीस मुर्गे दिये बल्कि और भी बहुत कुछ दिया।

बाज़ बोला ये सारे मुर्गे तो मैं एक साथ नहीं ले जा सकता सो अगर आपको कोई एतराज न हो तो मैं इनको यहीं आप ही के पास छोड़ देता हूँ और इनको मैं एक एक कर के ले जाता रहूँगा। पिता राजी हो गया।

तब से बाज़ एक एक मुर्गा ले जाता रहता है। किसी को पता नहीं है कि अलान्तेरे के पिता ने उसको कितने मुर्गे देने का वायदा किया था और कितने मुर्गे वह ले जा चुका है और कितने बाकी हैं।

पर बस वह तो तबसे आता है और एक एक मुर्गा ले जाता है। उसको यह लगता ही नहीं कि वह चोरी कर रहा है क्योंकि

उसको तो अब याद ही नहीं कि उसको कितने मुर्गे ले जाने हैं और वह कितने मुर्गे ले जा चुका है।

उसको तो बस यही याद है कि उसे आदमी से एक एक कर के मुर्गे ले जाने हैं तो इसमें चोरी की क्या बात है।

3 मुर्गी और बाज़[10]

जू जू करने की एक और लोक कथा।

एक बार एक जगह एक मुर्गी रहती थी जो साँपों और लोमड़ियों से बहुत परेशान थी क्योंकि जब भी वह अपने बच्चों को ले कर खाना ढूँढने निकलती थी वे उसके बच्चों पर हमला कर देते थे। और ऐसा अक्सर होता।

मुर्गी के कितना भी होशियार रहने के बावजूद वे उसके बच्चों को परेशान करने से नहीं चूकते थे। यह सब देख कर उसने यह सब एक बाज़[11] से कहने की सोची क्योंकि वह बाज़ कई तरह के जू जू[12] जानता था।

मुर्गी ने सारी बातें बाज़ को बहुत खुलासा बतायीं और इस काम में उसकी सहायता माँगी। बाज़ बोला कि वह उसकी सहायता करने के लिये बिल्कुल तैयार है परन्तु इस काम के लिये उसको मुर्गी के हर दस बच्चों में से दो बच्चे चाहिये।

मुर्गी को यह सुन कर बहुत दुख हुआ क्योंकि वह अपने बच्चों की सुरक्षा के लिये ही तो उसके पास गयी थी और वही उसके बच्चे खाने के लिये माँग रहा था।

---

[10] The Hen and the Hawk – a folktale of Yoruba Tribe of Nigeria, Africa

[11] Translated for the word “Hawk”. See its picture above.

[12] Ju Ju means magic or Black Magic. It is like Tonaa Totakaa of India. It may be for good or for bad.

परन्तु फिर वह यह सोच कर तैयार हो गयी कि सारे बच्चों को खोने से तो अच्छा है कि उसके दस बच्चों में से केवल दो बच्चे ही जायें।

बाज़ ने मुर्गी के लिये एक बहुत ही असरदार जू जू बनाया और उसको दे दिया। कुछ समय बाद ही मुर्गी ने बीस अंडे दिये और जब उन अंडों में से उसके बच्चे निकल आये तो मुर्गी बहुत खुश हुई।

अब वह अपने बच्चों के साथ जहाँ भी जाती तो कोई साँप या लोमड़ी उसके बच्चों को परेशान नहीं करते थे। ऐसा अब उनके साथ हर बार होने लगा और अब उसके सारे बच्चे सुरक्षित थे।

अब तक मुर्गी के साठ बच्चे हो चुके थे। वह अपने परिवार को देख कर बहुत खुश थी और उसको अपने परिवार पर बड़ा घमंड था।

यह सब तो हुआ परन्तु वह बाज़ के साथ किया गया अपना वायदा भूल गयी और उसने उसको अपने हर दस बच्चों में से दो बच्चे नहीं दिये।

बाज़ भी यह सब भूल गया था। कुछ समय बाद बाज़ को ध्यान आया कि अब तो मुर्गी का परिवार काफी बड़ा हो गया होगा पर उसने अपने वायदे के अनुसार मुझे अपने बच्चे नहीं दिये तो वह मुर्गी से अपना हिस्सा लेने पहुँचा।

मुर्गी ने उसको बहुत कुछ सुनाया और उसको अपने बारह बच्चे देने से मना कर दिया। इससे बाज़ बहुत नाराज हुआ और जा कर एक देवता से शिकायत की। उस देवता का नाम था ओरिशा[13]।

उस देवता ने बाज़ की बात सुन कर उसकी शिकायत को ठीक समझा और उसको मुर्गी के साठ बच्चों में से बारह बच्चे लेने की इजाज़त दे दी। अब बाज़ मुर्गी के बारह बच्चे एक साथ तो ले कर जा नहीं सकता था सो वह उसके बच्चे एक एक कर के ले जाता रहा।

मुर्गी के वायदा पूरा न करने पर वह आज तक उसके बच्चे एक एक कर के ले जाता है और मुर्गी का परिवार इतना बड़ा है कि वह अपने परिवार के बीस परसैन्ट बच्चों की गिनती भी नहीं कर सकती कि बाज़ को उसके कितने बच्चे लेने चाहिये।

इसलिये बाज़ भी उसके बच्चे ले कर जाता ही रहता है क्योंकि इतने सारे बच्चों में वह भी यह नहीं बता सकता कि उसको मुर्गी के कितने बच्चे लेने चाहिये।

[13] Orisha – name of the god

4 ओलोबुन की भेंट[14]

यह बहुत पुरानी बात है कि एक मेंढक के पास एक जू जू[15] था। एक दिन वह बाजार गया और एक पेड़ के पीछे छिप कर गाने लगा

ओ सुन्दर फल तुम्हारी जगह तो खेत में है
परन्तु इस बाजार में तुमको लोग खाते हैं
मैं अपने जू जू के साथ यहाँ आया हूँ
इससे सारे फल बेचने वाले यहाँ से भाग जायेंगे
और बस मैं फिर सारे फल खा जाऊँगा

गीत खत्म होते ही सारे फल बेचने वाले बाजार से भाग गये और मेंढक ने खूब सारे फल खूब जी भर कर खाये और फिर वहाँ से वह चला गया। ऐसा उसने कई बार किया। बाजार के लोग इस घटना से बहुत परेशान थे।

उन्होंने मेंढक के खिलाफ कई चालें खेलीं पर कोई भी कामयाब नहीं हुई। कई लड़ने वाले भेजे पर वे भी उसका कुछ न बिगाड़ सके। कई शिकारी भी भेजे पर वे भी उसको न पकड़ सके। जू जू भी आजमाया पर मेंढक का जू जू उनके जू जू से ज़्यादा ताकतवर था। अब वे क्या करें?

---

[14] Olobun's Sacrifice – a folktale of Yoruba Tribe of Nigeria, Africa.

[15] Ju Ju is a kind of magic or Black magic. It is like Jaadoo Tonaa of India wich is done to do some work in Nigeria. It may be for good or for bad.

सभी बहुत दुखी थे। तभी शहर में एक बूढ़ा आदमी आया जिसने दावा किया कि मैं पकड़ूँगा उस गाने वाले मेंढक को।

उसने एक मूर्ति बनायी जिसके दोनों हाथों में उसने एक घड़ा पकड़ा दिया और उस घड़े में बहुत सारी मूँगफलियाँ भर दीं। वह मूर्ति उसने बीच बाजार में रख दी। फिर उसने वह पूरी मूर्ति, घड़ा और मूँगफली सभी कुछ गोंद से लेप दिया।

अगली बार जब मेंढक ने गीत गाया तो पहले की तरह से सभी फल बेचने वाले वहाँ से भाग गये। जब मेंढक अकेला रह गया तो वह पेड़ के पीछे से बाहर निकल आया। आज उसने बाजार में एक नयी चीज़ देखी वह थी एक मूर्ति।

वह मूर्ति उसको बहुत अच्छी लगी। वह उसके पास गया और मजाक में हँसी में बोला — "नमस्कार।"

अब वह तो मूर्ति थी वह क्या जवाब देती सो जब वह कुछ नहीं बोली तो वह फिर बोला — "क्या तुम बोल नहीं सकते?"

तभी उसको उस मूर्ति के हाथ में एक घड़ा दिखायी दे गया। उसने सोचा इसके हाथों में जो यह घड़ा है उसमें क्या है। उसने अपनी आगे वाली टाँगें उठायीं और घड़े पर रख दीं और घड़े में झाँकने लगा।

इतने में उसे लगा कि उसके आगे वाले पैर तो उस घड़े पर चिपक गये हैं। उसने उनको वहाँ से छुड़ाने की बहुत कोशिश की पर सब बेकार। वह किसी तरह भी उनको वहाँ से छुड़ा नहीं सका।

अपने आगे वाले पैरों को छुड़ाने के लिये उसने अपने पीछे वाले पैर इस्तेमाल किये तो उसके पीछे वाले पैर भी चिपक गये।

बाजार वाले लोग वहाँ से ज़्यादा दूर नहीं गये थे सो जैसे ही उन्होंने देखा कि मेंढक के चारों पैर उस मूर्ति से चिपक गये तो वे भी वहाँ आ गये और उन्होंने उस मेंढक को वहीं मार डाला।

अब उस बूढ़े आदमी ने सलाह दी कि इस मरे हुए मेंढक के माँस को ओलोबुन[16] को भेंट कर दिया जाये।

सो उसका माँस और हड्डियाँ सब एक बरतन में रख दी गयीं। बूढ़े आदमी ने फिर एक रस बनाया जो उसके शरीर पर डाला गया। इसके बाद एक गिरगिट[17] को उस बरतन को अपने सिर पर ओलोबुन के पास ले जाने के लिये कहा।

इस तरह बाजार वालों को तो आराम हो गया पर बेचारे गिरगिट का बुरा समय तो अब शुरू हुआ।

जब वह गिरगिट मेंढक के माँस और हड्डियों का वह घड़ा अपने सिर पर रख कर ओलोबुन के पास ले जा रहा था तो उसमें से

---

[16] Olobun – a Nigerian god

[17] Translated for the word “Chameleon”. See its picture above.

थोड़ा सा रस जो उस बूढ़े आदमी ने मेंढक के शरीर पर डाला था नीचे टपक गया और उसके मुँह तक आ गया। उसने उसे चाटा तो वह उसे शहद जैसा मीठा लगा।

उसने तुरन्त ही वह घड़ा नीचे रख दिया और उसमें से मेंढक की हड्डियों को उस रस में डुबो डुबो कर खाने लगा।

लेकिन वह रस मीठा होने के साथ साथ चिकना भी था सो जैसे ही उसने हड्डी उस रस में भिगो कर खायी वह हड्डी उसके हाथ से फिसल कर उसके गले में अटक गयी। गिरगिट ने उसको निकालने की बहुत कोशिश की परन्तु वह हड्डी उसके गले से निकली ही नहीं।

आज भी वह हड्डी उसके गले में वहीं अटकी हुई है। न तो वह उसे निगल ही सका और न ही वह उसे उगल ही सका।

इसी लिये बच्चों तुम गिरगिटों को अपना सिर इधर उधर हिलाते देखते होगे क्योंकि वे उस हड्डी को निगलने या उगलने की कोशिश करते रहते हैं पर वह है कि न तो वह अन्दर जाती है और न ही वह बाहर आती है।

ओलोबुन ने भी उसको अपनी भेंट खाने के लिये कभी माफ नहीं किया।

5 एक उदास राजा और उसका उदास राज्य[18]

एक समय की बात है कि एक दूर देश में एक राजा राज करता था। उस राजा के पत्नियाँ तो बहुत सारी थीं परन्तु उनसे उसके बच्चा कोई नहीं था। इससे वह बहुत उदास रहता था।

जब वह दूसरे देशों के राजाओं को देखता जिनके कई कई बच्चे थे तो वह इस दुख से और भी अधिक उदास हो जाता कि उसके कोई बच्चा नहीं था।

एक दिन उस राजा के राज्य में दूसरे राज्य से एक जादूगर[19] घूमने आया। उसने देखा कि उस राज्य के सभी लोग बहुत उदास हैं। बाजार खाली पड़े हैं। कहीं कोई हलचल और शोर शराबा नहीं है। एक आदमी उधर से गुजर रहा था वह भी उदास था।

जादूगर उस उदास आदमी के पास गया और उससे राज्य की उदासी की वजह पूछी। उस आदमी ने बताया कि सारे राज्य की उदासी की वजह केवल उनके राजा की उदासी है।

यह सुन कर जादूगर ने राजा से मिलने का निश्चय किया और राजमहल की तरफ चल दिया। राजमहल पहुँचने पर जादूगर ने वहाँ भी चारों तरफ खामोशी और उदासी छायी पायी। वह जगह उसको इतना ज़्यादा खामोश और उदास लगी कि वह कुछ डर सा गया।

[18] A Sad King and His Sad Kingdom – a folktale from Nigeria, Africa.
[19] Translated for the word "Ju Ju Man" – like Ojhaa in India who do Tonaa Totakaa

राजा के सामने आ कर उसने बड़े आदर से उसकी उदासी की वजह पूछी तो राजा ने जवाब दिया — "मेरे पास जमीन, जायदाद, धन, दौलत, पत्नियाँ सभी कुछ है पर कोई बच्चा नहीं है जिसको मैं अपने मरने के बाद यह सब कुछ सौंप कर जा सकूँ।"

जादूगर मुस्कुराया और बोला — "राजा साहब, यह तो कोई समस्या न हुई। आप अपनी पत्नियों को बुलाइये।"

राजा ने अपनी सारी पत्नियों को वहाँ बुला लिया। जादूगर ने अपने जादू के थैले में से एक दवा निकाली और उसको एक बड़े बरतन में पानी में डाला और राजा की सब पत्नियों से उसमें से थोड़ा थोड़ा पीने के लिये कहा। पत्नियों ने ऐसा ही किया।

फिर जादूगर ने राजा से कहा कि वह उनको अपने अपने घर भेज दे और उनको तभी वापस लाये जब उनके बच्चे हो जायें। यह सुन कर राजा बहुत खुश हुआ और उसने जादूगर को बहुत धन्यवाद दिया और उसको बहुत सारी भेंटें दे कर विदा किया।

अगले दिन राजा की सारी पत्नियाँ खुशी खुशी बढ़िया बढ़िया कपड़े पहन कर अपना अपना सामान टोकरियों में बाँध कर महल के सामने खड़ी थीं।

पर उनमें से उसकी एक पत्नी कुछ अलग सी और दुखी सी खड़ी थी। उसके कपड़े भी पुराने थे और उसका सामान भी एक फटे से थैले में रखा था।

वह राजा की सबसे छोटी पत्नी थी। वह किसी को फूटी ऑख नहीं भाती थी। जब सबसे बड़ी पत्नी को सुन्दर कपड़े बॉटने के लिये दिये गये तो उसने जलन के कारण सबसे छोटी पत्नी को उन कपड़ों में से कुछ भी नहीं दिया।

सभी पत्नियों को अपने अपने घर जाना था और उसकी कोई भी पत्नी उसके अपने राज्य की नहीं थी इसलिये सभी पत्नियॉ अपने मायके जाने में बहुत खुश थीं पर राजा की सबसे छोटी पत्नी का तो कोई घर ही नहीं था।

राजा ने अपनी सब पत्नियों को विदा किया और सब अपने अपने घर चली गयीं। क्योंकि उसकी सबसे छोटी पत्नी का कोई घर नहीं था सो वह एक जंगल में चली गयी। कुछ महीनों के बाद वहॉ एक गुफा में उसने एक बेटे को जन्म दिया।

बेटे को अपनी पीठ पर बॉध कर वह राजा के महल की तरफ चल दी। रास्ते में एक छोटी सी नदी पड़ती थी। उस नदी के आसपास उसे कुछ लोग दिखायी दिये। पास से देखने पर पता चला कि वे तो राजा की बड़ी पत्नियॉ थीं जो अब अपने अपने घरों से वापस अब राजा के पास जा रही थीं।

वह जब उनके और पास आयी तब तो वह डर ही गयी क्योंकि उन सबकी कमर पर बच्चों की बजाय लकड़ी, पत्थर, लोहा आदि बॅधे हुए थे।

उसने अपने बच्चे को अपनी पीठ से उतारा, किनारे पर लिटाया और उस नदी में नहाने धोने चली गयी। जब राजा की बड़ी पत्नियों ने छोटी पत्नी के बेटे को देखा तो वे तो जल भुन कर खाक ही हो गयीं।

उन्होंने उस बच्चे को उठाया और उसको उस नदी में डुबो दिया और फिर वे अपने लकड़ी, पत्थर और लोहे के टुकड़ों को कमर से बाँधे राजा के महल में पहुँचीं।

मगर सबसे छोटी पत्नी के पास तो अब कुछ भी नहीं था क्योंकि उसके बच्चे को तो राजा की दूसरी पत्नियों ने मार डाला था सो वह राजा के पास बिना बच्चे के पहुँची। जब राजा ने अपनी पत्नियों की लायी हुई चीज़ों को देखा तो वह दुख के गहरे सागर में डूब गया।

कुछ समय बाद ही एक ताड़ी[20] निकालने वाला उस नदी पर पानी भरने आया तो वहाँ उसने किसी बच्चे के चिल्लाने की आवाज सुनी। उसने इधर उधर देखा पर उसे कोई दिखायी नहीं दिया। ध्यान से सुनने पर उसे लगा कि आवाज तो उस नदी के अन्दर से आ रही थी।

उसने सुना — "मैं यहाँ की जल परी हूँ। आप सब सुनें। अगर कोई इस बच्चे को सात दिनों के अन्दर अन्दर लेने नहीं आया तो मैं इस बच्चे को मछली बना दूँगी।"

[20] Translated for the words "Palm wine". It is a very common drink in Nigeria.

ताड़ी वाला राजा के पास भागा भागा गया। उसने राजा को बच्चे की सारी कहानी बतायी तो राजा भी नाले के पास भागा भागा आया और वहॉ जल परी को कुछ भेंटें चढ़ाने के बाद उस बच्चे को उससे ले लिया।

अब जब बच्चा मिल गया था तो उसकी मॉ को ढूँढना जरूरी था। राजा ने मुनादी पिटवा दी कि आज से सातवें दिन राज्य की हर स्त्री अपना सबसे अच्छा पकवान बना कर बाजार के चौराहे पर ले कर आये।

सो सातवें दिन सभी स्त्रियॉ अपना अपना सबसे अच्छा पकवान बना कर उसको चौराहे पर ले आयीं। राजा ने बच्चे को छोड़ दिया और उससे हर स्त्री के पास से गुजरने को कहा।

जब बच्चा जा रहा था तो किसी ने उसको पुचकारा, किसी ने उसका हाथ पकड़ा, किसी ने उसे अपनी ओर खींचा, परन्तु वह बच्चा तो सबको छोड़ता हुआ एक और ही स्त्री की तरफ चल दिया जो एक कूड़े के ढेर के पास बैठी थी। यह राजा की सबसे छोटी पत्नी थी।

राजा ने जब अपनी सबसे छोटी पत्नी को देखा तो वह बहुत खुश हुआ। सो यह लड़का तो उसका अपना ही बेटा निकला।

उसने अपनी सब पत्नियों को भगा दिया और अब वह अपने खुश राज्य में खुशी खुशी अपनी सबसे छोटी पत्नी के साथ रहने लगा।

6 खोया हुआ वारिस[21]

बहुत पुरानी बात है जब अफ्रीका के नाइजीरिया देश में एक राजा राज करता था। उसके तीन पत्नियाँ थीं पर उनमें से किसी के कोई बच्चा नहीं था। उसको एक बेटे की जरूरत थी जो उसके बाद उसका राज काज देख सके।

वह इसके लिये बहुत परेशान था सो उसने एक इफ़ा पुजारी[22] को बुलाया और उसको अपनी परेशानी बतायी। साथ में यह भी कहा कि अब समय कम था इसलिये उसे जो कुछ करना है वह वह जल्दी करे।

इफ़ा पुजारी अपना तख्ता और अपनी कौड़ियाँ[23] ले कर आया जिससे उसको राजा की समस्या का हल ढूँढना था। उसने अपनी कौड़ियों की सहायता से राजा को बताया कि उसके एक लड़का होगा पर किस पत्नी से होगा यह वह नहीं बता पाया।

उसने यह भी कहा कि वह एक काढ़ा तैयार करेगा जिसको पीने से उसकी तीनों पत्नियों को बच्चे की आशा हो जायेगी। थोड़ी

---

[21] The Lost Heir – a folktale from Nigeria, West Africa. Taken from the Web Site: http://allfolktales.com/wafrica/lost_heir.php

[22] Ifa Priest – a kind of Priest among the Ifa Tribe. He is also like a Ju Ju Man who does Tonaa Totakaa like Ojhaa in India

[23] Cowrie shells – they are a kind of sea shells. See their picture above. They are used in Nigeria as the means to do Ju Ju to fulfill the wish to control and predict the future events.

देर बाद वह एक काढ़ा लिये लौटा जिसको राजा की तीनों पत्नियों को पीना था।

राजा की दोनों बड़ी पत्नियाँ राजा की सबसे छोटी पत्नी से बहुत जलती थीं और उसके साथ बहुत बुरा बरताव करती थीं सो उन्होंने काढ़े का वह बरतन केवल अपने लिये रख लिया।

उन्होंने सोचा कि यदि छोटी पत्नी उस काढ़े को नहीं पियेगी तो उसको बेटा नहीं होगा। दोनों बड़ी पत्नियों ने काढ़ा बाँट कर पी लिया और खाली बरतन साफ करने के लिये रख दिया।

जब छोटी पत्नी ने काढ़े का बरतन खाली देखा तो वह बहुत दुखी हुई और यह सोच कर रोने लगी कि उसने तो माँ बनने का मौका ही खो दिया।

फिर यह सोच कर कि शायद कुछ हो जाये वह काढ़े वाले बरतन में से जो कुछ थोड़ा बहुत काढ़ा उसमें चिपका हुआ था उसी को चाटने लगी। उसने वह बरतन चाट चाट कर साफ कर दिया।

बहुत जल्दी ही राजा की तीनों पत्नियों को बच्चे की आशा हो गयी। समय आने पर राजा की दोनों बड़ी पत्नियों ने दो लड़कियों को जन्म दिया। अब उन दोनों का ध्यान राजा की छोटी पत्नी पर लग गया कि हो सकता है कि वही लड़के को जन्म दे।

जब उसको बच्चा होने वाला था तो दोनों बड़ी पत्नियाँ उसके पास ही थीं। छोटी पत्नी ने एक लड़के को जन्म दिया। यह देखते ही दोनों बड़ी पत्नियों ने उस लड़के को तो वहाँ से हटा लिया और

एक पत्थर ला कर रख दिया। फिर दोनों ने शोर मचा दिया कि राजा की छोटी पत्नी ने तो एक पत्थर को जन्म दिया है।

राजा ने जब यह सुना तो उसने छोटी पत्नी को अपने घर से बाहर निकाल दिया। वह बेचारी गाँव के बाहर जा कर रहने लगी।

इस बीच में उन दोनों ने लड़के को एक सूती कपड़े में लपेटा और जंगल में एक पेड़ के नीचे छोड़ दिया।

एक दवा बनाने वाला जंगल में दवा बनाने के लिये पत्ते जड़ें आदि इकट्ठा कर रहा था। उसने इस लड़के देखा तो उसको उठा कर अपने घर ले गया और अपने बेटे की तरह से पालने पोसने लगा।

कई साल बाद राजा मर गया बिना किसी वारिस के। अब राजा किसे बनाया जाये? क्योंकि कोई ऐसा आदमी दिखायी नहीं देता था जिसको वे राजा बना सकें।

सो इफ़ा पुजारी को फिर से बुलाया गया। इफ़ा पुजारी ने फिर से अपनी कौड़ियाँ फेंक कर बताया कि राजा का वारिस तो पैदा हो चुका है और एक घने जंगल में एक दवा बनाने वाले के घर में मौजूद है।

सो कुछ आदमी उस बच्चे को लाने के लिये उस दवा बनाने वाले आदमी के पास गये और उस बच्चे को वहाँ से ले आये और उसको राजा बनाने के लिये सोचने लगे पर उस बच्चे के जन्म के बारे में तो कुछ पता ही नहीं था कि वह किसका बेटा था।

इफ़ा पुजारी ने फिर बताया कि उसकी मॉ भी उसी गॉव में रहती थी। पर वह थी कौन? गॉव की हर औरत यह सोचती कि वह उस होने वाले राजा की मॉ है पर ऐसा तो मुमकिन नहीं था कि हर औरत उस बच्चे की मॉ हो सकती।

इफ़ा पुजारी ने फिर एक तरकीब सुझायी कि गॉव की हर औरत मॉस बना कर गॉव के चौराहे पर लायेगी। होने वाला राजा उन सब बरतनों में से मॉस को चखेगा और उसी से वह अपनी मॉ को पहचानेगा।

यह सुन कर सब औरतों ने अपने अपने घर में सबसे ज़्यादा बढ़िया तरीके से मॉस पकाना शुरू कर दिया जैसा पहले कभी उन्होंने अपनी सारी ज़िन्दगी में नहीं पकाया था। तय किये गये दिन वे सभी अपना अपना पका मॉस ले कर गॉव के चौराहे पर इकट्ठा हुईं।

सबके बरतनों में मॉस को स्वाददार बनाने के लिये सैंकड़ों किस्म के मसाले पड़े हुए थे पर एक बरतन उनमें ऐसा भी था जिसमें केवल सब्जियॉ ही पड़ी थीं।

क्योंकि वह औरत गॉव के बाहर रहती थी और बहुत गरीब थी। क्योंकि वह खुद भी जंगल में मिलने वाले फलों और जड़ों पर गुजारा करती थी सो उसने केवल जंगल से मिलने वाली सब्जियॉ ही पका दी थीं।

गॉव के चौराहे पर बरतनों की मीलों लम्बी लाइन लगी थी और हर बरतन में से खूब खुशबुऐं उड़ रही थीं। होने वाला राजा आया

और उसने सब बरतनों में से खाना चखना शुरू किया। सुबह से शाम हो गयी। आखिर वह उस आखिरी बरतन के पास पहुँचा जहाँ वह गाँव के बाहर रहने वाली औरत बैठी हुई थी।

उसने उसके बरतन में रखी सब्जी चखी और खुशी से नाच उठा कि वही उसकी माँ थी। इस तरह उस निकाली गयी रानी ने बहुत सालों बाद फिर से राजमहल में अपनी जगह पा ली थी।

7 दो खालों वाली स्त्री[24]

जू जू कराने की इस लोक कथा में नाइजीरिया का एक राजा एक बेटा पाने के लिये एक मकड़े की बेटी से शादी करता है लेकिन उसकी पहली रानियाँ मकड़े की बेटी पर कई बार जू जू करवाती हैं ताकि वह राजा को उनसे न छीन ले।

तो लो पढ़ो नाइजीरिया की यह मजेदार लोक कथा और देखो कि उन पर एक दूसरे पर जू जू करवाने का क्या असर होता है।

इयाम्बा प्रथम कैलैबार[25] का एक बहुत बड़ा और ताकतवर राजा था। उसने अपने आस पास के बहुत सारे देश जीत लिये थे। वहाँ के आदमी और औरतों को भी वह पकड़ लाया था। वे लोग उसके खेतों पर अपनी पूरी ज़िन्दगी काम करते रहते थे।

इस राजा के दो सौ पत्नियाँ थीं पर किसी से भी उसको एक बेटा नहीं था।

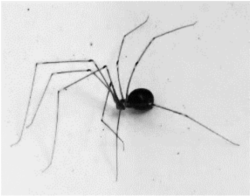

यह देख कर कि अब राजा बूढ़ा होता जा रहा था और उसके कोई बेटा नहीं था उसके दरबारियों ने उसको एक मकड़े की लड़की से शादी करने की

[24] The Woman With Two Skins – a folktale from Calabar, Southern Nigeria, Africa.
Translated from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Its Hindi translation is available from hindifolktales@gmail.com in e-form free of charge.
This story is a peculiar version of the story of the courteous Sir Gawain with "his bride, hideous by day, and a pearl of loveliness by night". The Ju Ju man answers to the witch and to the stepmother of the prince, who, by a magical potion, makes the King forget his own true love.

[25] Calabar is a city of Nigeria in its Cross River State.

सलाह दी क्योंकि मकड़ों के तो हमेशा ही बहुत सारे बच्चे हुआ करते थे।

लेकिन जब राजा ने मकड़े की लड़की को देखा तो उसको वह बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगी क्योंकि वह बहुत ही बदसूरत थी। लोगों ने उसे बताया कि वह बदसूरत इसलिये थी क्योंकि उसकी माँ के बहुत सारे बच्चे थे।

फिर भी राजा ने अपने लोगों की खुशी के लिये उस मकड़े की लड़की से शादी कर ली और उसको भी अपनी दूसरी पत्नियों के साथ ही रख दिया।

परन्तु उसकी पत्नियों ने राजा से शिकायत की कि वे उसके साथ नहीं रह सकतीं क्योंकि वह बहुत बदसूरत थी। आखिरकार राजा ने उसके लिये एक अलग घर बनवा दिया जहाँ उसको भी वही खाना पीना मिलता था जो उसकी दूसरी पत्नियों को मिलता था।

राज्य का हर आदमी उस मकड़े की लड़की से नफरत करता था क्योंकि वह बहुत बदसूरत थी पर सचमुच में वह बदसूरत नहीं थी। वह बहुत सुन्दर थी। वह दो खालों के साथ पैदा हुई थी।

उसकी माँ ने उससे कहा था कि वह अपनी बदसूरत वाली खाल को सिवाय रात के और कभी न उतारे जब तक कि उसको उतारने का ठीक समय न आ जाये और सुबह को तुरन्त उठते ही उस खाल को ओढ़ लिया करे।

राजा की पटरानी को मकड़े की लड़की के इस भेद का पता चल गया कि वह बहुत सुन्दर थी इसलिये वह उससे घबराने लगी कि यदि यह राजा को यह पता चल गया कि मकड़े की लड़की बहुत सुन्दर है तो राजा उसको अधिक प्यार करने लगेगा।

सो वह एक जू जू करने वाले[26] के पास गयी। उसको उसने दो सौ डंडियॉ[27] दीं और कहा कि वह उसके लिये एक ऐसा काढ़ा बना दे जिसको पी कर राजा यह भी भूल जाये कि मकड़े की लड़की को वह जानता भी था।

जू जू करने वाले ने ऐसे काढ़े के लिये तीन सौ पचास डंडियों की मॉग की जिसके लिये राजा की पटरानी तुरन्त तैयार हो गयी। जू जू करने वाले ने ऐसी दवा बनाने का वायदा किया और उसको वह दवा बना कर दे दी।

राजा की पटरानी ने वह दवा राजा को उसके खाने में मिला कर पिला दी। कुछ दिनों तक उस दवा ने काम किया कि राजा मकड़े की उस लड़की के पास से निकल जाता और उसे पहचानता भी नहीं था।

इस तरह चार महीने बीत गये और राजा ने मकड़े की लड़की अडियाहा[28] को अपने पास नहीं बुलाया। अडियाहा राजा की इस

---

[26] Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody.

[27] Translated for the word “Rods” – maybe the currency used in Nigeria in those times.

[28] Adiaha – name of the daughter of spider

बेरुखी से बहुत तंग आ गयी और अपने माता पिता के घर चली गयी।

अडियाहा का पिता उसको एक दूसरे जू जू करने वाले के पास ले गया जो जादू टोना करने में बहुत होशियार था। उसने तुरन्त ही पता लगा लिया कि यह टोटका राजा की पटरानी ने उस लड़की के ऊपर करवाया था ताकि वह अडियाहा की तरफ देखे भी नहीं।

उस जू जू करने वाले ने मकड़े से कहा कि वह उसको एक ऐसी दवा तैयार कर के देगा जिसे उसकी बेटी अपने पति को पिला देगी। उस जूजू करने वाले ने मकडे से इस दवा के काफी पैसे ऐंठे और वह दवा बना कर उसको दे दी।

अडियाहा ने उस दवा को राजा के खाने में मिला दिया और वह खाना राजा को खिला दिया। जैसे ही राजा ने वह खाना खाया उसकी तो ऑखें खुल गयीं। वह अडियाहा को अपनी पत्नी के रूप में पहचान गया और उसने उसको उसी शाम को अपने महल में बुला लिया।

अडियाहा तो बहुत खुश हो गयी। शाम से ही वह राजा से मिलने की तैयारी में लग गयी। वह शाम को नदी पर नहाने गयी और वहॉ से लौट कर उसने अपने सबसे अच्छे कपड़े पहने और राजा से मिलने के लिये चल दी।

जब वह राजा के महल में पहॅुची तो रात हो चुकी थी। चारों तरफ ॲधेरा ही ॲधेरा था। उसने अपनी बदसूरत वाली खाल

निकाल दी थी तब राजा ने देखा कि अडियाहा कितनी सुन्दर थी। राजा उससे बहुत खुश हुआ। सुबह होते ही अडियाहा ने अपनी वह बदसूरत खाल फिर से ओढ़ ली और अपने घर चली गयी।

चार रात तक वह ऐसा ही करती रही। रात को वह अपनी बदसूरत खाल निकाल देती और सुबह को अपनी बदसूरत खाल को पहन कर अपने घर चली जाती।

सारे लोगों को बड़ा आश्चर्य हुआ जब कुछ समय बाद उसने एक बेटे को जन्म दिया। पर सबको सबसे ज्यादा आश्चर्य तो इस बात का था कि उसने केवल एक ही बच्चे को जन्म दिया था नहीं तो उसकी माँ तो एक बार में अक्सर पचास पचास बच्चों को जन्म दिया करती थी।

राजा की पटरानी को इससे बहुत जलन हुई। वह फिर से उस जू जू करने वाले के पास पहुँची। उसने फिर उस जू जू करने वाले को बहुत सारे पैसे दिये और उस जू जू करने वाले ने फिर से उसको एक और दवा दी जिसको खिलाने से राजा बीमार हो जाता और अपने बेटे को भूल जाता।

यही दवा उस बीमार राजा को फिर उस जू जू करने वाले पास भेजती और जू जू करने वाला राजा को यह बताता कि यह सब उसके बेटे ने किया है।

उसी ने राजा को बीमार किया है क्योंकि वह उसको मार कर खुद राज करना चाहता है। और अगर वह अपने आपको बचाना चाहता है तो उसको अपने बेटे को पानी में फेंक देना चाहिये।

जैसा जू जू करने वाले ने कहा था वैसा ही हुआ। दवा खाते ही राजा बीमार हो गया और जब वह बीमार हो गया तो वह जूजू करने वाले के पास गया।

जूजू करने वाले ने उसको बताया कि यह सब उसके बेटे ने किया है। उसी ने राजा को बीमार किया है क्योंकि वह उसको मार कर खुद राज करना चाहता है। और अगर वह अपने आपको बचाना चाहता है तो उसको अपने बेटे को पानी में फेंक देना चाहिये।

राजा पहले तो अपने बेटे को पानी में फेंकने के लिये तैयार नहीं हुआ पर उसके सरदारों ने उसको समझाया कि वह इस लड़के को पानी में फेंक दे और भगवान ने चाहा तो अगले साल फिर उसके एक और बेटा हो जायेगा।

राजा मान गया और उसने अपने बेटे को नदी में फिंकवा दिया। अडियाहा अपने बेटे के लिये बहुत रोयी बहुत रोयी पर क्या करती।

राजा की पटरानी फिर से उस जू जू करने वाले के पास गयी और उससे कहा कि अबकी बार वह एक ऐसी दवा तैयार करे जिससे राजा अडियाहा को कम से कम तीन साल के लिये भूल

जाये। सो जू जू करने वाले की उस दवा के असर से अबकी बार राजा अडियाहा को तीन साल के लिये भूल गया।

तीन साल तक अडियाहा बेचारी अपने बेटे और अपने पति से अलग होने का दुख मनाती रही फिर वह अपने पिता के पास गयी और अपने जू जू करने वाले से एक और दवा ले कर आयी।

जब वह दवा उसने राजा को खिलायी तो राजा उसको फिर से पहचान गया और उसको फिर से अपने पास बुला लिया।

जिस जू जू करने वाले के पास अडियाहा गयी थी वह पानी वाला जू जू करने वाला आदमी था सो जब राजा ने अडियाहा के बेटे को नदी में फिंकवाया था तो वह वहीं था। उसने राजा के बेटे को बचा लिया और उसे अपने घर ले गया।

वह उसे पालता पोसता रहा। बड़ा हो कर वह एक बहुत ताकतवर आदमी बन गया। उसकी शक्ल राजा से बहुत मिलती जुलती थी।

इस बीच में अडियाहा ने एक बेटी को जन्म दिया। राजा की पटरानी ने जलन की वजह से राजा से फिर उस लड़की को फेंक देने के लिये कहा।

राजा को उसकी लड़की को फेंक देने के लिये राजी करने में उसे काफी देर लग गयी पर किसी तरह उसने उसको मना लिया। राजा ने उस लड़की को भी नदी में फेंक दिया और वह फिर अडियाहा को भूल गया।

इस समय भी वह पानी वाला जू जू करने वाला वहाँ मौजूद था और उसने उस लड़की को भी बचा लिया। अब उसने सोचा कि राजा की पटरानी को उसके कामों का सबक सिखाने का यह अच्छा मौका था।

वह जवान लोगों के सरदार के पास गया और उसको हर हफ्ते जवानों में एक कुश्ती का मैच रखने के लिये उकसाया। वह सरदार इस मैच के लिये तैयार हो गया।

उधर उस जू जू करने वाले ने राजकुमार को भी उस कुश्ती में हिस्सा लेने के लिये कहा और कहा कि वह बिल्कुल चिन्ता न करे उसको कुश्ती में कोई भी नहीं हरा पायेगा।

मैच रखा गया और उस मैच में हिस्सा लेने के लिये बहुत सारे ताकतवर लोग वहाँ आये। राजा भी अपनी पटरानी के साथ उस मैच को देखने के लिये वहाँ आया।

मैच वाले दिन जू जू करने वाले ने राजकुमार को विश्वास दिलाया कि उसका जू जू इतना ताकतवर था कि कोई कितना भी बड़ा ताकतवर कुश्तीबाज क्यों न हो वह उससे जीत नहीं पायेगा। जीतने वाले को राजा कपड़े और धन का इनाम देने वाला था।

जब आये हुए कुश्तीबाजों ने राजकुमार को देखा तो हँसे और बोले — "ओह यह छोटा सा लड़का कौन है? यह हमसे क्या कुश्ती लड़ेगा?"

पर जब कुश्ती शुरू हुई तो उनको लगा कि वे तो खुद ही उसके लायक नहीं थे। वह यह देख कर भी दंग थे कि उसकी शक्ल राजा से कितनी मिलती जुलती थी।

शाम तक सबसे लड़ने के बाद राजकुमार विजयी घोषित कर दिया गया। उनमें से कई कुश्तीबाज तो बेचारे काफी घायल हो गये थे। राजा ने राजकुमार को कपड़े और पैसे दिये और शाम को अपने साथ खाना खाने की दावत दी।

राजकुमार ने खुशी से उसकी दावत मान ली। वह नदी में नहा धो कर तैयार हुआ और राजा के महल में जा पहुँचा। वहाँ उसको कई सरदार और राजा की प्रिय पत्नियाँ दिखायी दीं।

सब लोग खाना खाने बैठे। राजकुमार राजा के पास बैठा हालाँकि राजा उसको जानता नहीं था कि वह उसका अपना बेटा था। राजकुमार के बाद राजा की पटरानी बैठी।

खाने के पूरे समय तक राजा की पटरानी राजकुमार से दोस्ती बढ़ाने की कोशिश में रही क्योंकि राजकुमार जवान था और बहुत सुन्दर था। और आज तो वह सबसे अच्छा कुश्तीबाज भी घोषित किया गया था।

राजा की पटरानी ने सोचा कि अब मेरा पुराना पति बूढ़ा हो गया है पता नहीं वह कब मर जाये सो उसके बाद मैं इसे अपना नया पति बना लूँगी।

राजकुमार जितना ताकतवर था उतना ही अक्लमन्द भी था। वह उस पटरानी की सब चालें समझ रहा था। उसने दिखावे के लिये यह दिखाया कि वह सब उसको अच्छा लग रहा था जो वह उसके साथ कर रही थी पर वह जल्दी ही अपना खाना खा कर अपने घर चला गया।

जब वह अपने घर पहुँचा तो उसने अपने पिता को सब बताया।

जू जू करने वाला बोला — "तुम अब राजा के प्यारे हो गये हो सो तुम कल राजा के पास जाओ और उससे कहो कि वह देश के सारे लोगों को बुलाये। उन सबके सामने एक मुकदमा रखा जायेगा। उसमें जो कोई भी अपराधी पाया जाये उसको ईबो[29] लोग सबके सामने मारें।"

अगले दिन वह राजकुमार राजा के पास गया और एक मुकदमा रखने की प्रार्थना की। राजा तुरन्त तैयार हो गया। उसने देश के सारे लोगों को उस मुकदमा सुनने के लिये बुला लिया।

फिर उस जू जू करने वाले ने उसको उसकी माँ के पास भेजा और कहा कि वह जा कर उसको बताये कि वह कौन था और

---

[29] Igbo people – they are people of justice

उससे यह भी कहे कि वह उस दिन अपनी बदसूरत वाली खाल उतार कर आये क्योंकि अब वह समय आ गया था जब इसके बाद उसको उस खाल की जरूरत नहीं पड़ेगी।

राजकुमार ने वैसा ही किया।

मुकदमे वाले दिन अडियाहा जा कर एक कोने में बैठ गयी। किसी ने भी उस अजनबी को नहीं पहचाना कि वह मकड़े की बेटी थी। राजकुमार अपनी बहिन को भी ले आया और अपनी मॉ के पास आ कर बैठ गया।

अडियाहा ने जैसे ही राजकुमार की बहिन को देखा तो तुरन्त बोली — "यह तो मेरी बेटी होनी चाहिये जिसके लिये मैं इतना रोयी हूॅ।" और उसको बड़े प्यार से गले लगा लिया।

राजा और उसकी पटरानी भी आ गये और सब लोगों के बीच में एक पत्थर पर आ कर बैठ गये। सब लोगों ने उनको नमस्कार किया।

राजा उठा और उसने घोषणा की कि आज वे सब उस कुश्ती में जीतने वाले लड़के की प्रार्थना पर एक मुकदमा सुनने के लिये इकट्ठा हुए हैं।

जो कोई भी हारेगा वह मरने के लिये ईबो के हवाले कर दिया जायेगा चाहे वह खुद या उसकी कोई पत्नी ही क्यों न हो। ईबो लोग उसका सिर पत्थर पर रख कर उसे मार देंगे।

सारे लोग मुकदमा सुनने के लिये बहुत उत्सुक थे कि ऐसा क्या मुकदमा है जो उन सबको बुलाया गया है। राजकुमार चारों तरफ घूमा और फिर बोला — “क्या आप लोग समझते हैं कि मैं किसी सरदार का बेटा होने के लायक हूँ?”

सब एक आवाज में बोले “हाँ हो।”

फिर वह अपनी बहिन का हाथ पकड़ कर भीड़ के बीच में ले आया और भीड़ से पूछा — “क्या यह मेरी बहिन किसी सरदार की बेटी होने के लायक नहीं है?”

लोगों ने उसकी सुन्दर बहिन को देखते हुए कहा — “हाँ है। यह तो किसी सरदार की ही नहीं बल्कि राजा की भी बेटी होने के लायक है।”

फिर वह अपनी माँ को ले कर आया जो अपने बहुत सुन्दर कपड़ों और मोतियों[30] के गहनों में और भी अधिक सुन्दर लग रही थी और भीड़ से पूछा — “क्या यह किसी राजा की पत्नी होने के लायक नहीं है?”

सबने एक आवाज में कहा — “बिल्कुल है। बल्कि इसको तो कई अच्छे बेटों की माँ भी होना चाहिये।”

फिर उसने राजा की पटरानी की तरफ इशारा करते हुए लोगों को अपनी कहानी सुनायी कि किस तरह उसकी माँ ने जो एक मकड़े की बेटी थी राजा से शादी की, फिर किस तरह राजा की पटरानी

[30] Translated for the word “Beads”, not the pearls.

उससे जलने लगी और फिर कैसे उसने राजा के लिये उसकी मॉ के खिलाफ बुरा जू जू बनवाया।

उस बुरे जू जू की वजह से राजा कैसे उसकी मॉ को भूल गया। और फिर किस तरीके से उसने उसको और उसकी बहिन को नदी में फिंकवा दिया पर पानी वाले जू जू करने वाले ने उन दोनों को बचा लिया।

अब मैं इस मुकदमे का फैसला राजा और आप लोगों पर छोड़ता हूँ। इसमें अगर मैं गलती पर हूँ तो मुझे ईबो को दे दिया जाये और यदि यह स्त्री गलती पर है तो इसको ईबो को दे दिया जाये। जैसा भी आप सब ठीक समझें।"

जब राजा को यह पता चला कि यह कुश्तीबाज लड़का उसका अपना बेटा है तो वह बहुत खुश हुआ और उसने तुरन्त ही अपनी पटरानी को ईबो को सौंप दिया और उनको हुक्म दे दिया कि वे उसके साथ अपने कानून के अनुसार बरताव करें।

ईबो लोगों को लगा कि राजा की पटरानी एक जादूगरनी थी सो वे उसको एक जंगल में ले गये और उसको एक खम्भे से बॉध दिया। वहॉ उसको हिप्पोपोटेमस की खाल से बने हुए कोड़े से दो सौ कोड़े मारे।

उसके बाद उन्होंने उसको ज़िन्दा जला दिया ताकि वह फिर किसी और के लिये कोई परेशानी खड़ी न कर सके। उसकी राख नदी में फेंक दी गयी।

राजा ने अडियाहा और अपने बच्चों को गले लगाया और लोगों में यह घोषित कर दिया कि अब अडियाहा ही उसकी पटरानी है।

जब मुकदमा खत्म हो गया तो अडियाहा को बहुत बढ़िया कपड़े पहनाये गये, मोतियों के गहने पहनाये गये और राजा के नौकर उसको महल में ले गये।

उस रात राजा ने अपने लोगों को एक बहुत बड़ी दावत दी और उनको बताया कि वह अपनी इतनी सुन्दर पत्नी को पा कर बहुत खुश था जिसको उसने पहले कभी पहचाना ही नहीं था।

उसको अपने ताकतवर बेटे और अपनी बेटी को पाने की भी बहुत खुशी थी।

उसकी वह दावत एक सौ छियासठ दिन तक चली। इसके बाद राजा ने यह कानून बना दिया कि कोई भी स्त्री यदि अपने पति के खिलाफ इस तरह की कोई दवा बनवाती पायी गयी तो उसको मौत की सजा दी जायेगी।

उसके बाद राजा ने अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के लिये तीन महल बनवाये और सब लोग आनन्द से रहने लगे। काफी दिनों बाद जब राजा मर गया तो उसका बेटा राजा बन गया।

8 एक राजा और एक जू जू पेड़[31]

अफ्रीका के नाइजीरिया देश की यह लोक कथा में यह बताती है कि जू जू के साथ खिलवाड़ करने का क्या फल होता है।

ऊडो उबोक उबोम इटाम का एक बहुत ही मशहूर[32] राजा था। इटाम जगह नाइजीरिया के कैलेबार शहर में थोड़ा अन्दर को है और उसमें कोई नदी नहीं है इसलिये राजा और रानी पास के एक सोते पर नहाने धोने के लिये जाया करते थे।

राजा ऊडो की एक बेटी थी जिसको वह बहुत प्यार करता था और उसकी वह बहुत अच्छी तरह देखभाल भी करता था। बड़ी हो कर वह एक सुन्दर राजकुमारी बन गयी।

एक बार कुछ समय के लिये राजा अपने घर में नहीं था सो दो साल से वह उस सोते पर भी नहीं गया था जहाँ वह नहाने धोने के लिये रोज जाया करता था।

दो साल बाद जब वह उस सोते पर नहाने गया तो उसने देखा कि वहाँ इडम जू जू पेड़[33] तो बहुत बड़ा हो कर चारों तरफ फैल गया है और वह इतना ज़्यादा फैल गया है कि अब वह पहले की

---

[31] The King and the Ju Ju Tree (Tale No 28) – a folktale of Southern Nigeria, Africa.
Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book is availablr from : hindifolktales@gmail.com

[32] Udo Ubok Ubom was a famous King of Etam place of Calabar city in Nigeria in its Cross River State

[33] Idem Ju Ju tree had spread all around the place – Ju Ju is a kind of magic, or black magic like “Tonaa Totakaa” in India.

तरह से उस सोते को नहाने धोने के लिये इस्तेमाल नहीं कर सकता था जैसे पहले करता था।

सो उसने अपने पचास आदमी बुलवाये और उनको अपने बड़े बड़े चाकू[34] साथ लाने के लिये कहा ताकि वे उस पेड़ को उनसे काट सकें।

आ कर उन्होंने वह पेड़ काटना शुरू किया पर उनके काटने का उस पेड़ पर कोई असर ही नहीं हो रहा था क्योंकि जैसे ही वे कहीं भी चाकू मारते थे वह जगह तुरन्त भर जाती थी और इस तरह उनसे उसकी कोई एक डाल तक नहीं टूट पा रही थी।

सुबह से शाम हो गयी उनको पेड़ काटते काटते पर वह पेड़ तो ऐसा का ऐसा ही खड़ा था।

वे लोग रात को राजा के पास लौटे तो उन्होंने उसको बताया कि वे उस पेड़ को काट ही नहीं सके क्योंकि जहाँ से भी वे उसको काटते थे वह जगह वहाँ से तुरन्त ही भर जाती थी।

यह सुन कर राजा को बड़ा गुस्सा आया। अगले दिन वह खुद अपना चाकू ले कर उस सोते के पास पहुँचा।

जब जू जू पेड़ ने देखा कि राजा खुद वहाँ आया है और उसकी शाखाएँ काटने की कोशिश करने वाला है तो उसने अपनी लकड़ी का एक बहुत छोटा सा टुकड़ा तोड़ कर राजा की आँख में फेंक

---

[34] Matchet or Cutlass – a kind of sword having about two to two and a half feet long blade which is used in West Africa to cut the grass and soft small trees. See its picture above.

दिया। इससे राजा की ऑख में इतना दर्द हुआ कि वह अपना चाकू वहीं फेंक कर अपने घर चला गया।

उस लकड़ी के टुकड़े की वजह से उसकी ऑख में इतना दर्द रहा कि वह तीन दिन तक न तो कुछ खा सका और न सो सका। फिर उसने अपने जादूगरों[35] को बुलवा भेजा और उनसे पता करने के लिये कहा कि उसकी ऑख में इतना दर्द क्यों है।

उन्होंने अपनी कौड़ियॉ[36] फेंक कर बताया कि जू जू पेड़ उससे नाराज है क्योंकि उस सोते पर वह नहाना चाहता था और इसलिये उसने उस पेड़ को कटवाना भी चाहा।

तब उन्होंने राजा से कहा कि वह सात टोकरी मक्खियॉ, एक सफेद बकरा, एक सफेद मुर्गा और एक सफेद कपड़े का टुकड़ा उस जू जू पेड़ को शान्त करने के लिये बलि दे तब कहीं जा कर वह पेड़ शान्त होगा।

राजा ने यह सब किया। उन जादूगरों ने राजा को ऑखों में लगाने के लिये एक मरहम भी दिया पर इस सबका कोई असर नहीं हुआ और राजा की हालत दिन पर दिन बिगड़ती ही चली गयी।

तब राजा ने इन जादूगरों को वापस भेज दिया और कुछ और लोगों को बुलाया। जब वे आये तो उन्होंने राजा को बताया कि वे

---

[35] Translated for the words "Witch men"

[36] Translated for the word "Cowries". Cowries are sea shells. See their picture above.

खुद तो उसके दर्द को आराम देने के लिये कुछ नहीं कर सकते थे पर वे एक आदमी को जानते था जो आत्माओं की दुनियाँ में रहता था वह शायद उसको ठीक कर सकता था।

राजा ने उनसे कहा कि वे उस आदमी को जल्दी से जल्दी बुलायें ताकि उसको जल्दी से जल्दी कुछ आराम आ सके। इस समय वह बहुत तकलीफ में है।

वह आदमी अगले दिन ही आ गया। उस आदमी ने आ कर पूछा — "इससे पहले कि मैं तुम्हारी आँख पर कुछ करूँ मैं यह जानना चाहता हूँ कि अगर मैंने तुम्हारी आँख ठीक कर दी तो तुम मुझे क्या दोगे?"

राजा ऊडो बोला — "अगर ऐसा हुआ तो मैं तुमको अपना आधा राज्य और उसमें रहते हुए आदमी दे दूँगा। इसके अलावा सात गाय और कुछ पैसे भी दूँगा।"

पर उस आत्माओं की दुनियाँ वाले आदमी ने राजा की इन चीज़ों को मना कर दिया।

अब क्योंकि राजा को दर्द बहुत था इसलिये उसने पूछा — "ठीक है, अगर तुम यह नहीं लेना चाहते तो तुम बताओ तुम क्या चाहते हो? मैं तुमको वही दूँगा।"

आत्माओं की दुनियाँ वाला आदमी बोला — "मुझे तो केवल तुम्हारी बेटी चाहिये।"

यह सुन कर राजा रो पड़ा उसने उस आदमी को जाने को कहा और कहा कि वह बजाय अपनी बेटी उसको देने के मर जाना ज़्यादा पसन्द करेगा।

पर उस रात उसकी ऑख में और दिनों के मुकाबले में और बहुत ज़्यादा दर्द था। उसके कुछ लोगों ने उसको समझाया कि वह उस आदमी फिर से बुलाये और उसको अपनी बेटी दे दे।

क्योंकि अगर वह ठीक हो गया तो बेटी तो उसके और भी हो जायेगी पर अगर वह मर गया तब तो सब कुछ ही खत्म हो जायेगा।

राजा की कुछ समझ में आया तो उसने उस आत्माओं की दुनियॉ वाले आदमी को फिर से बुला भेजा। वह फिर जल्दी ही आ गया। राजा ने बड़े दुख के साथ उस आत्माओं की दुनियॉ वाले आदमी को अपनी बेटी दे दी।

वह आदमी बाहर गया और एक झाड़ी में से कुछ पत्तियॉ तोड़ लाया। उसने उनको पानी में भिगोया और कूट लिया। फिर उन पत्तियों का रस निकाल कर उसने राजा की ऑखों में डाल कर कहा कि अगले दिन जब राजा अपना चेहरा धो लेगा तब ही वह यह बता पायेगा कि क्या चीज़ उसकी ऑख को तंग कर रही है।

राजा ने बहुत कोशिश की कि वह रात को वहीं रुक जाये पर वह रुका नहीं और राजा की लड़की को ले कर वहॉ से चला गया।

सुबह उठते ही राजा ने अपना चेहरा धोया और देखा कि उसकी ऑख में जू जू पेड़ की लकड़ी का एक टुकड़ा था जो उसको इतने दिनों से तंग कर रहा था। वह उसकी ऑख से बाहर निकल कर गिर पड़ा।

उस टुकड़े के गिरते ही उसकी ऑख का दर्द चला गया और वह फिर से पहले की तरह हो गया।

कुछ देर बाद जब उसे होश आया तो उसको लगा कि अपनी एक ऑख के लिये उसने अपनी बेटी की बलि दे दी है सो उसने सारे राज्य में ढिंढोरा पिटवा दिया कि तीन साल तक राज्य में शोक मनाया जाये।

उधर पहले दो साल तक उस आत्माओं की दुनियॉ वाले आदमी ने उस लड़की को एक मोटा करने वाले घर में रखा जिसमें उसको रोज बहुत बढ़िया खाना दिया जाता था।

पर उस घर में एक खोपड़ी भी रहती थी जिसको उस लड़की के ऊपर दया आ गयी। उसने उस लड़की को उस खाने को खाने से मना किया जो उसको वहॉ दिया जाता था।

उसने उसको बताया कि यह खाना उसको उससे शादी करने के लिये नहीं दिया जा रहा बल्कि उसको मोटा करने के लिये दिया जा रहा है ताकि वह खूब मोटी हो जाये और बाद में उसको मार कर खाया जा सके।

सो जो भी खाना उसके लिये वहाँ लाया जाता वह उसको उस खोपड़ी को दे देती और खुद वह चौक[37] खा कर रह जाती।

तीसरे साल के आखीर में वह आदमी अपने कुछ दोस्तों को राजा की बेटी को दिखाने के लिये ले कर आया और उनसे कहा कि वह उसको अगले दिन मार डालेगा और वे सब उसके माँस की अच्छी दावत उड़ायेंगे।

अगले दिन सुबह जब वह लड़की उठी तो वह आदमी उसके लिये रोज की तरह खाना ले कर आया।

उस खोपड़ी ने उस आदमी की सारी बातें सुन ली थीं और वह उस लड़की की जान बचाना चाहती थी सो उसने उस लड़की को कमरे में बुलाया और उसको बताया कि शाम को क्या होने वाला था।

उस लड़की ने वह खाना खोपड़ी को दे दिया। खोपड़ी बोली — "देखो जब यह आदमी अपने दोस्तों के साथ जंगल में दावत की तैयारी करने चला जाये तुम अपने पिता के पास भाग जाना।"

उसने फिर उस लड़की को उसके घर जाने का रास्ता बताया और एक दवा दी जो रास्ते भर उसको ताकत देती।

उसने कहा कि चलते चलते वह एक ऐसी जगह आयेगी जहाँ से दो रास्ते हो जायेंगे। उस जगह अगर वह थोड़ी सी वह दवा डाल देगी तो वे दोनों रास्ते मिल कर एक रास्ता बन जायेगा।

---

[37] Chowk – the white stick used to write on the blackboard or floor etc hard surfaces

फिर उसने कहा कि वह पीछे वाले रास्ते से निकल जाये और जंगल से होती हुई शहर के आखीर तक चलती जाये तब उसको वह सड़क मिलेगी जिस पर उसको जाना है।

अगर उसको रास्ते में कोई मिले भी तो वह किसी को नमस्कार भी न करे क्योंकि अगर वह कुछ बोली तो लोग समझेंगे कि आत्माओं की दुनियाँ में वह अजनबी है और वे उसको मार भी सकते हैं।

इसके अलावा अगर कोई उसको पुकारे तो उसको पीछे मुड़ कर नहीं देखना चाहिये जब तक कि वह अपने पिता के घर न पहुँच जाये।

लड़की ने खोपड़ी को उसकी सलाह के लिये धन्यवाद दिया और चल दी। जब वह शहर के आखीर में पहुँची तो उसको वह सड़क दिखायी दी जिस पर उसको जाना था।

तीन घंटे भागने के बाद वह उस जगह पर आ गयी जहाँ से दो सड़क जाती थीं। जैसा उससे कहा गया था उसने वहाँ जमीन पर वह दवा डाल दी।

दवा डालते ही दोनों सड़कें मिल कर एक हो गयीं। वह उस सड़क पर सीधी चलती चली गयी। हालाँकि कई लोगों ने उसको पुकारा भी पर उसने न किसी को नमस्कार किया और न ही पीछे मुड़ कर देखा।

करीब करीब उसी समय आत्माओं की दुनियाँ वाला वह आदमी जंगल से वापस लौटा। उसने देखा कि राजा की लड़की तो वहाँ से गायब थी।

उसने खोपड़ी से पूछा कि वह लड़की कहाँ थी। खोपड़ी ने जवाब दिया कि वह पीछे के दरवाजे से बाहर चली गयी है पर उसे यह नहीं मालूम कि वह गयी कहाँ है।

क्योंकि वह आदमी आत्मा था इसलिये उसने तुरन्त ही पता लगा लिया कि वह लड़की घर चली गयी है सो वह भी चिल्लाता हुआ तुरन्त ही उसके पीछे भाग लिया।

जब लड़की ने उसकी आवाज सुनी तो वह भी तेज़ तेज़ भागी और उसने अपने पिता के घर आ कर ही दम लिया।

तुरन्त ही उसने अपने पिता से बलि के लिये एक गाय, एक सूअर, एक भेड़, एक बकरा, एक कुत्ता, एक मुर्गा और सात अंडों को सात हिस्सों में बाँटने के लिये और उनको शहर से बाहर सड़क पर डाल देने के लिये कहा ताकि जब वह आदमी शहर के अन्दर घुसने वाला हो तो वह इन चीज़ों को देख कर अन्दर न घुसे।

राजा ने अपनी बेटी के कहे अनुसार ही किया। सो जैसे ही आत्माओं की दुनियाँ वाला वह आदमी शहर तक पहुँचा वह उन सब चीज़ों के देख कर वहीं उनको खाने बैठ गया। जब उसका पेट भर गया तो वह बचा हुआ खाना ले कर अपनी आत्माओं की दुनियाँ में वापस चला गया।

जब राजा ने देखा कि खतरा टल गया है तो उसने अपना ढोल बजाया और ढिंढोरा पीट दिया कि जब लोग मर जायें और आत्माओं की दुनियाँ में चले जायें तो वे धरती पर किसी बीमार को ठीक करने के लिये न लौटें।

राजा की बेटी घर वापस आ गयी थी। राजा बहुत खुश था सो पूरे राज्य में खूब खुशियाँ मनायीं गयीं।

9 एक सुन्दर लड़की और सात दूसरी लड़कियाँ[38]

जू जू की एक ओर लोक कथा जिसमें एक लड़की को एक नदी का जू जू उठा कर ले गया तो उसको फिर घर कैसे वापस लाया गया।

एक बार एक बहुत ही सुन्दर लड़की थी जिसका नाम ऐकिम[39] था। वह इबीबियो[40] जगह की रहने वाली थी और क्योंकि वह बहुत सुन्दर थी और वसन्त के मौसम में पैदा हुई थी इसी लिये उसके माता पिता ने उसका यह नाम रखा था।

यों तो शहर के सभी लोग उसकी सुन्दरता से बहुत जलते थे पर खास तौर पर शहर की लड़कियाँ उससे बहुत जलती थीं क्योंकि वह केवल सुन्दर ही नहीं थी बल्कि हर बात में ही वह बहुत अच्छी थी – चलने में, बैठने उठने में, बात करने में।

इसलिये जैसा कि वहाँ का रिवाज था कि एक उम्र के लड़के और लड़कियाँ साथ में उठें बैठें उसके माता पिता उसके इन गुणों की वजह से उसको दूसरे जवान लड़के लड़कियों के साथ उठने बैठने भी नहीं देते थे।

---

[38] A Pretty Girl and Seven Jealous Women (Tale No 30) – a folktale of Southern Nigeria, Africa. Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book is available from : hindifolktales@gmail.com

[39] Akim – name of the girl

[40] Ibibio – name of the place in Calabar city in Nigeria in its Cross River State where the girl lived.

ऐकिम के माता पिता गरीब तो जरूर थे पर उनके पास एक बहुत ही अच्छी बेटी थी जिससे उनको बिल्कुल भी परेशानी नहीं थी सो वे लोग आपस में खुशी से रहते थे।

एक दिन जब ऐकिम पानी भरने के लिये जा रही थी तो उसे रास्ते में उसी की उम्र की सात लड़कियाँ मिलीं। अगर उसके माता पिता ने उसके ऊपर उसके हमउम्र लड़के लड़कियों से मिलने पर रोक न लगायी होती तो वह भी आज उन्हीं लड़कियों के साथ होती।

इन लड़कियों ने उसको बताया कि वे तीन दिनों के बाद शहर में एक उत्सव में जा रहीं थीं अगर वह चाहे तो वह भी उनके साथ आ सकती थी।

उसने कहा कि अफसोस मैं तुम लोगों के साथ नहीं आ सकती क्योंकि मेरे माता पिता गरीब हैं और घर में काम करने के लिये केवल मैं ही हूँ इसलिये इन उत्सवों और नाच गाने के लिये मेरे पास समय नहीं है। और वह चली गयी।

क्योंकि वे सातों लड़कियाँ ऐकिम से जलती थीं इसलिये शाम को जब वे मिलीं तो उन्होंने आपस में यह विचार किया कि इस उत्सव में उनके साथ जाने से मना करने के लिये उससे किस तरह बदला लिया जाये।

वे सब काफी देर तक इस बारे में बातें करती रहीं कि किस तरह ऐकिम को या तो किसी खतरे में डाला जाये या उसको किसी तरह की सजा दी जाये।

आखिरकार उनमें से एक लड़की ने सलाह दी कि उन सबको ऐकिम के घर रोज जाना चाहिये और उसके कामों में उसकी सहायता करनी चाहिये। इससे वे उसको अपना दोस्त बना सकेंगी और फिर वे अपना बदला ले सकती हैं।

सो उन्होंने ऐसा ही किया। उन्होंने ऐकिम के घर जा कर उसके कामों में हाथ बॅटाना शुरू कर दिया।

हालॉकि वे लड़कियॉ रोज ऐकिम के घर जा कर उसके और उसके माता पिता के कामों में सहायता करने लगीं थीं फिर भी उसके माता पिता यह जानते थे कि वे उनकी बेटी से जलती हैं इसलिये उन्होंने अपनी बेटी को उनके साथ कहीं भी जाने से मना कर रखा था क्योंकि उनको उन लड़कियों पर विश्वास नहीं था।

साल के आखीर में एक बहुत बड़ा उत्सव मनाया जाने वाला था जिसका नाम था "नया याम"[41] उत्सव। उसमें ऐकिम के माता पिता को भी बुलाया गया था। यह उत्सव जहॉ एकिम के माता पिता रहते थे वहॉ से दो घंटे की दूरी पर मनाया जाने वाला था।

[41] Read about this "New Yam" celebrations in the tale entitled "Aadmee Khaane Vaale Log" in this book – the next tale, No 10.

ऐकिम उस नाच में हिस्सा लेने के लिये बहुत उत्सुक थी पर उस दिन उसके माता पिता ने उसके जाने से पहले करने के लिये उसको बहुत सारा काम दे दिया।

ऐसा उन्होंने इसलिये किया ताकि यह काम उसको वहाँ जाने से रोक पाये क्योंकि वे यह नहीं चाहते थे कि वह वहाँ जाये। वह उनका कहा मानती थी और अपना काम भी बहुत अच्छी तरह से करती थी।

उत्सव वाले दिन सुबह सुबह वे सातों लड़कियाँ आयीं और ऐकिम से उन्होंने अपने साथ चलने के लिये कहा। ऐकिम ने कहा कि आज तो उसको बहुत काम करना था इसलिये वह उनके साथ नहीं जा सकती थी।

उसने कई खाली बरतनों की तरफ इशारा किया कि उसको उनमें पानी भरना था। फिर उसने उनको एक दीवार दिखायी कि उसे उसको पत्थर से रगड़ रगड़ कर पालिश करना था और साथ में फर्श भी साफ करना था। इसके बाद उसको अपने घर के चारों तरफ से घास भी साफ करनी थी।

इसलिये उसके लिये यह बिल्कुल नामुमकिन था कि वह घर छोड़ कर उनके साथ उस उत्सव में जा सके जब तक कि उसका घर का काम खत्म नहीं हो जाता।

जब उन लड़कियों ने यह सुना तो वे बोलीं यह कोई बड़ी बात नहीं है हम सब तुम्हारा यह काम बहुत जल्दी ही करा देंगी। सो उन

सबने पानी के बरतन उठाये और पानी भरने के लिये चल दीं। कुछ ही देर में वे पानी भर लायीं और सारे बरतन उन्होंने एक लाइन में सजा कर रख दिये।

फिर उन्होंने पत्थर लिये और उसके घर की सारी दीवारें साफ कर दीं और फर्श भी चमका दिया। उसके बाद घर के चारों तरफ की घास भी साफ कर दी और सब सफाई भी कर दी। इस तरह उन सबने मिल कर उसके घर का सारा काम बहुत जल्दी ही खत्म कर दिया।

जब सारा काम खत्म हो गया तब उन्होंने ऐकिम से कहा — "चलो अब तुम हमारे साथ चलो। अब तुम्हारे पास कोई बहाना नहीं है हमारे साथ न चलने का क्योंकि तुम्हारे घर का सारा काम तो अब खत्म हो चुका है।"

ऐकिम वाकई में उस उत्सव में जाना चाहती थी और क्योंकि उसके माता पिता ने जो काम दिया था वह भी पूरा हो चुका था सो अब उसके पास वाकई कोई बहाना नहीं था इसलिये उसने जाने के लिये हॉ कर दी।

ऐकिम के घर से उस जगह के बीच में जहॉ यह "नया याम" उत्सव मनाया जाने वाला था आधे रास्ते में एक नदी पड़ती थी जो करीब पॉच फीट गहरी थी उसको आधा तैर कर पार करना पड़ता था क्योंकि उसके ऊपर कोई पुल नहीं था।

इस नदी में एक बड़ा ताकतवर जू जू[42] रहता था। उसका नियम यह था कि जो कोई भी इस नदी को पार करता था और फिर इसी रास्ते से वापस लौटता था उसको इस जू जू को कुछ खाना देना पड़ता था।

और अगर कोई ऐसा नहीं करता था तो वह जू जू उसको घसीट कर अपने घर ले जाता था और अपना नौकर बना कर रखता था।

वे सातों लड़कियॉ तो इस बात को अच्छी तरह जानती थीं क्योंकि वे इस नदी को भी पार कर चुकी थीं और दूसरी जगह भी जा चुकी थीं क्योंकि उनके दोस्त देश में कई जगह रहते थे।

पर यह लड़की ऐकिम क्योंकि एक अच्छी लड़की थी और पहले बाहर कहीं गयी नहीं थी इसलिये वह इस जू जू के बारे में कुछ नहीं जानती थी। और उन सातों लड़कियों ने ऐकिम को इस जू जू के बारे में कुछ बताया भी नहीं था।

सो काम खत्म होने के बाद वे सब उस उत्सव की जगह चल दीं। उन्होंने वह नदी पार की। कुछ दूर आगे जा कर उनको एक चिड़िया मिली जो एक बहुत ऊॅचे पेड़ पर बैठी थी।

वह चिड़िया ऐकिम को बहुत चाहती थी और उसकी सुन्दरता के गीत गाती रहती थी। उस समय भी वह उसकी सुन्दरता के गीत ही गा रही थी। पर सातों लड़कियों को उस चिड़िया का वह गाना

---

[42] Magic or Black Magic used in West African countries. Here it means a kind of god of Ju Ju.

बहुत बुरा लग रहा था क्योंकि वे ऐकिम की सुन्दरता को बिल्कुल भी बरदाश्त नहीं कर सकती थीं।

वे सब ऐकिम को उस जू जू के बारे में बिना बताये ही चलती रहीं। आखिर में वे सब उस शहर में आ गयीं जहाँ वह उत्सव मनाया जा रहा था।

ऐकिम अपने घर से बिना कपड़े बदले ही चली आयी थी पर और सब लड़कियाँ वहाँ पर अपने बहुत अच्छे अच्छे कपड़े और मोती[43] के गहने पहन कर आयीं थीं। फिर भी वहाँ सब लोग और लड़कियों से ज़्यादा ऐकिम की ही तारीफ कर रहे थे।

नाच में भी उसको सबसे अच्छी लड़की घोषित किया गया। सभी वहाँ उसको खाने पीने के लिये खूब पाम की शराब, फू फू और जो कुछ भी वह चाहती थी वह सब उसको दे रहे थे।

यह सब देख कर तो वे सातों लड़कियाँ पहले तो उससे जलती ही थीं अब तो उससे पहले से भी ज़्यादा गुस्सा भी हो गयीं और और उससे जलने लगीं।

सारे लोग वहाँ पर नाच गा रहे थे। ऐकिम के माता पिता भी वहाँ पर मौजूद थे पर ऐकिम किसी तरह अगली सुबह तक अपने माता पिता की नजरों से बची रही।

---

[43] Translated for the word “Beads”, not pearls.

सुबह उन्होंने उससे पूछा कि उसने उनका कहना क्यों नहीं माना और वहाँ आने से पहले अपना काम क्यों नहीं खत्म किया। ऐकिम ने उनको बताया कि उसकी दोस्तों ने सारा काम खत्म करवा दिया था और उस सब काम को खत्म करने के बाद ही वह वहाँ आयी थी।

उसकी माँ ने कहा कि वह सब तो ठीक है पर अब उसको यहाँ रहने की कोई जरूरत नहीं है और वह तुरन्त ही घर जाये। ऐकिम ने यह सब अपनी दोस्तों को बताया तो उन्होंने कहा कि हम कुछ खा लें फिर हम भी तुम्हारे साथ ही चलते हैं। सो सब लड़कियाँ खाने बैठीं।

उन सातों लड़कियों ने कुछ खाना तो खुद खाया और थोड़ा थोड़ा खाना उस नदी वाले जू जू के लिये बचा कर रख लिया।

उन्होंने तो ऐकिम को इस जू जू के बारे में कुछ बताया ही नहीं था पर इत्तफाक की बात कि ऐकिम के माता पिता भी उसको इस नदी के जू जू के बारे में बताना भूल गये।

उन्होंने एक पल के लिये भी यह नहीं सोचा कि उनकी लड़की नदी पार करेगी तो वह पानी के जू जू को बलि में क्या देगी सो ऐकिम के पास उसे देने के लिये कुछ भी नहीं था।

जब वे सब लड़कियाँ उस नदी पर पहुँची तो ऐकिम ने उन सातों लड़कियों को नदी पर थोड़े थोड़े खाने की बलि चढ़ाते हुए देखा तो उसने भी उनसे थोड़ा सा खाना माँगा ताकि वह भी नदी

वाले जू जू के लिये बलि चढ़ा सके मगर उन्होंने उसको खाना देने से बिल्कुल मना कर दिया।

अब उन्होंने क्योंकि पानी के जू जू को बलि दे दी थी इसलिये वे सब तो बिना किसी परेशानी के नदी पार कर गयीं।

पर जब ऐकिम की नदी पार करने की बारी आयी और वह नदी पार करने लगी तो जैसे ही वह नदी के बीच में पहुॅची तो पानी के जू जू ने उसको पकड़ा और पानी के अन्दर ले गया। वह तो तुरन्त ही सबकी नजरों के सामने से गायब हो गयी।

सातों लड़कियॉ यह सब देख रहीं थीं। जब उन्होंने यह पक्का कर लिया कि पानी का जू जू उसको पकड़ कर पानी के अन्दर ले गया तो वे सब अपने रास्ते चलीं गयीं।

वे सब बहुत खुश थीं क्योंकि वे अपने प्लान में कामयाब हो गयीं थीं। उन्होंने एक दूसरे से कहा कि अब ऐकिम हमेशा के लिये गयी और अब हम यह कभी नहीं सुनेंगे कि वह हमसे ज़्यादा सुन्दर है।

इसके अलावा क्योंकि ऐकिम के गायब होने का कोई गवाह नहीं था इसलिये वे यह भी सोच रहीं थीं कि उनका यह काम कोई जान भी नहीं पायेगा और वे बच जायेंगीं सो वे खुशी खुशी घर चली गयीं।

पर वह यह भूल गयीं कि वह नन्हीं चिड़िया जो जब वे जा रही थीं ऐकिम की सुन्दरता का गाना गा रही थी वह अभी भी वहाँ थी और सब देख रही थी। वह एकिम के लिये बहुत दुखी थी।

यह सब देख कर उसने निश्चय किया कि समय आने पर वह ऐकिम के माता पिता को इसके बारे में सब कुछ साफ साफ बता देगी। हो सकता है कि वे उसको किसी तरह बचा सकें।

चिड़िया ने ऐकिम को उन सातों लड़कियों से खाना माँगते हुए और उन सातों लड़कियों को उसे मना करते हुए भी सुन लिया था।

अगली सुबह जब ऐकिम के माता पिता घर वापस लौटे तो उनको यह देख कर बड़ा आश्चर्य हुआ कि उनके घर का दरवाजा बन्द था और उनकी बेटी का आस पास में भी कोई पता नहीं था। वे पड़ोसियों से पूछने गये परन्तु पड़ोसियों को भी उसका कोई पता नहीं था।

फिर वे उन सातों लड़कियों के पास गये जिनके साथ ऐकिम उस उत्सव में गयी थी और उनसे ऐकिम के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि उनको उसके बारे में कुछ पता नहीं सिवाय इसके कि वह यहाँ शहर तक तो उनके साथ ठीक से आ गयी थी। फिर उसने कहा कि वह अपने घर जा रही है। उसके बाद उनको उसका कुछ पता नहीं।

ऐकिम का पिता को जब अपनी बेटी नहीं मिली तो वह अपने जू जू आदमी[44] के पास गया।

उसने अपनी कौड़ियाँ[45] फेंक कर उसको बताया कि ऐकिम पानी वाले जू जू को बिना बलि दिये हुए ही नदी पार कर रही थी जिससे वह जू जू नाराज हो गया। उसने ऐकिम को पकड़ लिया और उसे अपने घर ले गया।

उसने ऐकिम के पिता को यह भी बताया कि वह अगली सुबह को एक बकरा, एक टोकरी अंडे, और एक सफेद कपड़े का टुकड़ा ले कर नदी पर जाये और पानी के जू जू को बलि चढ़ाये।

ऐसा करने से ऐकिम सात बार पानी से बाहर फेंकी जायेगी उस समय वह उसको पकड़ सकता है और अगर उसने ऐसा नहीं किया तो उसकी बेटी फिर हमेशा के लिये गायब हो जायेगी।

ऐकिम का पिता घर वापस आया। घर आ कर उसने देखा कि एक छोटी चिड़िया उसके घर में बैठी हुई है। यह वही चिड़िया थी जिसने ऐकिम को नदी में डूबते देखा था। उसने जो कुछ भी देखा और सुना था सब कुछ ऐकिम के पिता को बता दिया।

---

44 Ju Ju man – or witch doctor

45 Translated for the word "Cowries". They are a kind of sea shells. See their picture above.

उसने उसको यह भी बताया कि इसमें सारी गलती उन सातों लड़कियों की थी जिन्होंने ऐकिम को बलि के लिये खाना देने से मना कर दिया था। ऐकिम बिल्कुल बेकुसूर थी।

सो अगले दिन ऐकिम के माता पिता नदी पर पानी के जू जू के लिये बलि चढ़ाने गये और अपने जू जू आदमी की सलाह के अनुसार उन्होंने उसके लिये बलि चढ़ायी।

जैसे ही उन्होंने ऐसा किया पानी के जू जू ने ऐकिम को नदी के बीच में से ऊपर फेंक दिया। ऐकिम के पिता ने उसे पहली ही बार में लपक लिया और धन्यवाद दे कर घर आ गया। उसने किसी को यह नहीं बताया कि उसको उसकी बेटी वापस मिल गयी है।

अब उसने उन सात लड़कियों से बदला लेने का प्लान बनाया। उसने अपने घर के बीचोबीच एक गड्ढा खोदा और उसकी तली में कॉटे और सूखे हुए पाम के पत्ते बिछा दिये और उस गड्ढे को उसने नयी चटाइयों से ढक दिया।

उसके बाद उसने गॉव भर में यह खबर फैला दी कि आत्माओं की दुनियॉ से अपनी बेटी मिलने की खुशी में वह एक दावत कर रहा है।

उसकी उस दावत में बहुत सारे लोग आये और खाना खा कर रात भर उन्होंने खूब नाचा और गाया पर वे सात लड़कियॉ उस दावत में नहीं आयीं क्योंकि वे बहुत डरी हुई थीं।

अगले दिन उन लड़कियों ने सुना कि उस दावत में कोई खास बात नहीं हुई और सब कुछ सामान्य था तो वे सुबह ही उधर गयीं और जा कर नाचने वालों में मिल गयीं। पर वे एकिम से आँखें नहीं मिला पा रही थीं जो नाच वाले गोले के बीच में बैठी थी।

जब ऐकिम के पिता ने उन सातों लड़कियों को देखा तो उसने उनको बड़े प्यार से घर में ऐसे बुलाया जैसे वह उनको अपनी बेटी की दोस्त समझ कर अन्दर बुला रहा है।

अन्दर आने पर उसने उनको एक एक पीतल की डंडी दी जो उसने उनके गले में पहना दी। उसने उनको टोम्बो[46] भी पीने के लिये दी।

फिर वह उनको उस गड्ढे की तरफ ले गया जो उसने उनके लिये खोद रखा था। वहाँ ले जा कर उसने उनको उस चटाई पर बैठने को कहा जो उसने उस गड्ढे पर बिछा रखी थी। जैसे ही उन्होंने उस चटाई पर पैर रखा वे उस गड्ढे में गिर गयीं और चिल्लाने लगीं।

इसके बाद वह जलते हुए अंगारे ले आया और उनको उनके ऊपर डाल दिया। अब तो वे दर्द के मारे बहुत ज़ोर ज़ोर से चिल्लाने लगीं। तुरन्त ही सूखी पाम की पत्तियों ने भी आग पकड़ ली और वे सब उसी गड्ढे में जल कर मर गयीं।

---

[46] Tombo is a kind of alcoholic drink used in Nigeria

जब वहाँ आये लोगों ने चिल्लाना सुना और धुँआ देखा तो वे सब अपने अपने घर भाग गये।

अगले दिन उन सातों लड़कियों के पिता सरदार के पास गये और उसको बताया कि ऐकिम के पिता ने उनकी बेटियों को मार डाला है। सरदार ने ऐकिम के पिता को बुलवाया और उससे उसके इस काम की सफाई माँगी।

ऐकिम का पिता अपने जू जू आदमी और उस छोटी चिड़िया को अपना गवाह बना कर साथ ले कर सरदार के पास गया। जू जू आदमी पर सब लोग विश्वास करते थे।

सो जब सरदार ने सारा मामला सुना तो उसने ऐकिम के पिता से कहा कि उसको अपनी लड़की का बदला लेने के लिये केवल एक लड़की को ही मारना चाहिये था सात को नहीं। फिर उसने ऐकिम को लाने के लिये कहा।

जब वह वहाँ आयी तो सरदार ने देखा कि वह बहुत सुन्दर थी सो उसने कहा कि ऐकिम के पिता ने उन सातों लड़कियों को मार कर ठीक ही किया और अब उसके खिलाफ कोई मामला नहीं था।

उसने उन सातों लड़कियों के माता पिता को वापस भेज दिया और कह दिया कि जा कर अपनी बेटियों के मरने का दुख मनायें। उनकी बेटियाँ बहुत ही बुरी थीं और दूसरों से जलन रखने वाली थीं। ऐकिम के साथ जो बरताव उन्होंने किया उसकी उनको ठीक सजा मिली।

10 आदमी खाने वाले लोग[47]

यह उस समय की बात है जिस समय को आज का सबसे पुराना ज़िन्दा आदमी भी याद कर सकता है जब आइकोम, ओकुनी, अबिजान, इन्सोफान, ओबोकुम और दूसरे इन्जौर शहर इन्सोफान पहाड़[48] के पास मौजूद थे।

अब्राग्बा और ऐनफीटौप लोग भी वहाँ पर रहते थे और ये सब राजा अगबोर के राज्य[49] में थे।

इन्सोफान पहाड़ क्रास रिवर से दो दिन की दूरी पर है[50] और उस समय क्योंकि वहाँ पर कोई तैरना नहीं जानता था और न ही कोई नावों के बारे में जानता था इसलिये उनमें से कोई भी अपने देश से बाहर नहीं गया था। वे लोग तो नदी में जाने से भी डरते थे।

यहाँ सारे देश में याम[51] होता था और यह देश केवल कुछ ही शहरों में बँटा हुआ था। हर शहर का अपना अपना जंगल था। हर साल के

[47] How the Cannibals Drove the People from Insofan Mountain to the Cross River (Ikom) (Tale No 31) – in fact it is not a folktale but it is a description of olden times of Southern Nigeria, Africa. Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book is available from ; hindifolktales@gmail.com

[48] Ikom, Okuni, Abijan, Insofan, Obokum and other Injor cities were near Insofan mountain.

[49] Abragba and Enfitop also lived there under the King Agbor.

[50] Insofan Mountain is about two-days march from Cross River - a river and a State of Nigeria

[51] Yam is a root or tuber type vegetable used in Nigeria abundantly. It is a very popular food there. It may sometimes weigh up to ten pounds each. See its picture above.

अन्त में जब याम को खोदने का समय आता तो एक बहुत बड़ा उत्सव मनाया जाता जो "नये याम" की दावत[52] कहलाता था।

इस दावत के समय आदमियों की एक बहुत बड़ी बलि दी जाती थी – पचास दास एक दिन में मारे जाते थे। ये दास एक लाइन में लगे पेड़ों से बाँध दिये जाते। उनको बाँध कर वहाँ बहुत सारे ढोल बजने शुरू हो जाते।

एक मजबूत आदमी एक बड़ा चाकू[53] ले कर उन दासों के पास जाता और एक एक कर के उनका सिर काट देता था।

यह बलि नये याम को ठंडा रखने के लिये दी जाती थी ताकि उन यामों की गरमी लोगों के पेट को खराब न कर सके। जब तक यह बलि नहीं चढ़ा दी जाती थी कोई भी नया याम नहीं खाता था क्योंकि वे सब जानते थे कि अगर उससे पहले उन्होंने नया याम खाया तो वह उनका पेट खराब कर देगा।

जब यह उत्सव मनाया जाता था तो सारे शहर के लोग राजा अगबोर के लिये सौ सौ याम ले कर आते थे। जब ये दास बलि चढ़ा दिये जाते तब आग जलायी जाती और उन पचास दासों के मरे हुए शरीर उनके बाल जलाने के लिये उस आग के ऊपर रख दिये जाते।

---

[52] New Yam Feast or New Yam Festival

[53] Matchets or Cutlass – a kind of sword having about 2 to 2 and 1/2 feet long blade which is used in West Africa to cut the grass and soft small trees. See its picture above.

फिर प्लान्टेन[54] की पत्तियाँ इकट्ठी की जातीं और उनको जमीन पर बिछा दिया जाता। दासों के शरीरों के टुकड़े काट कर उन पत्तियों पर रख दिये जाते।

जब याम छील लिये जाते थे तो वे एक बरतन में तेल, नमक और मिर्च लगा कर रख लिये जाते थे। कुछ मरे हुए शरीरों के टुकड़े उन याम के टुकड़ों के ऊपर रख दिये जाते और वे बरतन दूसरे मिट्टी के बरतनों से ढक कर आग पर रख दिये जाते।

इस तरह वे करीब एक घंटे तक उबाले जाते।

फिर राजा "नये याम" का उत्सव शुरू करता और तीन दिन और तीन रात तक गाना और नाचना चलता रहता। इस बीच में बहुत सारी पाम की शराब पी ली जाती और दासों के वे शरीर के हिस्से और याम भी खाये जाते जो उबलने के लिये रखे जाते थे।

उन शरीरों के सिर राजा के लिये होते थे। जब वह उन्हें खा चुकता तो उन सिरों की खोपड़ियाँ कुछ नये याम के साथ जू जू[55] के सामने रख दी जाती थीं ताकि अगले साल की याम की फसल खूब अच्छी हो। ये लोग आदमियों का माँस केवल इसी उत्सव पर खाते थे साल के किसी और दिन नहीं।

---

[54] Plantain is a banana like fruit, except that it is more than double in size. See its picture above.
[55] In Nigeria Ju Ju are the gods also who can grant the wishes, curse the people, or abduct the people.

शरीरों के बचे हुए हिस्से ऐसे जमीन में गाड़ दिये जाते जैसे कि किसी मुर्दे को कब्र में गाड़ा जाता है।

यह सब कई सालों तक चलता रहा कि एक दिन ओकुनी लोगों को लगा कि जिन मरे हुए लोगों को वे गाड़ देते थे उनकी कब्रों में से उनके मरे हुए शरीर निकाल लिये जाते थे।

यह उनको बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनके मरे हुए रिश्तेदारों के मरे हुए शरीर इस तरह कब्रों में से निकाल लिये जायें। सो उन्होंने राजा अगबोर से शिकायत की।

राजा ने तुरन्त ही नयी खुदी हुई कब्रों पर पहरा बिठा दिया। उसी रात सात आदमी पकड़े गये। वे लोग कब्र को खोदते, उसमें से मरे हुए शरीर निकालते और उनको दूर जंगल में ले जा कर आग जलाते और उस शरीर को उस आग में पका कर खाते।

जब वे पकड़े गये तो लोगों के पूछने पर उन्होंने उनको बता दिया कि वे कहाँ रहते थे और वे कहाँ शरीर पका कर खाते थे। कुछ घंटों की दूरी पर जंगल में जहाँ वे रहते थे वहाँ बहुत सारी आदमियों की हड्डियों और खोपड़ियों का ढेर भी मिल गया।

उन सातों आदमियों को बाँध कर राजा के पास ले जाया गया। राजा ने सारे शहरों के लोगों की एक मीटिंग की और लोगों से राय ली कि इस हालत में क्या करना चाहिये।

लोगों ने राजा से कहा कि इस बुरी रीति को रोकने के लिये उसको सारे शहरों को अलग अलग करना पड़ेगा क्योंकि वहाँ के

लोगों में से कोई भी यह नहीं चाहता था कि लोग उनके गड़े मुर्दे उखाड़ कर इस तरह खायें।

राजा को भी इसके अलावा और कोई तरकीब समझ में नहीं आयी तो उसने उन सातों आदमियों को एक एक शहर दे दिया।

उनमें से कुछ को तो उसने नदी के नीचे की तरफ काफी दूर भेज दिया और अपनी अलग बस्ती बसाने को कहा और कुछ को उसने इन्सोफान पहाड़ की तरफ अपनी बस्ती बसाने के लिये भेज दिया।

सारे लोग वहाँ से चले गये और जहाँ जहाँ उनको अपनी पसन्द की जगह मिली वे वहीं वहीं अपना शहर बसा कर रहने लगे।

जब सारे लोग चले गये तो राजा अगबोर को बहुत अकेला लगने लगा तो उसने भी अपने पुराने शहर वाली जगह छोड़ दी और क्रास रिवर में रहने चला गया। वहाँ उसके कुछ दोस्त लोग भी रहते थे।

इसके बाद इस नये शहर में "नये याम" की दावत मनायी गयी।

फिर भी कुछ लोग इस मौके पर कुछ आदमी मार कर खाते रहे। पर ताकि आदमी खाने वाले उन्हें न खायें लोग अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के शरीरों को काफी दिनों तक जमीन के ऊपर ही रखे रहते थे जब तक कि वे थोड़े सड़ नहीं जाते थे।

इसी लिये लोग वहाँ आजकल अपने मुर्दों को तुरन्त ही नहीं गाड़ते बल्कि कुछ समय बाद गाड़ते हैं जब तक कि वे शरीर थोड़े सड़ नहीं जाते।

11 दासी जिसने अपनी मालकिन को मारा[56]

इबीबियो देश में एक शहर था ओकू[57] और उस शहर में एक आदमी रहता था जिसका नाम था अकपन।

वह इबीबियो देश की एक लड़की ऐम्मे[58] को बहुत चाहता था और उससे शादी करना चाहता था। वह लड़की अपनी उम्र की लड़कियों में सबसे अच्छी लड़की थी।

उन दिनों वहाँ यह रिवाज था कि लड़की के माता पिता अपनी लड़की के लिये दहेज में काफी बड़ी रकम माँगते थे ताकि शादी के बाद अगर दोनों में झगड़ा हो और लड़की अपने पति के घर में न रहना चाहे तो वे उसके दहेज की रकम उस पैसे में से वापस कर सकें और फिर लड़की को अपने घर में रख सकें।

कुछ लोग जो खुद तो पति को उसकी रकम वापस कर नहीं सकते थे वे अपनी लड़की को दासी की तरह बेच कर पति का पैसा वापस कर देते थे। और यह हालत बहुत खराब समझी जाती थी।

इसी रिवाज के अनुसार एम्मे के माता पिता ने अकपन से एम्मे के बदले में काफी बड़ी रकम माँगी थी और अकपन ने उनको दहेज के रूप में काफी सारा पैसा दिया था।

---

56 The Slave Girl Who Tried to Kill Her Mistress (Tale No 34) – a folktale of Southern Nigeria, Africa. Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book is available from : hindifolktales@gmail.com

57 Oku town in Ibibio country

58 Akpan wanted to marry Emme.

अब जब तक एम्मे की शादी होती उसको एक ऐसे घर में रख दिया गया जहाँ उसको अच्छी तरह से खाना खिलाया जाता था।

अकपन ने एम्मे के माता पिता से कहा कि जब ऐम्मे शादी के लिये तैयार हो जाये तो वह उसको उसके घर भेज दें। उन्होंने उससे वायदा किया कि वे ऐसा ही करेंगे।

एम्मे का पिता एक बहुत ही अमीर आदमी था। सात साल के बाद एम्मे के अकपन के घर जाने का समय आ गया। ऐम्मे के माता पिता ने देखा कि एम्मे बहुत सुन्दर हो गयी थी सो उन्होंने सोचा कि वे उसके साथ एक दासी को भी भेज देंगे।

एम्मे के पिता ने ऐम्मे के लिये एक दासी को खरीद लिया और उसको अपनी बेटी को उसकी दासी के रूप में ही दे दिया।

अगले दिन जब एम्मे जाने लगी तो एम्मे की छोटी बहिन भी उसके साथ जाने के लिये जिद करने लगी। उसने अपनी माँ से अपनी बहिन के साथ जाने के लिये इजाज़त माँगी।

माँ ने इजाज़त दे दी और वे दोनों दासी के साथ ऐम्मे के पति के घर चल दीं। दासी के हाथ में कपड़ों और एम्मे के पिता की दी गयी भेंटों की एक बड़ी सी पोटली थी।

अकपन का घर उनके घर से एक दिन की दूरी पर था। जब वे अकपन के शहर के पास पहुँची तो वे एक नदी के पास पहुँचीं जहाँ से वहाँ के लोग अपना पीने का पानी लेते थे। इसी लिये वहाँ लोगों को नहाने की इजाज़त नहीं थी।

एम्मे को इस बात का पता नहीं था सो दोनों बहिनों ने वहीं पास में नहाने के लिये कपड़े उतारे। नदी के पास ही एक गहरा गड्ढा था जहाँ से हो कर पानी उस जू जू[59] के घर तक जाता था जो उस नदी में रहता था।

दासी इस जू जू के बारे में जानती थी। उसने सोचा कि अगर उसकी मालकिन उस नदी में नहायी तो जू जू उसको पकड़ कर ले जायेगा और वह उसकी जगह ले कर अकपन से शादी कर लेगी।

सो जब वे दोनों बहिनें वहाँ पर नहाने गयीं और उस गड्ढे के पास पहुँची तो दासी ने अपनी मालकिन को धक्का दे दिया और वह तुरन्त ही उस गड्ढे में गिर पड़ी और गायब हो गयी। जू जू उसको ले गया था।

एम्मे की छोटी बहिन अपनी बड़ी बहिन को इस तरह गायब होता देख कर रो पड़ी।

दासी बोली — "अगर तुम इस तरह रोओगी तो मैं तुमको भी मार दूँगी और तुम्हारा शरीर इसी गड्ढे में फेंक दूँगी जिसमें तुम्हारी बहिन गयी है।"

उसने बच्ची से यह भी कहा — "यहाँ जो कुछ हुआ है वह तुम किसी से न कहना खास कर अकपन से क्योंकि तुम्हारी बहिन की

[59] Ju Ju is a magic or Black magic in Nigeria or Tonaa Totakaa in India. Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody – Jaadoo Tonaa. In Nigeria Ju Ju are the gods also who can grant the wishes, curse the people, or abduct the people.

जगह तो अब मैं लेने वाली हूँ और मैं अब उससे शादी करने वाली हूँ। और अगर तुमने कभी भी किसी से भी यह सब कहा जो तुमने यहाँ देखा है तो तुम भी मार दी जाओगी।"

बच्ची बेचारी चुप हो गयी। फिर उसने अपना बोझा उस छोटी बच्ची को थमा दिया और उसे अकपन के घर तक ले जाने को कहा।

जब वे दोनों लड़कियाँ अकपन के घर पहुँचीं तो अकपन दासी की शक्ल देख कर बहुत ही नाउम्मीद हुआ क्योंकि वह दासी तो ऐम्मे की सुन्दरता के कहीं आस पास भी नहीं थी जैसा कि वह सोच रहा था कि वह होगी।

पर क्योंकि उसने ऐम्मे को सात साल से नहीं देखा था उसको यह शक नहीं हुआ कि वह ऐम्मे नहीं थी जिसके लिये उसने दहेज में इतने सारे पैसे दिये थे।

सो उसने अपने दोस्तों को बुलाया और अपनी शादी की एक बड़ी दावत दी। जब उसके दोस्त आये तो वे उस दासी को उसकी पत्नी के रूप में देख कर बहुत आश्चर्य में पड़ गये।

उन्होंने उस दासी को देख कर अकपन से पूछा — "क्या यही वह लड़की है जिसके लिये तुमने इतने सारे पैसे दिये थे? और जिसके बारे में तुम हमसे इतनी बातें किया करते थे?"

अकपन बेचारा कुछ न कह सका और चुप सा बैठा रह गया।

वह दासी ऐम्मे की बहिन के साथ कुछ समय तक बड़ा बुरा बरताव करती रही और यह चाहती रही कि वह मर जाये ताकि वह बिना किसी रोक टोक के अकपन की पत्नी बन कर रह सके।

इसके लिये वह उस छोटी सी लड़की को रोज पीटती और बहुत बड़े बड़े बरतन ले कर नदी पर पानी लाने के लिये भेजती।

कभी कभी वह उसको उसकी उँगली आग में लकड़ी की जगह इस्तेमाल करने को मजबूर करती। जब खाने का समय आता तो वह चूल्हे से एक जलती हुई लकड़ी उठाती और उसके सारे बदन पर मारती।

जब अकपन उससे पूछता कि वह उस बच्ची के साथ ऐसा बरताव क्यों करती थी तो वह जवाब देती कि वह उसकी दासी थी जिसको उसके पिता ने उसको खरीद कर दिया था।

एक दिन वह बच्ची बेचारी भारी भारी बरतन नदी पर पानी भरने के लिये ले कर गयी।

उस दिन इत्तफाक से वहाँ कोई नहीं था जो उसके वह भरे हुए बरतन उठवा देता और वह अकेले उनको अपने सिर पर रख नहीं सकती थी सो वह किसी का इन्तजार करने लगी कि कोई आये और उन बरतनों को उठवा कर उसके सिर पर रखवा दे।

पर इस तरह तो किसी का इन्तजार करने के लिये उसको नाले पर बहुत देर लग जाती सो वह अपनी बहिन ऐम्मे का नाम ले ले कर रोने लगी कि वह आये और उसकी सहायता करे।

जब ऐम्मे ने अपनी बहिन का रोना और यह पुकार सुनी तो उसने पानी के जू जू से प्रार्थना की कि वह उसको उसकी बहिन की सहायता करने के लिये जाने दे।

पानी के जू जू ने उसको जाने की इजाज़त दे तो दी पर साथ में उसको यह भी कहा कि उसकी सहायता कर के वह तुरन्त ही उसके पास वापस आ जाये।

ऐम्मे अपनी बहिन की सहायता के लिये उसके पास पहुँच गयी। जब ऐम्मे की बहिन ने ऐम्मे के देखा तो वह उसको छोड़ने के लिये ही तैयार न हो। उसने उससे पूछा कि क्या वह उसके साथ उस गड्ढे में जा सकती थी?

ऐम्मे ने कहा "नहीं। तुमको वहाँ नहीं आना चाहिये।"

फिर उसने ऐम्मे को बताया कि वह दासी उसके साथ कितना बुरा बरताव करती थी। ऐम्मे ने उसको थोड़ा धीरज रखने को कहा और कहा कि थोड़ा इन्तजार करे और उनके अच्छे दिन जल्दी ही वापस आयेंगे।

बच्ची खुशी खुशी घर वापस लौट गयी। पर आज वह बहुत खुश थी क्योंकि आज वह अपनी बहिन से मिल ली थी। वह कम से कम यह जान गयी थी कि उसकी बहिन ज़िन्दा थी।

पर जब वह अपने घर पहुँची तो दासी ने पूछा — "तुमको पानी लाने में इतनी देर क्यों लगी?"

कह कर उसने उसको जलती लकड़ी से पीटा और फिर सारे दिन खाना नहीं दिया।

यह सब कुछ दिनों तक और चलता रहा। एक दिन वह बच्ची फिर उस नदी के किनारे पानी भरने गयी। जब सब चले गये तो उसने अपनी बहिन को फिर पुकारा पर वह बहुत देर तक नहीं आयी।

ऐसा इसलिये हुआ क्योंकि अकपन के गॉव का एक शिकारी पास में छिपा हुआ उस गड्ढे को देख रहा था। ऐसे में पानी के जू जू ने ऐम्मे को मना कर दिया कि उसको अपनी बहिन के पास नहीं जाना चाहिये।

पर जब वह छोटी सी बच्ची बहुत ज़ोर ज़ोर से रोने लगी तो एम्मे ने एक बार फिर पानी के जू जू से कहा कि वह उसको जाने दे वह उसकी सहायता कर के तुरन्त ही लौट आयेगी।

सो जब वह पानी से बाहर निकली तो उसका शरीर डूबते होते हुए सूरज की किरनों में नहाया लग रहा था। उसने अपनी बहिन की सहायता की और फिर जल्दी से उसी गड्ढे में गायब हो गयी।

उस शिकारी ने जो कुछ वहॉ देखा उसे देख कर तो वह बहुत ही आश्चर्यचकित रह गया। गॉव वापस आ कर उसने अकपन को सब बताया कि कैसे उसने पानी में से निकलती एक बहुत ही सुन्दर लड़की देखी। उसने उस बच्ची की उसके पानी के बरतन उठाने में सहायता की और फिर उसी पानी में चली गयी।

उसने अकपन से यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि वही उसकी असली पत्नी थी क्योंकि वह वाकई बहुत सुन्दर थी और पानी के जू जू ने उसको ले लिया है। यह सुन कर अकपन ने खुद जा कर यह सब देखने का विचार किया।

अगले दिन वह शिकारी सुबह ही उसके घर आ गया और अकपन को उस गड्ढे के पास ले गया जहाँ उसने ऐम्मे को पानी में से निकलते देखा था। और वे दोनों छिप कर उसको देखते रहे।

जब ऐम्मे उस गड्ढे में से बाहर निकली तो अकपन उसको तुरन्त ही पहचान गया कि वही उसकी ऐम्मे थी। वह उसको देख कर घर आ गया और उसको पानी के जू जू से आजाद कराने की तरकीब सोचने लगा।

उसके कुछ दोस्तों ने उसको सलाह दी कि उसको एक बुढ़िया से मिलना चाहिये जो अक्सर पानी के जू जू को बलि चढ़ाती रहती है। वही उसको बता सकती थी कि वह क्या कर सकती थी।

जब अकपन उसके पास गया और उसको सारा हाल बताया तो उसने उससे एक गोरा दास, एक सफेद बकरा, एक सफेद कपड़े का टुकड़ा, एक सफेद मुर्गा और एक टोकरी अंडे लाने के लिये कहा।

फिर उसने कहा कि जब बड़ा जू जू आ जायेगा तब वह उन चीज़ों को ले कर पानी वाले जू जू के पास जायेगी और उस बड़े जू जू की तरफ से उसके लिये उनकी बलि देगी। बलि चढ़ाने के

बाद पानी का जू जू लड़की को उसके पास ले आयेगा और वह उसे फिर अकपन के पास ले आयेगी।

अकपन ने एक गोरा दास खरीदा और बाकी सब चीज़ें ले कर उस बुढ़िया के पास पहुँचा। बलि वाले दिन वह अपने दोस्त उस शिकारी को साथ ले कर बलि वाली जगह पहुँचा और उस बुढ़िया को बलि देते हुए देखा।

दास को बाँध दिया गया और उस गड्ढे के पास ले जाया गया। बुढ़िया ने पानी के जू जू को बुलाया और एक तेज़ चाकू से उस दास का गला काट कर उस गड्ढे में फेंक दिया।

यही उसने बकरे और मुर्गे के साथ भी किया और उनके बाद अंडे और कपड़ा भी उसी गड्ढे में फेंक दिया।

इस सबके बाद सब अपने अपने घर लौट गये। अगले दिन सुबह ही वह बुढ़िया उस गड्ढे के पास गयी तो उसने ऐम्मे को वहीं नदी के पास खड़े पाया।

बुढ़िया ने ऐम्मे को बताया कि वह उसकी दोस्त थी और उसको उसके पति के पास ले जाने के लिये आयी थी। वह उसको अपने घर ले गयी और अपने कमरे में छिपा दिया।

फिर उस बुढ़िया ने अकपन को अपने घर बुला भेजा और उसको कहलवाया कि वह इस बात का पूरा ध्यान रखे कि उस दासी को इसके बारे में कुछ भी पता न चले।

सो अकपन घर में बिना किसी को बताये पीछे के दरवाजे से निकल गया और उस बुढ़िया के घर आ गया। जब ऐम्मे ने अकपन को देखा तो उसने उससे अपनी छोटी बहिन के बारे में पूछा।

अकपन ने अपने उस शिकारी दोस्त को ऐम्मे की बहिन को लाने के लिये उस नदी के पास भेजा। वह अपने बरतन ले कर वहाँ अपना सुबह का पानी भरने के लिये आयी हुई थी। वह उस बच्ची को अपने साथ उस बुढ़िया के घर ले आया।

जब ऐम्मे अपनी बहिन से मिल ली तो उसने उससे कहा कि वह घर जा कर कुछ ऐसा करे जिससे वह दासी नाराज हो जाये और यह कर के वह फिर उसी बुढ़िया के घर जितनी जल्दी हो सके वापस आ जाये।

इससे वह दासी उसका पीछा करेगी और वहाँ आ कर सब मिल जायेंगे। इस तरह वह ऐम्मे को भी देख लेगी जिसको कि वह यह समझती है कि उसने मार दिया है।

बच्ची ने ऐसा ही किया। जैसे ही वह घर पहुँची उसने उस दासी से कहा — "क्या तुम्हें मालूम है कि तुम एक बहुत ही खराब औरत हो क्योंकि तुम मुझसे इतना बुरा बरताव करती हो? तुम मेरी बहिन की दासी हो और इस बुरे बरताव के लिये तुमको सजा भुगतनी पड़ेगी।"

इतना कह कर वह वहाँ से उलटे पैरों भाग ली।

जैसे ही उस दासी ने यह सुना वह गुस्से से भर कर एक जलती हुई लकड़ी ले कर उसके पीछे दौड़ी। वह बच्ची उस दासी को भगाती हुई उस बुढ़िया के घर तक ले आयी और उसके घर में उस दासी से पहले ही घुस गयी। दासी जलती हुई लकड़ी लिये हुए उसके ठीक पीछे थी।

इस पर ऐम्मे बाहर आयी। दासी ने जब उसे देखा तो तुरन्त उसे पहचान लिया। उसने तो सोचा था कि वह मर गयी थी पर वह तो उसके सामने जीती जागती खड़ी थी।

फिर वे सब अकपन के घर चले गये। घर आ कर अकपन ने दासी से पूछा कि उसका ऐम्मे बनने का क्या मतलब था और उसने ऐम्मे को क्यों मारा? पर वह दासी इन सवालों का कोई जवाब न दे सकी।

अकपन ने अपनी पत्नी के वापस आने की खुशी में बहुत सारे लोगों को दावत के लिये बुलाया और जब वे सब आ गये तो उसने उन सबको बताया कि उस दासी ने क्या किया था।

इसके बाद ऐम्मे ने उस दासी के साथ उसी तरीके का बरताव किया जैसा कि उसने उसकी बहन के साथ किया था।

उसने भी उसको जलती लकड़ी से मारा, उसकी उँगलियों को लकड़ी की जगह जलाने के लिये इस्तेमाल किया, उसने उससे एक

खोखले पेड़ में उसके सिर से फू फू[60] कूटने के लिये कहा। उसके बाद उसको एक पेड़ से बाँध कर भूखा मरने के लिये छोड़ दिया।

तब से जब भी कभी कोई लड़का शादी करता है तो वह उस समय वहीं होता है जब वह लड़की अपने खाने वाले घर में से बाहर निकलती है और खुद ही उसको अपने घर ले जाता है ताकि अकपन और ऐम्मे जैसी घटना फिर कभी किसी और के साथ न हो।

[60] Foo Foo is a West African dish which is prepared by pounding the root of a tree mixed with green plantain flour. Foo Foo served with usually groundnut soup is a national dish of Ghana.

12 ऐसीडो और उसके साथी[61]

सरदार ओबोरी एडियागोर शहर[62] का एक सरदार था जो कैलेबार नदी के दॉये किनारे पर बसा हुआ था। यह सरदार बहुत ही अमीर था और ईबो जाति का था। उसके पास बहुत सारी बड़ी बड़ी नावें थीं और उनको खेने के लिये बहुत सारे नौकर थे।

इन नावों में वह नया याम भरा करता था। हर नाव में आठ पतवार होते थे और एक बड़ा सरदार उस नाव का नाविक होता था। एक नाव में तीन पुन्चुन[63] पाम का तेल आ सकता था जिसकी कीमत करीब आठ सौ डंडियॉ[64] थीं।

जब वे नावें पूरी भरी होतीं थीं तो दसों नावें एक साथ रियो डैल रे[65] के लिये चलतीं। वे उन समुद्री रास्तों[66] में से हो कर जातीं जो मैनग्रोव के पौधों और पाम के पेड़ों में से हो कर जाते।

जब तूफान आता तो उन समुद्री रास्तों में से हो कर जाना बहुत ही खतरनाक और मुश्किल हो जाता क्योंकि नावें बहुत भारी होतीं और वे पानी में केवल कुछ ही इंच ऊपर रहतीं।

---

[61] The Fate of Essido and His Evil Companions (Tale No 36) – a folktale of Southern Nigeria, Africa. Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book is available from : hindifolktales@gmail.com

[62] Chief Oborri was the Chief of Adiagor city.

[63] 1 Puncheon = 80 gallons, so 3 Puncheon oil means 80 x 3 = 2,400 gallons.

[64] Translated from the word "Rods" – it seems that it was the currency in those days in Nigeria. It is not clear that what those rods were made from.

[65] Rio del Rey – name of the place

[66] Translated for the word "Creeks"

छोटी से छोटी पानी की लहर भी नाव में पानी भरने, उसको डावॉडोल करने और उसको डुबोने के लिये काफी रहती। अगर कभी नाव डूबे तो बहुत सारे नाविक तैरना जानते थे पर अक्सर ऐसा भी होता कि वे लोग उस पानी में खो जाते थे क्योंकि वहाँ उस पानी में बहुत बड़े बड़े मगर रहते थे।

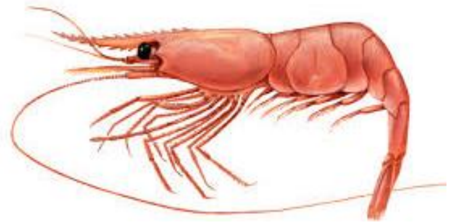

चार दिन के नाव खेने के बाद वे लोग रियो डेल रे पहुँच जाते थे। वहाँ से वे लोग बड़ी आसानी से अपने नये याम के बदले में सूखी श्रिम्प मछली[67] और धुँआ लगी मछली[68] ले कर आते।

सरदार ओबोरी के दो बेटे थे ईयो प्रथम और ऐसीडो[69]। उनकी माँ उनके बचपन में ही मर गयी थी सो उनको उनके पिता ने ही पाल पोस कर बड़ा किया। जैसे जैसे वे बड़े होते गये वे दोनों अपने अपने आदतों में बहुत अलग होते गये।

ओबोरी का बड़ा वाला बेटा बहुत मेहनती था और अकेला रहना ज़्यादा पसन्द करता था जबकि छोटा वाला बेटा शान शौकत बहुत पसन्द करता था और बहुत आलसी था। वह अक्सर अपना सारा समय पास के गाँवों में खेलने और नाच गाने में खर्च करता था।

[67] Dried Shrimp – Shrimp is one of three very popular sea foods – lobster, crab and shrimp. See Shrimp's picture above.
[68] Smoked fish
[69] Eyo I and Essido – names of the two sons of Obori

जब वे लोग बीस और अठारह साल के हुए तो उनके पिता भी मर गये। अब उनको अपनी देखभाल अपने आप ही करनी ही थी।

रीति रिवाज के अनुसार अपने पिता की सारी जायदाद ईयो को मिलनी थी पर क्योंकि ईयो अपने छोटे भाई को बहुत प्यार करता था इसलिये उसने उसको अपनी बहुत सारी डंडियाँ दे दीं और कुछ जमीन दे दी जिसमें एक घर बना हुआ था।

इतना सब कुछ पा कर तो ऐसीडो तुरन्त ही पैसे का लालची हो गया और और भी ज़्यादा लापरवाह हो गया। उसने अपने साथियों को दावतें देनी शुरू कर दी। अब उसका घर लड़कियों से भरा रहता जिनके ऊपर वह बहुत सारा पैसा यों ही बरबाद करता रहता।

हालाँकि ईयो ने ओसीडो को अपने पिता के पैसों में से बहुत सारा पैसा दिया था पर जिस तरीके से वह उसे खर्च कर रहा था उस तरह कुछ ही सालों में उसने वह सारा पैसा खर्च कर दिया। फिर उसने अपना मकान भी बेच दिया और उससे जो पैसा आया वह फिर दावतों में उड़ा दिया।

जबकि ओसीडो इस तरह ऐयाशी में अपने पैसे बरबाद कर रहा था ईयो अपने पिता के काम धन्धे पर बड़ी मेहनत से काम कर रहा था। वह रियो डेल रे खुद भी कई बार जा चुका था।

करीब करीब हर हफ्ते वह नये ग्राम से अपनी नावें भर कर उन्हें वहाँ ले जाता और श्रिम्प और मछली ले कर दस बारह दिन में वापस लौट आता था।

वह पास के बाजार में अपना सामान खुद बेचता था। इस तरह वह बहुत जल्दी ही एक अमीर आदमी बन गया।

बीच बीच में वह ऐसीडो को उसकी फिजूलखर्ची के बारे में होशियार करता रहता था लेकिन उसके कहने सुनने का उसके ऊपर कोई असर नहीं था इस तरह उसकी हालत बद से बदतर होती जा रही थी।

और फिर एक दिन वह भी आया जब ऐसीडो का सारा पैसा खत्म हो गया सो वह ईयो के पास दो हजार डंडियाँ माँगने गया लेकिन ईयो ने उसको यह पैसा देने से इनकार कर दिया।

और उससे कहा कि अगर वह जैसी ज़िन्दगी बिता रहा है वैसी ही ज़िन्दगी आगे भी बिताता रहेगा तो वह उसकी कोई सहायता नहीं करेगा। हाँ अगर वह उसके खेत पर या व्यापार में कोई काम करेगा तो वह उसको उसके फायदे का भी ठीक से हिस्सा दे देगा।

पर इस बात पर ऐसीडो राजी नहीं था। वह वापस शहर लौट गया और अपने कुछ जिगरी दोस्तों से सलाह की कि ऐसी हालत में उसे क्या करना चाहिये। अब जिन आदमियों से उसने सलाह ली थी वह सब बहुत ही खराब आदमी थे और वे ऐसीडो के पैसे पर बहुत दिनों से रह रहे थे।

उन्होंने उसको सलाह दी कि वह शहर में उन लोगों के पास जाये जिनको उसने कई बार अपने घर बुलाया है और उनसे पैसा उधार माँगे क्योंकि बाद में तो वे सब अकपाब्रियोस टापू[70] पर भाग ही जायेंगे जो कैलेबार से चार दिन की दूरी पर है।

ऐसीडो ने ऐसा ही किया। हालाँकि कई लोगों ने उसको पैसा देने से मना भी कर दिया फिर भी उसने काफी पैसा इकट्ठा कर लिया। सो रात को ही ऐसीडो उस पैसे को ले कर अपने उन साथियों के साथ उस टापू की तरफ भाग लिया।

उसके साथी उसका पैसा ले कर जा रहे थे क्योंकि बहुत ज़्यादा मशहूर होने की वजह से वे खुद तो पैसा इकट्ठा कर नहीं पाये थे।

जब वे अकपाब्रियोस टापू पर पहुँचे तो उनको बहुत सारी लड़कियाँ और शानदार नाचने वालियाँ मिल गयीं सो वहाँ जा कर उन्होंने फिर से वैसी ही ज़िन्दगी जीनी शुरू कर दी जैसी कि वे पहले गुजार रहे थे।

जाहिर है उनका सारा पैसा जो वे कैलेबार के लोगों से उधार ले कर आये थे कुछ ही हफ्तों में खत्म हो गया।

अब उन्होंने फिर मीटिंग की कि किस तरह और पैसा इकट्ठा किया जाये। काफी सोच विचार के बाद फिर यही तय हुआ कि ऐसीडो को वापस अपने भाई के पास ही जाना चाहिये।

---

[70] Akpabryos Island – name of an island in the South of Nigeria

वहॉ जा कर उसको अपने भाई को यह विश्वास दिलाना चाहिये कि अब उसने अपनी पुरानी ज़िन्दगी छोड़ दी है और वह उसके साथ काम करना चाहता है।

जब उसके भाई को यह विश्वास हो जायेगा कि वह अब ठीक हो गया है और ठीक से काम भी कर रहा है तो वह उसको खाने में जहर मिला देगा और इस तरह उसको मार देगा।

जहर वे अपने एक जानने वाले से ले लेंगे। बस फिर उसके बाद उसकी सारी दौलत ऐसीडो की होगी। इस तरह सब लोग फिर उसी तरह से रह सकेंगे जैसे पहले रहते थे।

ऐसीडो को अपने भाई को मारने का यह प्लान बिल्कुल अच्छा नहीं लगा पर क्योंकि अब वह अपने रहने का पुराना ढंग नहीं छोड़ सकता था इसलिये वह यह सब करने पर राजी हो गया। अगले ही दिन उन सबने वह अकपाब्रियोस टापू छोड़ दिया।

दो दिन के चलने के बाद वे जंगल में एक छोटी सी झोंपड़ी के पास आये जहॉ एक बहुत ही होशियार जहर बनाने वाला रहता था। उसका नाम था ओकपोनेसिप[71]। वह देश के सब जू जू आदमियों[72] का सरदार था।

[71] Okponesip – name of the person who made poison

[72] Ju Ju men who do Ju Ju – magic or Black Magic, or witch doctor

ऐसीडो ने अपनी बात को किसी को न बताने के लिये उस जू जू आदमी को आठ सौ डंडियाँ दीं और उस जू जू आदमी ने उसको एक बहुत ही तेज़ जहर बना कर दे दिया।

उसने बताया कि वह जहर उसके भाई को तीन महीने में मार देगा। उसको तो बस इतना करना था कि यह जहर उसके खाने में मिलाना था।

वह जहर ले कर ऐसीडो अपने भाई के घर पहुँचा। वहाँ जा कर उसने अपने पुराने ढंग के जीने पर बहुत पछतावा प्रगट किया और कहा कि अब आगे से वह कोई बुरा काम नहीं करेगा और उसके साथ काम करेगा।

ईयो यह सुन कर बहुत खुश हुआ। उसने तुरन्त ही उसको अन्दर बुलाया, उसको पहनने को लिये अच्छे कपड़े दिये और खाने के लिये बहुत सारा खाना दिया।

कुछ दिन बाद एक दिन शाम को जब खाना बन रहा था तो ऐसीडो रसोईघर में अपने पाइप के लिये आग लेने के बहाने गया। वहाँ जा कर उसने देखा कि रसोईघर में न तो रसोइया था और न कोई और दूसरा था सो उसने वह जहर सूप में मिला दिया और वापस बैठने वाले कमरे में आ गया।

लौट कर उसने टोम्बो[73] माँगी जो उसको जल्दी ही ला कर दे दी गयी। टोम्बो पी कर वह बोला कि अब उसको भूख नहीं रह गयी

[73] Tombo is a kind of alcoholic drink from Nigeria

थी सो आज वह खाना नहीं खायेगा और वह सोने चला गया। उस शाम उसके भाई ईयो ने शाम का खाना अकेले ही खाया। वह सारा सूप पी गया।

एक हफ्ते बाद वह कुछ बीमार सा महसूस करने लगा और धीरे धीरे उसकी तबियत ज़्यादा खराब होती चली गयी तो उसने अपने जू जू आदमी को बुला भेजा।

जब ऐसीडो ने जू जू आदमी को आते देखा तो वह चुपचाप घर से बाहर चला गया। लेकिन जू जू आदमी ने तुरन्त ही अपनी कौड़ियाँ[74] फेंक कर पता लगा लिया कि ईयो के भाई ऐसीडो ने उसको जहर दिया है इसी लिये उसकी तबियत खराब है।

जब जू जू आदमी ने उसे यह बताया तो उसको जू जू आदमी की बात पर विश्वास ही नहीं हुआ सो उसने उसको भगा दिया। कुछ देर बाद ऐसीडो घर वापस आ गया तब ईयो ने उसको बताया कि जू जू आदमी क्या कह रहा था।

ईयो ने ऐसीडो को यह भी बताया कि उसने जू जू आदमी का विश्वास ही नहीं किया और उसको भगा दिया।

ऐसीडो को यह सुन कर तसल्ली तो बहुत मिली पर वह बहुत होशियार हो गया कि कहीं उसके सिर कोई इलजाम न लग जाये इस लिये वह अपने घर के जू जू के पास गया और यह कसम खाने के

[74] Translated for the word "Cowries". This is a sea shell. See its picture above.

बाद कि उसने किसी तरह का जहर अपने भाई को नहीं दिया वह बरतन में से सूप पी गया।

जहर पीने के तीन महीने बाद ईयो मर गया। जो जो लोग उसको जानते थे वे सब उसकी बहुत इज़्ज़त करते थे। केवल इसलिये नहीं कि वह बहुत अमीर था बल्कि इसलिये भी कि वह बड़ा ईमानदार और बहुत ही सीधा आदमी था। उसने कभी किसी को दुख नहीं दिया था। उसके मरने का उन सबको बहुत दुख था।

ऐसीडो ने अपने भाई के दफन की सब रस्में अपने रीति रिवाजों के अनुसार कीं। काफी सारा गाना नाचना हुआ जो कई दिनों तक चलता रहा।

इस सबके बाद ऐसीडो ने सबसे पहले अपने पुराने लोगों का कर्जा निबटाया ताकि वह अपनी ईमानदारी साबित कर सके। फिर उसने बहुत सारे लोगों को अपने घर बुलाया जिन पर उसने बेतहाशा पैसा खर्च किया।

फिर से उसके घर में बुरी लड़कियाँ और उसके बुरे दोस्त आने जाने लगे। कोई भी भला आदमी उसके घर आना पसन्द नहीं करता था।

यह सब देख कर कि ऐसीडो अपने भाई ईयो के पैसे को किस तरह से उड़ा रहा था देश के सरदारों ने एक मीटिंग की और वे इस

नतीजे पर पहुँचे कि ऐसीडो एक जादूगर[75] था और उसने अपने भाई का पैसा हथियाने के लिये ही उसको जहर दे दिया था।

सारे सरदार ईयो के बहुत अच्छे दोस्त थे और उसकी मौत पर अभी तक बहुत दुखी थे क्योंकि वे जानते थे कि अगर वह ज़िन्दा रहता तो वह एक बहुत बड़ा और ताकतवर सरदार बन जाता। उन्होंने ऐसीडो को ऐकपावोर जू जू[76] देने का विचार किया।

यह जू जू एक बहुत ही ताकतवर दवा होती है जो पीने पर आदमी के सिर में चली जाती है और उसके असर से उसे पीने वाला आदमी सच बोलने पर मजबूर हो जाता है और अगर उसने कुछ गलत किया होता है तो वह कुछ दिनों में ही मर जाता है।

सो उन सरदारों ने एक मीटिंग बुलायी और उसमें ऐसीडो को भी बुलाया। उस मीटिंग में उन्होंने ऐसीडो पर इलजाम लगाया कि उसने अपने भाई ईयो को जादू टोने से मारा है।

ऐसीडो ने इस बात से साफ इनकार कर दिया और बोला कि उसने ऐसा नहीं किया। सरदारों ने कहा कि अगर वह सच बोल रहा है तो वह एकपावोर दवा पी कर अपने आपको सच्चा साबित करे और उसके सामने वह दवा रख दी।

अब ऐसीडो उस दवा को पीने से इनकार तो कर नहीं सकता था सो उसने डर से कॉपते हुए वह दवा पी ली। बहुत जल्दी ही वह

---

[75] Male witch or wizard

[76] Ekpawor Ju Ju

जू जू उसके सिर में घुस गया और उसने यह मान लिया कि उसी ने अपने भाई को जहर दे कर मारा है।

पर साथ में उसने यह भी कहा कि उसके दोस्तों ने उससे ऐसा करने के लिये कहा था यह काम उसने अपनी मरजी से नहीं किया। इस दवा के पीने के दो घंटे बाद ही ऐसीडो बहुत दर्द के साथ मर गया।

फिर उसके दोस्तों को बुलाया गया। उनको खम्भे से बॉध दिया गया और उनसे ईयो की मौत में हिस्सा लेने के बारे में सवाल पूछे गये। वे सबके सब इतने डरे हुए थे कि कुछ बोल ही न सके।

तब सरदारों ने उनको बताया कि ऐसीडो ने उनको बताया कि तुम लोगों ने ऐसीडो को उसके भाई को जहर देने के लिये उकसाया था। फिर वे उनको वहॉ ले गये जहॉ ईयो को दफनाया गया था।

ईयो की कब्र खोली गयी और उन लोगों के सिर काट कर उस कब्र में गिरा दिये गये। उनके शरीरों की बलि चढ़ा दी गयी और वह कब्र फिर से बन्द कर दी गयी।

13 ढोल बजाने वाला और मगर[77]

एक बार एक स्त्री ऐफियोंग ऐनी कैलेबार शहर के दक्षिण में ऐनसैडुन्ग शहर[78] में रहती थी। उसकी शादी हैनशम शहर के सरदार ऐटिम एकेंग[79] से हुई थी। वे लोग बहुत दिनों तक एक साथ रहे पर उनके कोई बच्चा नहीं था।

सरदार बच्चे के लिये बहुत इच्छुक था कि किसी तरह उसके जीते जी एक बच्चा हो जाये। उसने अपने जू जू[80] को भी बलि दी पर उससे भी उसको कोई फायदा नहीं हुआ।

सो वह एक जादूगर[81] के पास गया और अपनी बात बतायी तो वह बोला कि वह सरदार क्योंकि बहुत अमीर था इसलिये उसके कोई बच्चा नहीं हुआ था। अगर उसे बच्चा चाहिये तो उसे अपना कुछ पैसा खर्च करना पड़ेगा।

उसने सरदार को सलाह दी कि वह अपने कई दोस्त बनाये और उनको दावत दे ताकि उसका कुछ पैसा निकले और वह गरीब हो जाये।

---

[77] The Story of the Drummer and the Alligators (Tale No 38) – a folktales of Southern Nigeria, Africa. Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book can be obtained from hindifolktales@gmail.com in e-form free of charge. Contains

[78] Affiong Any lived in Ensedung town in the South of Calabar (a state of Nigeria)

[79] Affiong Any was married to Etim Ekeng, the Chief of Hanshan town.

[80] Deities of magic

[81] Translated for the words "Witch Doctor"

सरदार ने यह सब जा कर अपनी पत्नी को बताया तो उसने अगले ही दिन अपनी साथिनों को बुलाया और खूब बढ़िया दावत दी।

इस दावत में उसका बहुत सारा पैसा लग गया। बहुत सारा खाना बना और खाया गया और बहुत सारी टोम्बो[82] पी गयी। उसके बाद फिर सरदार ने दावत दी। उसमें भी बहुत सारा पैसा खर्च किया गया। सरदार ने ईबो घर[83] में भी बहुत सारा पैसा खर्च किया।

जब करीब करीब उनका आधे से ज़्यादा पैसा खर्च हो गया तो सरदार की पत्नी ने सरदार को बताया कि अब उसको बच्चे की आशा हो गयी है। सरदार ने यह सुन कर अगले दिन फिर एक बहुत बड़ी दावत दी।

उन दिनों सब बड़े बड़े सरदार मगरों के समूह के सदस्य होते थे और आपस में पानी में मिला करते थे।

उनके मगरों के समूह के होने की वजह यह थी कि एक तो वे जब व्यापार करने जाते थे तो वे मगर उनकी नावों की रक्षा करते थे और दूसरे जो मगरों के समूह के नहीं होते थे वे मगर उनकी नावों को और उनकी सम्पत्ति को नष्ट कर देते थे। वे उनका सारा पैसा और सामान ले लेते थे और उनके नौकरों को मार देते थे।

[82] Tombo is a kind of alcoholic drink of Nigeria

[83] Igbo House

इसलिये वे किसी न किसी मगर के समूह के होते ही थे।

सरदार ऐटिम ऐकेंग एक बहुत ही दयालु आदमी था इसलिये बहुत बार कहने पर भी वह किसी मगर के समूह में नहीं मिला था।

कुछ समय बाद उसके एक बेटा हुआ। उसने उसका नाम ऐडेट ऐटिम[84] रखा। उसने ईबो लोगों को बुलाया तो शहर के सारे घरों के दरवाजे बन्द कर दिये गये।

जब ईबो लोग शहर में होते थे तो कोई भी स्त्री अपने घर से बाहर नहीं निकल सकती थी। ईबो लोग शहर में कई दिन रहे और इसमें भी सरदार का बहुत पैसा खर्च हो गया।

इसके बाद उसने तय किया कि जब उसका बेटा बड़ा हो जायेगा तो वह अपनी सारी सम्पत्ति बॉट देगा। उसमें से आधी सम्पत्ति अपने बेटे को दे देगा पर बदकिस्मती से वह तीन महीने बाद ही मर गया और अपनी दुखी पत्नी को अपने बेटे की देखभाल के लिये अकेला छोड़ गया।

सरदार की पत्नी ने सरदार के मरने का दुख सात साल तक मनाया और उसके बाद वह अपने पति की सारे सम्पत्ति की मालिक हो गयी क्योंकि सरदार के कोई भाई नहीं था।

उसने अपने बेटे की बहुत अच्छी तरह से देखभाल की जब तक वह बड़ा नहीं हो गया। जब वह बड़ा हो गया तो वह एक बहुत ही सुन्दर और एक ताकतवर नौजवान हो गया।

---

[84] Edet Etim – name of the son of the Chief

शहर की सारी लड़कियाँ उसको बहुत चाहती थीं पर उसकी माँ ने उसको किसी भी लड़की के साथ जाने से मना कर रखा था क्योंकि वह सोचती थी कि वे उसको खराब कर देंगीं।

वह ढोल बहुत अच्छा बजाता था और नाचता भी बहुत अच्छा था सो जब भी शहर की लड़कियाँ अपना कुछ प्रोग्राम रखतीं वे ऐडेट को जरूर बुलातीं। वह उनके लिये ढोल बजाता और नाचता।

बहुत सारी जवान लड़कियों ने अपने पतियों को छोड़ दिया था और वह ऐडेट के पास गयीं कि वह उनसे शादी कर ले पर उसने अभी तक शादी नहीं की थी।

इससे शहर के बहुत सारे नौजवान लड़के उससे जलने लगे थे। एक दिन वे सब नौजवान लड़के रात को इकट्ठा हुए और उन्होंने ऐडेट को मारने की तरकीब सोची। उन्होंने सोचा कि जब ऐडेट नदी पर नहाने जायेगा तब वे मगरों को उकसा कर उनसे उसको पकड़वा लेंगे।

सो एक रात जब ऐडेट नदी पर कुछ धो रहा था कि एक मगर ने उसका पैर पकड़ा और दूसरे मगरों ने उसको उसकी कमर से पकड़ा और उसको पकड़ कर खींचने लगे।

ऐडेट बेचारे ने उनसे छूटने की काफी कोशिश की पर वह उन की पकड़ से नहीं छूट सका और मगर उसको पानी में खींच कर अपने घर ले गये।

ऐडेट की मॉ ने जब यह सुना तो उसने यह निश्चय कर लिया कि वह अपने बेटे को वहॉ से लाने की पूरी पूरी कोशिश करेगी। वह सुबह होने तक चुपचाप रही।

जब लड़कों ने देखा कि ऐडेट की मॉ तो चुपचाप है और रोयी नहीं तो उनको चील और उल्लू की कहानी[85] याद आ गयी और उन्होंने ऐडेट को कुछ महीने तक ज़िन्दा रखने का निश्चय किया।

सुबह होते ही ऐडेट की मॉ ने रोना शुरू किया और अपने पति की कब्र पर उसकी आत्मा से सलाह मॉगने गयी कि उसको अपने बेटे को वापस लाने के लिये क्या करना चाहिये।

उसके कुछ समय बाद वह कुछ हरी डंडियॉ हाथ में ले कर नदी के किनारे गयी और वहॉ जा कर उन डंडियों से पानी को पीटना शुरू कर दिया।

वह कैलैबार नदी के सारे जू जू से और उसकी आत्मा से अपने बेटे को लौटाने की प्रार्थना करने लगी। प्रार्थना के बाद वह घर वापस चली गयी।

घर जा कर उसने बहुत सारी डंडियॉ[86] लीं और खेत पर जू जू आदमी के पास गयी। उस जू जू आदमी का नाम था इनीनैन

[85] Read this story “Baaz Aur Ulloo”, Tale No 14, in the book “Dakshinee Nigeria Ki Lok Kathayen-2”, by Sushma Gupta in Hindi. Get it from hindifolktales@gmail.com in e-book form free of charge.
[86] Translated for the word “Rod” – maybe the currency of Nigeria at that time

ओकोन[87]। उसका यह नाम इसलिये था क्योंकि वह बहुत चालाक था और उसके पास बहुत असरदार जू जू थे।

जब उन नौजवान लड़कों ने यह सुना कि ऐडेट की माँ इनीनैन जू जू आदमी के पास गयी है तो वे डर गये और ऐडेट को लौटाने की सोचने लगे। पर वे ऐसा नहीं कर सकते थे क्योंकि यह उन लोगों के समाज के नियमों के खिलाफ था।

उधर इस जू जू आदमी ने भी यह पता लगा लिया कि ऐडेट अभी ज़िन्दा था और वह मगरों के घर में बन्द था सो उसने उसकी माँ को थोड़ा धीरज रखने के लिये कहा।

तीन दिन बाद इनीनैन जू जू आदमी खुद एक दूसरे मगरों के समूह में जा कर मिल गया और वहाँ से उन जवान मगरों का घर देखने गया जो उसको पकड़ कर ले गये थे।

वहाँ उसने एक नौजवान को देखा जिसको वह जानता था। दूसरे नौजवान मगर बाहर ज्वार में आये हुए खाने को खाने के लिये गये हुए थे। जाने से पहले उस नौजवान को पहरे पर छोड़ गये थे। इनीनैन यह सब देख कर वापस आ गया।

उसने आ कर ऐडेट की माँ को बताया कि वह एक ऐसा असरदार जू जू बनायेगा जिससे वे सारे मगर सात दिन के अन्दर अन्दर वहाँ से चले जायेंगे और उनमें से कोई भी मगर उस घर में नहीं रह जायेगा। उसने वह जू जू बनाया।

---

87 Ininen Okon – name of the Ju Ju man

जब मगर लोग घर लौट कर आये तो उन्होंने पूछा कि क्या कोई ऐडेट को पूछने के लिये आया था तो उस आदमी ने उनको बताया कि कोई भी उसको पूछने नहीं आया।

यह जान कर वे बोले कि अब वे सब एक साथ खाना खाने बाहर जा सकते थे। अब वहाँ पहरे की कोई जरूरत नहीं थी।

सो वे सब एक साथ खाना खाने बाहर चले गये और जब लौट कर आये तो उन्होंने ऐडेट को वहीं पाया जहाँ वे उसको छोड़ कर गये थे और बाकी चीज़ें भी वहीं की वहीं थीं क्योंकि इनीनैन उस दिन वहाँ गया ही नहीं था।

तीन दिन के बाद वे सब फिर बाहर गये और इस बार वे थोड़ी दूर निकल गये। इसका मतलब था कि वे जल्दी वापस नहीं आने वाले थे। जब इनीनैन ने देखा कि ज्वार उतरने वाला है तो इनीनैन ने अपने आपको एक मगर में बदला और वह जवान मगरों के घर पहुँच गया।

वहाँ उसने ऐडेट को एक खम्भे से बँधा पाया। उसने एक कुल्हाड़ी ली और उस खम्भे को काट कर उसे आजाद कर दिया। बहुत दिनों तक पानी में रहने की वजह से वह न तो कुछ बोल सकता था और न ही कुछ सुन सकता था।

वहाँ इनीनैन को बहुत सारे कमर में पहनने वाले कपड़े मिले जो वे जवान मगर लोग वहाँ छोड़ गये थे। उसने वे सब कपड़े राजा को

दिखाने के लिये उठा लिये और फिर वह ऐडेट को ले कर वहॉ से चल दिया।

घर पहुॅच कर उसने ऐडेट की मॉ को उसके बेटे को देखने के लिये बुलाया। वह उसको देख तो सकी पर उससे बात नहीं कर सकी।

उसने अपने बेटे को अपने गले से लगाया पर जैसे उसको कुछ महसूस ही नहीं हुआ। ऐसा लग रहा था कि वह कुछ भी समझने के लायक ही नहीं था। पर फिर भी वह चुपचाप बैठ गया।

जू जू आदमी ने उसकी मॉ को बताया कि वह उसको कुछ दिन की मोहलत दे वह उसको कुछ ही दिन में ठीक कर देगा।

तब जू जू आदमी ने उसके लिये कई जू जू बनाये और उसको दवा भी दी। कुछ समय बाद वह लड़का ठीक हो गया और उसकी समझ भी वापस आ गयी।

उसके बाद ऐडेट की मॉ ने लोगों को दिखाने के लिये कि उसका बेटा मर चुका है दुख वाले कपड़े पहन लिये और किसी को नहीं बताया कि उसका बेटा वापस घर आ गया है।

जब वे नौजवान मगर घर वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि ऐडेट तो जा चुका है और किसी ने उनके कमर में पहनने वाले कपड़े चुरा लिये हैं।

यह देख कर वे बहुत डर गये और उन्होंने ऐडेट के बारे में पूछताछ की किसी ने उसको देखा है क्या, पर किसी ने उसको नहीं

देखा था क्योंकि वह तो खेत पर छिपा था और उसकी माँ ने सबको धोखा देने के लिये अभी भी दुख वाले कपड़े पहन रखे थे।

छह महीने तक कुछ नहीं हुआ ऐसा ही चलता रहा। अब तक सब लोग इस बात को भूल गये थे।

फिर एक दिन ऐडेट की माँ ऐफ़ियोंग शहर के सरदारों के पास गयी और उनसे एक बहुत बड़ी मीटिंग बुलाने की प्रार्थना की जिसमें जवान और बूढ़े सभी बुलाये जायें ताकि उन सबके सामने उसके पति की सम्पत्ति का वहाँ के रीति रिवाजों के अनुसार बँटवारा किया जा सके। क्योंकि उसके बेटे को मगरों ने मार दिया था।

सो सरदारों ने अगले दिन एक बहुत बड़ी मीटिंग बुलवायी जिसमें बहुत सारे लोग आये।

ऐडेट की माँ ऐडेट को सुबह ही जहाँ मीटिंग होनी थी उसके पीछे वाले कमरे में ले गयी और वहाँ उसको वे सात नीचे पहनने वाले कपड़े दे कर बिठा दिया जिनको इनीनिन मगरों के घर से ले आया था।

जब सरदार लोग और आये हुए सारे लोग बैठ गये तो ऐफ़ियोंग ने कहना शुरू किया — "ओ सरदारों और बैठे हुए सारे लोगों, आठ साल पहले मेरा पति एक सुन्दर नौजवान था। उसने मुझसे शादी की।

हम लोग काफी दिनों तक साथ साथ रहे पर हमारे कोई बच्चा नहीं हुआ। आखिर मेरे एक लड़का हुआ पर बदकिस्मती से मेरा पति कुछ महीने बाद ही चल बसा।

मैंने अपने बेटे को बड़े लाड़ प्यार से पाला और वह एक अच्छा ढोल बजाने वाला और नाचने वाला बन गया। बहुत सारे नौजवान उससे जलने लगे और उन्होंने उसको मगरों से पकड़वा दिया।

क्या आप लोगों में से कोई बता सकता है कि आज अगर मेरा बेटा ज़िन्दा होता तो वह इस समय क्या होता?"

फिर उसने उन लोगों से पूछा कि वे मगरों के समाज के बारे में क्या सोचते थे जिन्होंने कितने ही जवानों को मार दिया था।

सरदारों के भी बहुत सारे नौकर मारे जा चुके थे सो उन्होंने उससे कहा कि अगर वह उनमें से किसी एक के खिलाफ भी कोई सबूत पेश कर सके तो वे उसको तुरन्त ही मार देंगे।

तब उसने इनीनैन को अपने बेटे ऐडेट के साथ वहाँ आने के लिये कहा। इनीनैन पीछे के कमरे में से एक हाथ में ऐडेट का हाथ पकड़े और दूसरे में वे सात नीचे पहनने वाले कपड़ों की गठरी लिये हुए सबके सामने आया और वह गठरी सरदारों के सामने रख दिया।

जैसे ही नौजवान लोगों ने ऐडेट को देखा तो वे तो आश्चर्य में पड़ गये और वहाँ से भागने की कोशिश करने लगे। पर जैसे ही वे भागने के लिये खड़े हुए सरदारों ने उनको बैठने के लिये कहा और

कहा कि अगर वे नहीं बैठे तो उनमें से हर एक को तीन सौ कोड़े लगेंगे। यह सुन कर वे सभी बैठ गये।

इसके बाद जू जू आदमी ने उन सबको बताया कि कैसे वह मगरों के घर गया था और फिर कैसे ऐडेट को उसकी माँ के पास वापस ले कर आया।

फिर उसने उनको यह भी बताया कि कैसे उसने सात नीचे पहनने वाले कपड़े वहाँ देखे जिनको वह यहाँ ले आया पर उनके बारे में वह कुछ भी नहीं कहना चाहता क्योंकि उनमें से कुछ कपड़े सरदारों के बेटों के थे।

वहाँ बैठे सरदारों में से उन सरदारों ने जो अपने समाज में से बुरे लोगों को रोकना चाहते थे इनीनैन से सब कुछ तुरन्त बताने को कहा।

इस पर इनीनैन ने कपड़ों का वह बन्डल खोला और उसमें से एक एक कर के सब कपड़े अलग अलग रख दिये और वे कपड़े जिन जिनके थे उनका नाम ले ले कर उन्हें बुलाना शुरू किया।

तब उन सातों ने अपने समाज के दूसरे लोगों के नाम भी बता दिये। गिनती में वे सब बत्तीस थे। इन सबको एक लाइन में खड़ा कर दिया गया और सरदारों ने उन सबको सजा दे दी कि अगली सुबह उन सबको नदी के किनारे मार दिया जाये।

फिर उन सबको खम्भों से बॉध दिया गया। सात आदमी उनकी पहरेदारी करते रहे। उन्होंने वहॉ आग जलायी और सारी रात ढोल बजाया।

अगली सुबह वहॉ की रीति रिवाज के अनुसार जहॉ मीटिंग हुई थी उस कमरे की छत पर एक बड़ा ढोल रख दिया गया और वहॉ उसको बुरा काम करने वालों के मरने की खुशी मे बजाया गया।

उसके बाद उन बत्तीस लड़कों को खम्भे से खोल दिया गया। उनके हाथ उनकी पीठ पीछे बॉध दिये गये और उनको नदी किनारे ले जाया गया।

सरदारों के सरदार ने तब एक स्पीच दी — "यह एक छोटा सा शहर है जहॉ का मैं सरदार हूॅ। मैं यहॉ के इस बुरे रिवाज को खत्म कर देना चाहता हूॅ क्योंकि इसकी वजह से यहॉ बहुत सारे लोग मारे जा चुके हैं।"

उसने तब एक आदमी को अपने लम्बे चाकू से एक आदमी का सिर काटने का हुक्म दिया। फिर उसने एक दूसरे आदमी को दूसरे आदमी की खाल निकालने का हुक्म दिया।

फिर एक तीसरे आदमी को तीसरे आदमी को डंडे से मारने के लिये कहा जब तक वह मर न जाये। उनमें से कुछ को खम्भे से बॉध नदी में डाल दिया जब तक ज्वार आ कर उनको डुबो न दे।

इस तरह उसने सब लोगों को अलग अलग तरीके से मरवा दिया।

इस घटना के बाद बहुत दिनों तक मगरों ने किसी को नहीं मारा लेकिन कुछ साल बाद नदी के किनारे और शहर के बीच में की जमीन नीचे धँस गयी जिससे एक बहुत बड़ा और गहरा गड्ढा बन गया जो कहते हैं कि मगरों का घर था।

लोगों ने उस गड्ढे को भरने की बहुत कोशिश की पर वह गड्ढा आज तक नहीं भरा जा सका।

14 ओलूसेग्बे[88]

बहुत साल पहले की बात है जब नाइजीरिया के योरुबा लोगों ने तभी तभी एक लड़ाई जीती थी और वे लोग कुछ जीते हुए लोग और सामान के साथ घर लौट रहे थे।

ओलूसेग्बे उन सबका सरदार था। अगर देखा जाये तो आज की यह लड़ाई उसी की वजह से जीती गयी थी।

गॉव आते समय दो सिपाही बात कर रहे थे — "ओलूसेग्बे अभी तक अकेला है। इन जीते हुए लोगों में कुछ लड़कियॉ बहुत सुन्दर हैं। हो सकता है कि वह इन्हीं में से एक से शादी कर ले।"

दूसरा बोला — "वह बड़ा अजीब आदमी है। उसने तो अभी तक अपने ही गॉव की किसी लड़की से शादी नहीं की वह इनमें से किसी एक से क्या शादी करेगा।"

उधर ओलूसेग्बे भी यही सोच रहा था पर पकड़ी हुई लड़कियों में से कोई उसको मन नहीं भा रही थी।

चलते चलते एक नदी आ गयी और सभी नदी पार करने लगे। ओलूसेग्बे ने अपने घोड़े पर चढ़ कर नदी तुरन्त ही पार कर ली और नदी के उस पार जा कर दूसरे लोगों को नदी पार करते देखने लगा।

---

88 Olusegbe – a folktale of Yoruba Tribe of Nigeria, Africa

तभी उसकी निगाह किनारे पर उगी एक सब्जी पर पड़ी। उसने उसको तोड़ लिया और उसकी एक पत्ती पकड़ कर बोला — "कितनी सुन्दर सब्जी है यह। अगर यह किसी की पत्नी बन जाती तो कितना अच्छा रहता।"

बस उसका इतना कहना था कि वह सब्जी तो उसके हाथ से फिसल कर नीचे गिर गयी और एक सुन्दर लड़की के रूप में बदल गयी।

ओलूसेग्बे देखते ही उसको चाहने लगा। उसने उससे पूछा — "क्या तुम मेरी पत्नी बन कर मेरे घर चलोगी?"

लड़की ने सिर झुकाया और चुपचाप उसके पीछे पीछे चल दी।

कुछ दूर चलने पर उसको चमकीले रंगों वाली एक अजीब सी चिड़िया दिखायी दी। उसको देख कर ओलूसेग्बे के मुँह से निकला — "काश, किसी आदमी की पत्नी भी इतनी ही सुन्दर होती।"

उसका इतना कहना था कि वह चिड़िया भी एक सुन्दर लड़की में बदल गयी और उसके पीछे पीछे हो ली।

कुछ देर बाद ठंडे पानी का एक झरना आया। दिन गरम था सो सभी वहाँ थोड़ी देर के लिये ठंडक में बैठ गये।

उस ठंडे पानी के देख कर ओलूसेग्बे बोला — "कितना ठंडा पानी है। काश यह एक लड़की होता।"

और उसके यह कहते ही पानी का कैलेबाश[89] लिये हुए एक लड़की वहाँ प्रगट हो गयी। उसने उस लड़की के कैलेबाश से पानी पिया और उसको भी साथ ले कर गाँव की तरफ चल दिया।

आगे जा कर उसने एक हिरन को भी एक लड़की बनाया और उसको भी साथ ले लिया।

जब वह अपने गाँव के पास पहुँचा तो वह इन घटनाओं के बारे में सोच ही रहा था कि उसने एक बहुत सुन्दर तितली एक फल के ऊपर मँडराती देखी।

वह सोचने लगा कि अगर मैंने फिर कहा कि "यह तितली कितनी सुन्दर है" या "यह फल कितना सुन्दर है" तो शायद ये भी लड़कियाँ बन जायेंगे और फिर वे लड़कियाँ मेरे पीछे लग जायेंगी।

पर उसका यह बोलना ही था कि सचमुच ही वे तितली और फल दोनों ही लड़कियाँ बन गयीं और अब छह लड़कियाँ उसके घोड़े के पीछे पीछे चल रहीं थी।

वह जब गाँव के अन्दर पहुँचा तो गाँव वालों ने उन छहों लड़कियों की तरफ कोई खास ध्यान नहीं दिया क्योंकि वे समझ रहे थे कि वे भी शायद जीती हुई लड़कियाँ होंगी। पर ओलूसेग्बे के सिपाही और दूसरे लोग उनको देख कर जरूर आश्चर्य कर रहे थे

[89] Calabash is a dry outer cover of a pumpkin like fruit which is used to keep dry or wet things as in India the pitchers are used. See its picture above.

कि ये लड़कियाँ कहाँ से आयीं। क्योंकि जब वे पहले वाले गाँव से चले थे तब तो ये लड़कियाँ उसके साथ नहीं थीं।

उस रात जीत की खुशी में खूब आनन्द मनाया गया। जीत का माल बाँटा गया और सब सिपाही अपने अपने घरों को लौट गये।

उधर ओलूसेग्बे ने उन छहों लड़कियों से शादी कर ली। अपना घर भी खूब बड़ा बनवा लिया। सब्जी वाली पत्नी उसको अपनी सब पत्नियों में सबसे ज़्यादा प्यारी थी इसलिये वही उसकी पहली पत्नी बनी।

एक दिन उसकी सब्जी वाली पत्नी ने कहा — "ओलूसेग्बे, लोगों का कहना है कि तुम्हारे पास कोई जू जू[90] है इसी लिये लड़ाई में तुमको कोई हरा नहीं सकता। क्या यह बात सही है?"

ओलूसेग्बे बोला — "आज तक मैंने यह बात किसी को नहीं बतायी पर अब क्योंकि मेरी शादी हो चुकी है और तुम मेरी बड़ी पत्नी हो इसलिये मैं तुमको बता देता हूँ। तुम ठीक कहती हो। हर लड़ाई में मेरी जीत उस जू जू की वजह से ही होती है।

मेरे घर के उस दूर वाले कोने में पानी का एक घड़ा है और एक झाड़ू है जो कभी भी इस्तेमाल नहीं की जाती। जब भी मुझे किसी लड़ाई का डर होता है तो मैं वह झाड़ू उस जादू के पानी में डुबोता हूँ और फिर मुझे किसी के हमले का डर नहीं रहता।

---

[90] Ju Ju is a magic or Black Magic. It is a kind of Tonaa Totakaa of India. This is Nigerian traditional magic. It may be used for good or for bad.

पर तुम यह बात किसी को बताना नहीं। यह बात केवल हम तुम दोनों के बीच में ही रहनी चाहिये।"

सब्जी वाली पत्नी ने कहा कि ठीक है वह यह बात किसी को नहीं बतायेगी।

क्योंकि आजकल गॉव में शान्ति थी सो ओलूसेग्बे ने राजा से कुछ समय के लिये उस गॉव से बाहर जाने की इजाज़त मॉगी। वह अपने एक दोस्त से मिलना चाहता था। राजा ने उसको इजाज़त दे दी।

कुछ दिन बाद ओलूसेग्बे अपनी सब्जी वाली पत्नी को घर की देखभाल करने के लिये छोड़ कर अपने दोस्त से मिलने चल दिया।

कुछ समय तक तो सब ठीक रहा पर कुछ समय बाद ही पास के एक कबीले ने हमला कर दिया। हमला अचानक था इसलिये गॉव के लोगों को गॉव की दीवार के दरवाजे बन्द करने और इधर उधर सिपाही खड़े करने का समय ही नहीं मिला।

राजा बहुत दुखी हुआ क्योंकि इस समय उसका सबसे अच्छा सेनापति ओलूसेग्बे उसके पास नहीं था और उसको हार जाने का डर था।

ओलूसेग्बे की सब्जी वाली पत्नी कुछ देर तक तो लड़ाई देखती रही पर फिर वह घर के अन्दर गयी और उसने ओलूसेग्बे की बॉसुरी बजायी और उसकी साथिन पत्नियों ने गाया —

ओलूसेग्बे ओलूसेग्बे, ओ मेरे पति सबसे अच्छे सेनापति
तुम्हें वह फल याद है जो तुम्हारी पत्नी बना
तुम्हें वह रंगीन चिड़िया याद है जो पेड़ पर गा रही थी
वह तितली याद है जो फल के पास थी

वह हिरन याद है जो तुम्हारे रास्ते में आ गया था
वह सब्जी याद है जो नदी के किनारे उगी थी
और झरने का वह पानी, ये सब तुम्हारी पत्नियाँ हैं
लड़ाई गाँव की दीवार के पास है और तुम दूर हो बहुत दूर

सब्जी वाली पत्नी जब यह गा रही थी और बाँसुरी बजा रही थी तो अचानक उसे ओलूसेग्बे के जू जू की याद आ गयी। उसने बाँसुरी तो फेंक दी और घर के दूसरे कोने की तरफ भागी।

जा कर तुरन्त उसने झाड़ू जादू के पानी में डुबो दी और वह झाड़ू ले कर लड़ते हुए सेनापति के पास पहुँची और वह झाड़ू उसको दे दी। तुरन्त ही दुश्मन हारने लगा और अपने गाँव भाग गया।

ओलूसेग्बे ने जब इस अचानक हमले के बारे में सुना तो वह भी जल्दी जल्दी घर आया और उसे यह जान कर खुशी हुई कि दुश्मन को हरा दिया गया है। और यह जान कर उसे और भी ज़्यादा खुशी हुई कि उसकी बड़ी पत्नी की समझदारी से यह सब हुआ।

कुछ दिनों तक फिर गाँव में शान्ति रही तो ओलूसेग्बे ने फिर बाहर जाने की सोची। राजा ने उसको फिर जाने की इजाज़त दे दी।

पड़ोसी कबीले वाले तो इसी मौके की तलाश में थे। उन्होंने सोचा कि पिछली बार शायद हम बदकिस्मती से हार गये थे पर इस बार हम शायद जीत जायें।

यही सोच कर उन्होंने फिर से अचानक हमला कर दिया। अबकी बार सब्जी वाली पत्नी तैयार थी। उसने तुरन्त झाड़ू जादू के पानी में डुबोयी और लड़ते हुए सेनापति को दे आयी।

इस बार भी दुश्मन का बहुत नुकसान हुआ और उसने फिर कभी ओलूसेग्बे के गॉव पर हमला करने की सोचा भी नहीं।

कुछ दिनों में ओलूसेग्बे घर वापस आ गया। पर उसके आने के कुछ दिनों बाद ही राजा मर गया तो दूसरा राजा चुना गया। वहॉ यह रिवाज था कि सेनापति को नये राजा से मिलने जाना होता था और उससे यह पूछना होता था कि वह किस देश पर चढ़ाई करना चाहता था।

इसी रिवाज के अनुसार ओलूसेग्बे भी नये राजा से मिलने गया और उसने उससे पूछा कि वह किस देश पर चढ़ाई करना चाहता था तो सबको यह सुन कर बड़ा आश्चर्य हुआ कि वह मेंढकों के देश पर चढ़ाई करना चाहता था।

राजा का हुक्म था सो मानना तो था ही। असल में हुआ यों कि राजा जब बच्चा था तो एक मेंढक ने उसकी ऑख में थूक दिया था सो आज जब वह राजा बन गया था तो वह उनसे अपने उस अपमान का बदला लेना चाहता था।

सो ओलूसेग्बे ने अपनी सेना इकट्ठी की और अपने कैप्टेन लोगों की एक मीटिंग बुलायी। जब मीटिंग चल रही थी तो ओलूसेग्बे ने एक चींटी के भागने की आवाज सुनी पर वह कुछ समझ न सका कि वह चींटी क्यों भागी और कहाँ जाने के लिये भागी।

असल में वह चींटी मेंढकों को राजा के हमले की खबर देने भागी थी। जब चींटी ने जा कर उनको राजा के हमले के बारे में बताया तो सारे मेंढक डर गये।

एक अक्लमन्द मेंढक ने कहा — "अब जब हमको पहले से मालूम चल ही गया है तो हमको ठीक से काम करना चाहिये। मेरी सलाह यह है कि हमको अक्लमन्द कछुए के पास जाना चाहिये और उससे सहायता माँगनी चाहिये। अगर वह हमारी सहायता नहीं भी करेगा तो भी कम से कम हमें कोई तरकीब तो बतायेगा ही।"

सो एक मेंढक कूदता फलाँगता कछुए के पास गया और जा कर उसे सारी बातें बतायीं।

कछुए ने सब कुछ ध्यान से सुना और बोला — "मुझे अफसोस है कि मैं इस बारे में कुछ नहीं कर सकता। क्योंकि अगर तुमको ओलूसेग्बे से लड़ना है तो तुमको हारना ही है क्योंकि उसके पास एक ऐसा जू जू है जिसकी वजह से उसे कोई नहीं हरा सकता।"

मेंढक बोला — "यह जू जू क्या है?"

कछुआ बोला — "पिछली लड़ाई के समय में मैं सेनापति के घर के पास ही रहता था वहीं मैंने उसकी बड़ी पत्नी को उसकी दूसरी पत्नियों से उस जू जू की बात करते और गॉव को बचाने की बात सुनी थी।

वह घर के एक कोने में गयी, एक पुरानी झाड़ू उठायी और उसको एक अजीब से पानी में डुबोया और फिर उस झाड़ू को ले कर वह सेनापति के पास भाग गयी और बस फिर वे वह लड़ाई जीत गये।"

मेंढक ने पूछा — "आप क्या सोचते हैं कि यह झाड़ू और वह पानी ही क्या ओलूसेग्बे के जू जू हैं?"

कछुआ बोला — "मुझे तो पूरा यकीन है कि वे ही उसके जू जू हैं। तुम लोग एक काम कर सकते हो। तुम उसकी पत्नी को खुश कर के किसी तरह उसकी वह झाड़ू और पानी का बरतन ले लो तो फिर देखते हैं कि ओलूसेग्बे की सेना तुमको कैसे हराती है।"

मेंढक कूदता फलॉगता वापस अपने देश में पहुॅचा और कछुए से हुई सब बातें सब मेंढकों को जल्दी जल्दी सुना डालीं।

यह सब सुन कर मेंढकों ने निश्चय किया कि सब मेंढकों से एक एक कौड़ी[91] इकट्ठी की जाये और ओलूसेग्बे की बड़ी पत्नी को भेंट की जायें।

[91] Cowrie is a shell of a sea animal. In olden days it was used as money. It seems in Nigeria also it was used as money in those times. See its picture aove.

जब कौड़ियाँ इकट्ठी हो गयीं तो मेंढकों के सरदार ने उन कौड़ियों में से कुछ कौड़ियों से एक घड़ा शहद खरीदा, कुछ कौड़ियाँ अपने पास रखीं और कुछ कौड़ियाँ कछुए के लिये रखीं। फिर वह ओलूसेग्बे के घर चल दिया।

कूदता फाँदता वह उसकी बड़ी पत्नी के पास पहुँचा और उसको आदर से नमस्कार किया और बोला कि वह कितनी सुन्दर थी और किस तरह इतनी सुन्दर पत्नी के लिये वह ओलूसेग्बे से जलता था।

ओलूसेग्बे की बड़ी पत्नी यह सुन कर बहुत खुश हुई।

इसके बाद मेंढक ने उसको शहद का घड़ा भेंट किया। ओलूसेग्बे की बड़ी पत्नी को मेंढकों के राजा के इरादों के बारे में कुछ भी पता नहीं था इसलिये उसको उसकी बातों पर शक करने की कोई गुंजायश ही नहीं थी।

कुछ देर बातें करने के बाद वह बोला कि क्या वह उस कोने में रखा बरतन और झाड़ू कुछ समय के लिये उससे उधार ले सकता था। उसने उससे यह भी कहा कि वह उनको अगले दिन वापस दे जायेगा।

पहले तो वह तैयार नहीं हुई परन्तु कौड़ियों के कई थैले देख कर वह राजी हो गयी। उसने मेंढक से कहा कि ओलूसेग्बे के पता चलने से पहले पहले ही वह उनको वापस कर जाये तो अच्छा है।

मेंढक ने कहा "ठीक है। मैं ऐसा ही करूँगा।"

और कछुए की सहायता से वह बरतन और झाड़ू ले जा कर जंगल में छिपा दी।

अगली सुबह जब ओलूसेग्बे लड़ाई पर जाने की तैयारी कर रहा था तो हजारों की तादाद में मेढकों ने गॉव पर हमला कर दिया। वे समुद्र की तरह बढ़े चले आ रहे थे लोगों को मारते हुए, राजा को भी मारते हुए, तोड़ फोड़ करते हुए।

ओलूसेग्बे अपने जू जू की तरफ दौड़ा तो उसे वहॉ न देख कर उसने अपनी बड़ी पत्नी से पूछा — "मेरा जू जू कहॉ है? कहॉ गया मेरा जू जू यहॉ से?"

दुखी होते हुए उसकी पत्नी ने अपनी बेवकूफी की कहानी उसको सुना दी कि किस तरह मेंढक आया, उसको कौड़ियॉ और शहद दिया और यह जू जू ले गया।

ओलूसेग्बे तो गुस्से से पागल सा हो गया पर इस समय उसके पास अपनी पत्नी से लड़ने का समय नहीं था। मेंढक बढ़े चले आ रहे थे। वह उनसे लड़ने के लिये गया भी पर हार गया।

यह पहली बार था जो वह अपने दुश्मन से हारा। उस रात सारे मेंढक गॉव में आ गये और गॉव का सब कुछ अपने कब्जे में कर लिया।

मेंढक जो ओलूसेग्बे के घर गया था बोला — "इस जीत का फल हैं ओलूसेग्बे की छहों सुन्दर पत्नियॉ ले लेना। क्योंकि अब वह

उनका क्या करेगा। अब मैं जा कर अपनी सब्जी वाली पत्नी को धन्यवाद दूँगा और अपना घर देखूँगा।"

जब वह अपने घर पहुँचा तो उसने देखा कि ओलूसेग्बे की छहों की छहों पत्नियाँ रो पीट रहीं हैं।

वह बोला — "यह क्या हो रहा है यहाँ? क्या अपने नये पति का इस तरह स्वागत किया जाता है? जाओ और जा कर मेरे लिये बढ़िया खाना पकाओ। मैं बहुत थक गया हूँ खाना खा कर सोना चाहता हूँ।"

छहों पत्नियाँ एक आवाज में बोलीं — "हमारा पति ओलूसेग्बे कहाँ है?"

मेंढक बोला — "तुम्हारा पति मर गया, भूल जाओ उसको। अब मैं तुम्हारा पति हूँ अब तुमको मेरा कहा मानना पड़ेगा। जाओ मेरे लिये खाना ले कर आओ। हाँ और यह रोना धोना बन्द करो। मुझे यह शोर बिल्कुल पसन्द नहीं है।"

मेंढक की शक्ल और उसके ये शब्द उन पर जहर का काम कर रहे थे। पर अब वे पत्नियाँ हँसी और सबने गाना शुरू कर दिया —

ओलूसेग्बे ओ ओलूसेग्बे तुम चले गये, सबसे सुन्दर तुम्हारी छह पत्नियाँ
सब्जी जो नदी किनारे उगी, रंगीन चिड़िया जो पेड़ पर गाती थी
ठंडे झरने का पानी, फल जो तुम्हारी पत्नी बनी
तितली और हिरन जो तुम्हारी पत्नी बने
अब हम सब अपने अपने घर जाते हैं, ओलूसेग्बे, विदा।

यह गाना खत्म होते ही उसकी छहों पत्नियाँ गायब हो गयीं और मेंढक उस घर में अकेला रह गया।

वह बहुत देर तक बिना हिले डुले वहाँ चुपचाप पड़ा रहा। फिर बोला — "आश्चर्य, यह तो बहुत ही अजीब बात है।"

पर ओलूसेग्बे तो अभी मरा नहीं था। जब वह मेंढकों की सेना से हार चुका तो उसने अपने एक कैप्टेन को बुलाया और कहा कि वह उसको अपनी तलवार से मार दे।

कैप्टेन ने उसको ढाँढस बँधाया और कहा कि अभी सब कुछ नहीं लुटा है। अगर ओलूसेग्बे किसी तरह से यह मालूम करने में कामयाब हो जाये कि वह जू जू उसके घर से कौन ले गया था तो वे लोग उसको शायद वापस भी ले सकें और उस मेंढक को उसकी किये की सजा भी दे सकें।

यह बात ओलूसेग्बे की कुछ समझ में आयी और वह यह पता करने चल दिया कि आखिर हुआ क्या था। ओलूसेग्बे जंगल में काफी समय तक यों ही बेकार सा घूमता रहा।

एक दिन उसको एक चीता मिल गया। चीते ने पूछा — "क्या तुम्हीं बहादुर सेनापति ओलूसेग्बे नहीं हो?"

ओलूसेग्बे बोला — "हाँ भाई मैं ही वह बदकिस्मत ओलूसेग्बे हूँ बल्कि कहना चाहिये कि था।"

चीता आगे बोला — "जानवरों का कहना है कि तुम अपने हराने वाले को ढूँढने निकले हो। अगर तुम मेरी बात ध्यान से सुनो ओलूसेग्बे, तो मैं तुम्हारी सहायता कर सकता हूँ।

जब तुम अपने कैप्टेन लोगों के साथ अपनी मीटिंग कर रहे थे तो एक चींटी ने सुन लिया था कि तुम लोग मेंढकों के देश पर हमला करने वाले हो और वह चींटी वह बात सब मेंढकों को बता आयी थी।

उनमें से एक मेंढक ने जो अभी भी तुम्हारे घर में बैठा है सलाह दी कि इस बारे में कछुए से सलाह ली जाये। और यह कछुआ ही तुम्हारी हार की वजह है। क्योंकि उसी ने उस मेंढक को यह सलाह दी थी कि तुम्हारी बड़ी पत्नी को शहद और कौड़ियाँ दे कर उससे वह जू जू ले लिया जाये।

और ऐसा हो गया। वह तुम्हारी पत्नी को शहद और कौड़ियाँ दे कर आया और उससे तुम्हारा जू जू ले आया। और अब कछुआ जानता है कि मेंढक ने वह जू जू कहाँ छिपाया है।

अगर तुम उस कछुए को पकड़ लो तो मुझे विश्वास है कि तुम अपनी खोयी हुई ताकत को फिर से पा सकोगे।"

ओलूसेग्बे बोला — "सत्यानाश हो उस कछुए का और उसके सारे बच्चों का। भगवान करे वह सब जानवरों में कमजोर समझा जाये। मैं उसे ढूँढता हूँ और उसे मारता हूँ।"

चीता बोल — “नहीं, यह काम तुम नहीं मैं करूँगा क्योंकि वह मेरा दुश्मन है।”

ओलूसेग्बे ने पूछा — “पर तुम कछुए से इतनी नफरत क्यों करते हो? उसने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है?”

चीता बोला — “कुछ दिन पहले की बात है कि हम दोनों में झगड़ा हो गया था और मैं जानता हूँ कि वह बहुत ही चालाक जानवर है।

एक दिन मेरे घर एक अलाबे[92] आया। वह मेरे बच्चों के चेहरों पर निशान बनाना चाहता था। मैं तैयार हो गया। सारी तैयारियाँ हो गयीं तभी उसने कहा कि वह बड़ों के सामने यह काम नहीं कर सकता था सो उसने मुझे वहाँ से जाने के लिये कहा।

मैं बाहर चला गया और इस तरह वह मेरे बच्चों के साथ अकेला रह गया। काफी देर के बाद भी जब वह बाहर न निकला तो मैं परेशान हो गया और कमरे के अन्दर गया कि देखूँ तो अन्दर क्या हो रहा है।

पर वहाँ अलाबे तो था नहीं और मेरे सारे बच्चे मरे पड़े थे। मैंने उस अलाबे को ढूँढने की कोशिश भी की पर वह मुझे मिला ही नहीं।

[92] Traditional doctor who makes tribal marks on peoples’ faces according to their tribes are called “Alabe”. See a picture of those marks above.

बाद में मुझे पता चला कि कछुआ और अलाबे दोनों एक ही थे। अब जब तक उससे अपने बच्चों की हत्या का बदला नहीं ले लूँगा मैं चैन से नहीं बैठूँगा।”

ओलूसेग्बे ने चीते को धन्यवाद दिया और इधर उधर घूमता रहा। उधर चीते ने कछुए का पता लगा लिया कि वह एक नाव के पास वाले घर में है। बस फिर क्या था वह उधर ही चल दिया।

उधर कछुए को भी इस बात का पता चल गया कि चीता उस की तरफ आ रहा है। उस नाव के दो नाविक थे एक अन्धा और एक बहरा।

उसने नाविक से कहा कि वह उसको नाव में बिठा कर दूर ले चले और कछुआ अपने छोटे छोटे पैरों से जितनी जल्दी हो सका उतनी जल्दी नाव में बैठ गया।

वह अन्धे नाविक को चिल्ला कर बोला कि वह उसको दूर ले चले और बहरे नाविक को उसने हाथ से इशारा किया कि वह उस को वहाँ से दूर ले चले। दोनों नाव वाले चल दिये।

इतने में चीता आ गया। कछुए को नदी में नीचे की तरफ जाता देख कर उसने पहले तो उसको पुकारा पर उसके वापस न आने पर उसने भी एक नाव ली और वह भी उनके पीछे पीछे चल दिया।

अन्धे नाविक ने कछुए को कहा भी कि कोई उसको पीछे से पुकार रहा था परन्तु बहरे नाविक ने कहा "मैंने तो नहीं सुना।" और वे आगे चल दिये।

चीते की नाव जल्दी जल्दी चल रही थी यह देख कर कछुआ अपनी नाव किनारे की तरफ ले चला। वह किसी झाड़ी में छिप जाना चाहता था पर बदकिस्मती से कछुए की नाव एक पेड़ से टकरा गयी।

बस फिर क्या था तुरन्त ही चीता उसके ऊपर कूद पड़ा और उसने उसकी एक टॉग पकड़ ली।

कछुआ हॅसा और बोला — "चीते तुमने मेरी टॉग नहीं बल्कि पेड़ की जड़ पकड़ रखी है। मैं तो सुरक्षित हूॅ।"

इस पर उसने कछुए की टॉग छोड़ कर पेड़ की जड़ पकड़ ली। तो कछुआ बोला "मैं मरा, मैं मरा।"

इस तरह काफी देर हो गयी। यह खेल और देर तक चलता रहता अगर उसी समय एक मछली चीते की सहायता के लिये न आ जाती।

आखिरकार कछुआ पकड़ा गया, उसको किनारे लाया गया और ओलूसेग्बे के सामने पेश किया गया। कछुआ ओलूसेग्बे से अपनी ज़िन्दगी की भीख मॉगने लगा।

ओलूसेग्बे ने पूछा — "मेरा जू जू कहॉ है?"

कछुए ने बता दिया कि उसने उसका जू जू कहाँ छिपाया था। ओलूसेग्बे ने उसे तुरन्त ही ढूँढ लिया। फिर उसने देवताओं की प्रार्थना की और उनसे मेढकों को अपने राज्य से निकालने के लिये सहायता माँगी।

देवताओं ने उसकी सहायता की। उन्होंने बहुत सारे साँप भेजे और मेंढकों को खाने वाली चिड़ियें भेजीं।

कुछ ही दिनों में गाँव में एक भी मेंढक नहीं रहा। इस तरह मेंढकों का अन्त हुआ। उनके साथ ही साँप और चिड़ियें भी गायब हो गयीं।

इसके बाद योरुबा लोग फिर से उसी जंगल से घर लौट रहे थे। इस बार उनके साथ उनका नया राजा ओलूसेग्बे था। उनके पीछे चीता था और चीते के पीछे बन्दी बना कछुआ था पानी का घड़ा और झाड़ू लिये हुए।

एक बार फिर ओलूसेग्बे अकेला ही आगे निकल गया था तो उसके पीछे से उसके दो सिपाही उसके बारे में बात कर रहे थे।

एक बोला — "क्या ही अच्छा हो कि ओलूसेग्बे को अपनी पुरानी छहों पत्नियाँ वापस मिल जायें। वे बहुत ही सुन्दर थीं।"

दूसरा बोला — "वैसे वह बहुत ही अजीब आदमी है।"

पहला बोला — "हो सकता है कि उसका जू जू ही यह काम कर दे।"

दूसरा बोला "हो सकता है।"

ओलूसेग्बे भी यही सोच रहा था। उसने अपनी पत्नियों को बहुत ढूँढा परन्तु वे उसे अभी तक नहीं मिली थीं।

चलते चलते नदी आयी तो वह पहले की तरह सबसे पहले नदी पार कर गया और दूसरी तरफ पहुँच कर दूसरों को नदी पार करते देखता रहा।

जब वह दूसरों को नदी पार करते देख रहा था तो उसकी नजर पास में उगी हुई एक सब्जी पर पड़ी। उसने उसे पत्ते से पकड़ कर कहा — "कितनी सुन्दर सब्जी है अगर यह किसी की पत्नी बन जाती तो कितना अच्छा रहता।"

उसके इतना कहते ही वह सब्जी उसके हाथ से फिसल कर नीचे गिर गयी और उसकी पहली पत्नी में बदल गयी। उसने ओलूसेग्बे से अपनी बेवकूफी की माफी माँगी।

इस तरह गाँव पहुँचने से पहले पहले उसने अपनी छहों पत्नियों को वापस पा लिया।

गाँव वाले उन सबको देख कर बहुत खुश हुए। ओलूसेग्बे बहुत ही अच्छा राजा साबित हुआ। कछुए को चीते को दे दिया गया। चीते ने उसको एक पहाड़ी पर ले जा कर कुचल कर नीचे फेंक दिया और इस तरह कछुआ मर गया।

15 एक बेसहारा लड़का और उसकी जादुई डंडियाँ[93]

अजाओ[94] एक बेसहारा लड़का था। वह जब पाँच साल का ही था कि उसके माँ और बाप दोनों ही चल बसे। क्योंकि वह अभी छोटा ही था इसलिये उसके चाचा ने उसके पालने पोसने का जिम्मा ले लिया था।

पर तीन साल के बाद वह भी चल बसे तो उन चाचा के एक दोस्त ने उसको अपने यहाँ रख लिया। चाचा के उस दोस्त का नाम था ओगुनमोडे[95]।

अजाओ बड़ा ही शान्त लड़का था सो ओगुनमोडे उसको बहुत प्यार करता था और उसको अपने बेटे की तरह रखता था। ओगुनमोडे के अपना कोई बच्चा नहीं था वह इसलिये भी उसको बहुत चाहता था।

पर ओगुनमोडे की पत्नी बहुत ही ईर्ष्यालु स्वभाव की थी। जब उसने देखा कि ओगुनमोडे अजाओ को बहुत प्यार करता है तो उससे वह सहा नहीं गया। उसने अजाओ को तंग करना शुरू कर दिया।

---

[93] An Orphan Boy and His Magical Twigs – a folktale of Yoruba Tribe of Nigeria, Africa

[94] Ajao – name of the orphan boy

[95] Ogunmode – name of the friend of the uncle of Ajao. Ajao lived with him after the death of his uncle.

उसको वह बहुत मुश्किल मुश्किल काम करने को देती और जब उसका पति काम से वापस घर आता तो हमेशा ही उसकी शिकायत करती।

अजाओ का जीना हराम कर रखा था उसने। जैसे जैसे अजाओ बड़ा होता गया उसके लिये वहाँ रहना बहुत ही मुश्किल होता गया।

जब अजाओ करीब बीस साल का हो गया तो ओगुनमोडे ने पत्नी के कहने से उसको घर से निकाल दिया और उसको कह दिया कि अब वह वहाँ कभी वापस न आये।

अजाओ का कोई ऐसा दोस्त नहीं था जो उसे अपने पास रख लेता और उसके अपने पास कोई पैसा नहीं था। इसके अलावा कोई उसको सामान खरीदने के लिये भी पैसा देने को तैयार नहीं था ताकि वह कोई धन्धा कर सके सो सिवाय भीख माँगने के उसके पास और कोई चारा नहीं था।

एक दिन उस गाँव के एक बड़े रईस के घर में चोरी हो गयी तो लोगों ने अजाओ का नाम लगा दिया कि यह चोरी अजाओ ने की है। डर के मारे अजाओ गाँव छोड़ कर भाग गया। अजाओ के

पास केवल एक लुंगी[96] के अलावा और कुछ भी नहीं था।

[96] Lungi is a cloth to cover the lower part of the body from the waist to knee or to feet. See its picture above.

वह इतना परेशान हो गया था कि उसने अपनी जान देने का फैसला कर लिया।

जब वह गॉव से भाग रहा था तो रास्ते में उसे एक रस्सी दिखायी दी। उसने वह रस्सी इस इरादे से उठा ली कि वह उसको गले में बॉध कर फॉसी लगा लेगा।

गॉव से बाहर आ कर अब वह किसी ऐसे पेड़ की तलाश करने लगा जिसकी शाख से रस्सी बॉध कर वह फॉसी लगा सकता। कुछ देर बाद इधर उधर घूमने के बाद उसे एक लम्बी सी शाख दिखायी दे गयी जिसे वह अपनी फॉसी के लिये इस्तेमाल कर सकता था।

वह उस पेड़ पर चढ़ गया और उस शाख पर रस्सी बॉधने ही वाला था कि उसको पत्तियों और शाखों के बीच से कुछ दूरी पर बसा एक गॉव दिखायी दिया।

अपने मरने की बात तो वह भूल गया और सोचने लगा कि उसको तो पता ही नहीं था कि उधर कोई गॉव भी था। किसी ने उससे कभी इस गॉव का जिक्र भी नहीं किया।

जैसे जैसे वह इस गॉव की तरफ देख रहा था उसको वह गॉव कुछ अजीब सा लगा। उसके घर और सड़कें सभी कुछ बिना आदमियों का लग रहा था।

उसे वहॉ सब कुछ शान्त लग रहा था, सब कुछ खाली था, धुॅआ भी नहीं था, पर साथ ही साफ वह सुथरा भी लग रहा था। ऐसा लगता था जैसे वहॉ कोई रहता ही न हो।

अजाओ ने सोचा कि कम से कम उसको यह गॉव जा कर देखना तो चाहिये क्योंकि इससे उसको कोई नुकसान तो होगा नहीं बल्कि हो सकता है कि उसे वहॉ पर उसे कोई काम ही मिल जाये।

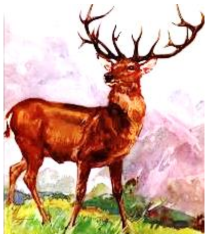

सो अजाओ ने रस्सी तो वहीं छोड़ दी और जंगल के रास्ते उस गॉव की तरफ चल दिया। कुछ ही दूर जाने पर उसको एक बारहसिंगा[97] मिला।

उसने सोचा कि वह बारहसिंगा उसे देख कर वहॉ से भाग जायेगा पर यह देख कर उसे आश्चर्य हुआ कि ऐसा नहीं हुआ। वह वहीं खड़ा रहा और उसे देखता रहा।

अजाओ के पास कोई हथियार नहीं था और उसे उसको मारने का कोई इरादा नहीं था सो वह उससे बच कर गॉव की तरफ जाने वाले रास्ते पर चल दिया।

अचानक उसने अपने पीछे किसी को पुकारते हुए सुना — "अजाओ, तुम कहॉ जा रहे हो?"

एक बारहसिंगे के मुॅह से अपना नाम सुन कर अजाओ बड़े आश्चर्य में पड़ा और इधर उधर देखने लगा कि उसको किसने पुकारा पर उसे बारहसिंगे के अलावा वहॉ और कोई दिखायी नहीं पड़ा।

---

[97] Translated for the word "Stag". It is a deer like animal with two horns but with many branches in them. See its picture above.

इतने में वह बारहसिंगा फिर बोला — “अजाओ, यह मैं ही तुमसे पूछ रहा हूँ तुम कहाँ जा रहे हो?”

अजाओ बारहसिंगे के मुँह से यह सुन कर कुछ डर सा गया पर फिर बोला — “पास में ही मैंने एक अजीब सा गाँव देखा था मैं वहीं जा रहा हूँ।”

बारहसिंगा बोला — “जिस पेड़ से तुमने वह गाँव देखा था वह एक जादुई पेड़ था और वह गाँव जानवरों का एक गाँव है। यह जानवरों का देश है। तुम उस गाँव में मत जाना। तुम तुरन्त ही अपने आदमियों के देश में चले जाओ क्योंकि तुम जानवरों के देश के नहीं हो।”

यह सुन कर तो अजाओ और भी डर गया और घबरा गया। उसकी समझ में ही नहीं आया कि वह क्या करे। वह कुछ दूर वापस गया और एक बड़े से पत्थर पर बैठ कर सोचने लगा कि वह अब क्या करे —

“क्या मैं उस पेड़ के पास फिर जाऊँ और फाँसी लगा कर अपनी जान दे दूँ? या उस जानवरों के गाँव में जाऊँ और फिर वहाँ जा कर देखूँ कि वहाँ क्या होता है? और या फिर यहीं रह कर भूखा रह कर अपनी जान दे दूँ?”

वह बहुत थक गया था सो वह वहीं लेट गया और सो गया। जब वह उठा तो रात होने वाली थी। उसने सोचा कि वह रात में

उस गॉव में जायेगा और देखेगा कि वहॉ क्या होता है। अगर वहॉ कोई खतरा होगा तो वह रात में वहॉ से बच कर भाग भी सकता है। वह फिर सो गया।

अबकी बार जब वह उठा तो पूरी तरह रात हो गयी थी केवल तारों की रोशनी ही चमक रही थी। अजाओ उठा और जानवरों के गॉव की तरफ चल दिया। केवल मेंढक और झींगुरों की आवाजें ही उसको सुनायी दे रही थी।

इस गॉव में जानवर तीन समूहों में रहते थे — एक समूह था मॉस खाने वाले जानवरों का, दूसरा समूह था घास खाने वाले जानवरों का और तीसरा समूह था रेंगने वाले जानवरों का।

हालॉकि वे सभी आपस में दोस्ती से रहते था पर फिर भी ज़्यादातर वे अपने अपने समूहों में ही रहते थे।

अजाओ धीरे धीरे गॉव की तरफ बढ़ा और मिट्टी के एक बड़े से मकान में रोशनी देख कर उसकी खिड़की में से अन्दर झॉका। पास में काफी पेड़ पौधे थे इसलिये वह आसानी से वहॉ छिपा खड़ा रह सकता था।

अजाओ इस समय घास खाने वाले जानवरों के समूह वाले हिस्से में था और यह मकान उनके मिलने की जगह थी। सभी वहॉ मिल कर कोई मीटिंग कर रहे थे। जब अजाओ उनकी बात सुन रहा था तो वे दवाओं के बारे में अपनी अपनी तारीफें कर रहे थे।

एक बड़ा सा हाथी कह रहा था — "दोस्तो, अगर आप लोग कुछ पल के लिये बाहर आयें तो मैं आपको एक जादू दिखाना चाहता हूँ।"

कहते के साथ ही उसने डंडियों का एक गट्ठर उठा लिया और उस मकान के बाहर आ गया। उस मकान के सामने एक बहुत बड़ी खुली जगह थी।

अजाओ जहाँ खड़ा था वहाँ से वह उन सबको अच्छी तरह देख सकता था पर उसको कोई नहीं देख रहा था क्योंकि सारे जानवर अपनी मीटिंग की कार्यवाही में मस्त थे।

हाथी की बात सुन कर सारे जानवर बाहर निकल कर आ गये और हाथी का दिखाया जाने वाला जादू देखने के लिये एक गोला बना कर खड़े हो गये।

हाथी बाहर निकल कर बोला — "अब आप देखें।"

उसने एक डंडी उठायी, उसको दो हिस्सों में तोड़ा और जानवरों के घेरे में फेंक दिया। तुरन्त ही वहाँ पर एक बहुत बड़ी इमारत खड़ी हो गयी।

सभी जानवरों ने आश्चर्य से अपने अपने सिर हिलाये और वे उस इमारत को देखने के लिये उसके अन्दर घुस गये।

हाथी अभी उस इमारत के बाहर ही खड़ा था। उसने दूसरी डंडी उठायी और उसे तोड़ कर जमीन पर फेंकी तो वह इमारत

गायब हो गयी और सारे जानवर एक कमरे के अन्दर खड़े रह गये।

इतने में अजाओ को एक जानी पहचानी आवाज सुनायी दी। यह आवाज उसी बारहसिंगे की थी जो उसे जंगल में मिला था।

वह बोला — "यह तो सचमुच ही बहुत अच्छा है परन्तु मेरे भाई लोग अगर मुझे भी कुछ दिखाने का मौका दें तो मैं भी कुछ दिखाना चाहता हूँ।"

जानवरों ने फिर से एक गोला बना लिया और बारहसिंगे ने एक डंडी उठायी और उसको तोड़ कर जो उसने जमीन पर फेंका तो वहाँ एक कौड़ियों[98] का थैला प्रगट हो गया। उसने दूसरी डंडी तोड़ कर फेंकी तो वह गायब हो गया।

इस तरह वे घास खाने वाले जानवर एक एक कर के आगे आते गये और एक डंडी से कुछ कुछ चीज़ें प्रगट करते गये और दूसरी से उन्हें गायब करते गये।

किसी ने कपड़े प्रगट किये तो किसी ने खाने का सामान, तो किसी ने बहुत सुन्दर मोती और जवाहरात। ऐसा लगता था जैसे डंडियों को तोड़ने से ही सब कुछ प्रगट किया जा सकता था और फिर उनको गायब किया जा सकता था।

---

[98] Translated for the word "Cowries". Cowry is a kind of sea shell. See its picture above. Long before they were used as money.

अजाओ को खाना पकाने वाली डंडियाँ सबसे ज़्यादा अच्छी लग रही थीं क्योंकि उसने सुबह से कुछ खाया नहीं था।

उसने वह जगह अच्छी तरह से देख ली जहाँ उन जानवरों ने अपनी करामातें दिखाने के बाद उन डंडियों को फेंका था। यह मीटिंग रात भर चली और सुबह होने पर सब जानवर अपने अपने घर चले गये।

जब सब कुछ शान्त हो गया तो भूखे अजाओ ने उन डंडियों में से खाना पैदा करने वाली डडियाँ उठायीं और उस गाँव से दूर जंगल की तरफ भाग चला। दूर पहुँच कर वह आराम से एक जगह पर बैठ गया।

उन डंडियों में से उसने एक छोटा सा टुकड़ा तोड़ा और जमीन पर फेंक दिया। वहाँ बहुत सारी खाने की चीज़ें प्रगट हो गयीं। वह उनको देख कर बहुत खुश हुआ। उसने पेट भर कर खाना खाया।

उस डंडी के सहारे अब वह कहीं भी अकेला रह सकता था। क्योंकि अब उसे खाने पीने की कोई परेशानी नहीं थी।

पर रोज रोज डंडियाँ तोड़ने से उसकी डंडियाँ छोटी होती जा रहीं थीं। वह हर रात उस गाँव में चुपके से पहुँच जाता इस उम्मीद में कि वह उन जानवरों को और डंडियाँ तोड़ता देखे और वह और डंडियाँ वहाँ से ले आये पर उस रात के बाद वह मकान खाली ही रहा।

अजाओ ने सोचा कि अब तो उसके पास केवल दो दिन के लिये ही खाने की डंडियाँ बची हैं इसलिये उसे जल्दी ही जानवरों का दूसरा समूह देखना चाहिये। सो अगली रात वह उस गाँव के दूसरी तरफ चला गया जहाँ माँस खाने वाले जानवर रहते थे।

जब वह जंगल के दूसरे किनारे पर पहुँचा तो उसने देखा कि एक जगह आग जल रही है और उसके चारों तरफ बहुत सारे जानवर बैठे हैं।

वहाँ एक चीता भाषण दे रहा था — "मेरे माँसाहारी दोस्तो और भाइयो, कुछ दिनों पहले हमारे घास खाने वाले भाइयों ने अपनी मीटिंग में कुछ जादू के करतब दिखाये थे।

अपने गाँव में अब यह बात फैल गयी है कि केवल वे ही जादू के करतब दिखा सकते हैं और उनके पास ही सबसे ज़्यादा ताकतवर जू जू[99] हैं। ऐसा लगता है कि जैसे हमारे पास कोई जादू और जू जू है ही नहीं।"

यह सुन कर बहुत सारे जानवर चिल्ला पड़े — "यह सच नहीं है, यह झूठ है। हमको भी अपने जू जू और दवाओं का जादू दिखाने का मौका मिलना चाहिये।"

एक शेर बोला — "मैंने सुना था कि वहाँ डंडियाँ तोड़ कर जादू दिखाया गया था।"

[99] Ju Ju means magic or Black Magic. It is like Jaadoo Tonaa of India. It may be used for good or bad.

चीता बोला — “आप ठीक कहते हैं शेर जी कि वहाँ कुछ खास तरह की डंडियाँ तोड़ी गयीं थीं। हमारे कुत्ते भाई कुछ जादू की डंडियाँ ले कर आये हैं। और अब हम भी इस गाँव को दिखा देंगे कि हमारे पास भी ताकतवर दवाऐं और जूजू हैं।”

सो इस मीटिंग में भी पिछली मीटिंग की तरह ही हुआ। एक एक जानवर सामने आया। उसने एक डंडी तोड़ कर एक चीज़ पैदा की और दूसरी डंडी तोड़ कर उसे गायब कर दिया।

अजाओ ने फिर सब ध्यान से देखा और खाना पैदा करने वाली डंडियों को ठीक से देख लिया कि वे उन्होंने कहाँ फेंकी थीं।

यह मीटिंग भी सारी रात चली और सुबह होने पर सब अपने अपने घर चले गये। सारे जानवर बहुत खुश थे कि उन्होंने भी घास खाने वालों जानवरों की तरह जादू के करतब दिखाये।

जब सब चले गये तो अजाओ ने एक बार फिर खाना पैदा करने वाली डंडियाँ इकट्ठी की और उनको अपने रहने की जगह पर ले आया। अजाओ को शहद की केक बहुत अच्छी लगती थी और उन डंडियों से माँगने पर वह उसको मिल जाती थी।

अब उसको यह भी पता चल गया था कि इस गाँव में जानवर तीन समूहों में रहते थे। उसने जानवरों के दो समूहों की मीटिंग तो देख ली थी सो उसने सोचा कि इसका मतलब यह है कि रेंगने वाले जानवरों की मीटिंग भी अब किसी भी समय होने वाली होगी इसलिये मुझे उसका ख्याल रखना चाहिये।

इस मीटिंग को देखने के लिये अब वह हर रात गॉव की तरफ जाने लगा। साथ में वह शहद वाले केक ले जाता ताकि भूख लगने पर उनको खा सके।

उधर मॉसाहारी जानवरों की मीटिंग के अगले दिन एक कुत्ता उधर से गुजरा तो उसको लगा कि वे डंडियॉ उस तरह से नहीं पड़ीं थीं जिस तरह से उनको जादू दिखाने के बाद फेंका गया था और साथ में कुछ अजीब सी बू भी आ रही थी।

वह इधर उधर घूम घूम कर देखने लगा तो उसको अजाओ के पैरों के निशान दिखायी दिये। वह मन ही मन बोला — “ओह तो उस दिन आदमी का बच्चा यहॉ आया था।”

कुत्ता तुरन्त दौड़ा दौड़ा गया और अपने सारे मॉसाहारी भाइयों को इस बारे में बताया।

तुरन्त ही एक मीटिंग बुलायी गयी। मॉसाहारी जानवरों ने घास खाने वाले जानवरों को भी इस बारे में बताया तो बारहसिंगा बोला कि वह एक आदमी अजाओ से जंगल में मिल चुका था हो सकता है कि ये पैरों के निशान उसी के हों।

दोनों समूहों ने अपने अपने जानवरों को गॉव के आस पास अजाओ का पता लगाने के लिये तैनात कर दिया। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि एक दिन अजाओ गॉव के आस पास घूमता पकड़ा गया।

एक बड़े बन्दर ने उसको पकड़ा और उसे गॉव में ले आया। अब की बार मॉसाहारी और घास खाने वाले जानवरों की मीटिंग एक साथ बुलायी गयी ताकि वे आदमी के बच्चे को देख सकें और उस बिन बुलाये मेहमान के साथ क्या बरताव किया जाये यह निश्चय कर सकें।

कुछ चिल्लाये — “हमको इस आदमी के बच्चे को दिखाओ।”

कुछ मॉसाहारी जानवर चिल्लाये — “इसको मार दो, इसको मार दो।”

कुछ घास खाने वाले जानवर बोले — “हाथी इसको कुचल कर मार देगा।”

ऐसा लग रहा था जैसे सभी जानवर अजाओ की मौत चाहते हों। अजाओ बेचारा बन्दर के पास जमीन पर पड़ा था।

बारहसिंगा बोला — “मुझे ठीक से देखने दो। शायद यह अजाओ ही है।”

जानवर चिल्लाये — “इसको हमें ऊपर उठा कर दिखाओ। यही हमारे गॉव में चुपके चुपके चोर की तरह आता है।”

हाथी ने अजाओ को अपनी सूॅड़ से ऊपर उठा लिया और बोला — “देखो यही है वह आदमी का बच्चा।”

अजाओ अभी तक अपने हाथ में शहद वाली केक पकड़े था। जैसे ही हाथी ने बोलने के लिये अपना मुॅह खोला उसने तुरन्त ही केक का एक टुकड़ा हाथी के मुॅह में डाल दिया।

हाथी ने शहद वाला केक पहले कभी नहीं चखा था। जैसे जैसे उसने वह केक खाया तो उसको लगा कि उसको तो वह केक बहुत अच्छा लग रहा है। अच्छा लगने की वजह से हाथी को वह केक खाने में कुछ देर लगी तो सुनने वालों का धीरज छूट गया।

इतने में जानवर चिल्लाये — "इसको नीचे फेंक कर मार दो।"

हाथी बोला — "नहीं, मैं इसको नहीं मारूँगा। मेरी सलाह है कि हम इसे अपना पालतू बना लें। इसने मुझे अभी अभी बहुत ही स्वादिष्ट खाना खिलाया है। मैं उसका नाम तो नहीं जानता पर वह खाने में बहुत स्वाद है।"

कुछ जानवर चिल्लाये — "अरे तुम यह क्या बेवकूफी की बात कर रहे हो। क्या कभी किसी ने आदमी को भी जानवरों का पालतू बनते सुना है?"

बिल्ला बोला — "हॉ, यह काम तो आदमी का है हमारा नहीं।"

इतने में शेर बोला — "वह स्वादिष्ट खाना कहॉ है ज़रा मैं भी तो खा कर देखूॅ।"

हाथी ने धीरे से अजाओ को उतार कर मॉसाहारी जानवरों के सरदार शेर के पास रख दिया और बोला — "देखो तो कितना सुन्दर लड़का है।"

अजाओ ने शहद वाला केक शेर को भी खिलाया। केक शेर को भी बहुत स्वादिष्ट लगा।

केक खा कर शेर बोला — "हाथी ठीक कहता है। लड़का बहुत सुन्दर है इसको मारना हमारे लिये बड़ी शरम की बात होगी। इसको तो हमारे साथ रहना होगा और यह बताना होगा कि यह खाना कैसे बनता है।"

जब हाथी और शेर ने यह फैसला सुना दिया कि लड़के को उनके साथ ही रहना है तो दूसरे जानवरों को भी मानना पड़ा। जिनको इस फैसले पर थोड़ा बहुत भी शक था तो अजाओ ने उन सबको वह शहद वाला केक खिला कर राजी कर लिया।

इस तरह अजाओ उन जानवरों के बीच रहने लगा। उसने उनको बताया कि आदमियों ने उसके साथ कितनी बेरहमी का बरताव किया था और किस तरह उसको अपने गॉव से निकाल दिया था।

और किस तरह वह अपने आपको मारना चाहता था। फिर कैसे उसको जानवरों के इस गॉव का पता चला और कैसे वह रात को इस गॉव को देखने के इरादे से यहॉ आ पहुॅचा था।

अजाओ ने उन जानवरों को बहुत सारी बातें सिखायीं जैसे आदमी के बिछाये जाल से कैसे बचना चाहिये। शिकारियों से कैसे बचना चाहिये और किन आदमियों पर भरोसा किया जा सकता है किन पर नहीं। उसने उनको भालों और तीरों की ताकत के बारे में भी बताया।

धीरे धीरे जानवर अजाओ को प्यार करने लगे और उस पर उनका विश्वास बढ़ गया। अब वह उनके समूह का ही एक सदस्य बन गया था।

जानवरों ने उसको डंडियों के जादू सिखाये और बदले में सबने शहद वाले केक खाये। अजाओ को रेंगने वाले जानवरों के समूह से भी मिला दिया गया और वे भी उसको खूब प्यार करने लगे थे।

पर कई साल उन जानवरों के साथ बिताने के बाद उसको लगा कि उसको अब अपने आदमियों के पास जाना चाहिये।

सो एक दिन उसने यह बात जानवरों की एक मीटिंग में कही तो कोई जानवर उसकी इस बात पर राजी नहीं हुआ। कोई उसको वहाँ से जाने नहीं देना चाहता था।

परन्तु शेर बोला — "अजाओ ठीक कहता है। इसको अपने लोगों में ही जा कर रहना चाहिये। वहाँ जा कर इसको शादी करनी चाहिये और फिर इसके बच्चे भी होने चाहिये।

अब तक यह हमारा बहुत अच्छा दोस्त था और हम सबको इस पर पूरा विश्वास है कि यह आदमियों की दुनियाँ में पहुँच कर भी हमको धोखा नहीं देगा।"

फिर वह अजाओ से बोला — "तुम्हारे जाने का हम सभी को बहुत दुख होगा। तुम अकेले ही आदमी के बच्चे हो जो हमारे साथ इतने दिनों तक हमारे बन कर रहे। हम तुम्हें बहुत प्यार करते हैं और तुम पर भरोसा करते हैं।

अगर तुम्हारे अपने लोग कभी भी तुम्हारे साथ बुरा बरताव करें तो तुम बिना किसी हिचकिचाहट के यहाँ लौट आना। हम तुम्हारी हर तरीके से सहायता करने की कोशिश करेंगे।

लो ये कुछ जादू की डंडियाँ अपने साथ ले जाओ। ये तुमको तुम्हारी नयी ज़िन्दगी शुरू करने में सहायक होंगी।"

सभी जानवरों ने अजाओ को रोते हुए विदा किया और गाँव के बाहर तक छोड़ने आये। जाते समय वे बोले — "अजाओ, कभी कभी हमसे मिलने भी आ जाया करना।"

अजाओ अपने उसी गाँव में वापस पहुँच गया जहाँ से वह एक बार चोरी के झूठे इलजाम में निकाला गया था। वहाँ पहुँच कर उसने एक छोटी सी जमीन देख कर हाथी वाली डंडी तोड़ कर फेंकी तो वहाँ एक सुन्दर मकान खड़ा हो गया।

उसके बाद वह कुछ और डंडियाँ तोड़ता रहा जिनसे उसको कपड़े, घर का सामान और खाने पीने का सामान मिला।

अजाओ अब एक अमीर आदमी था और अब वह अपनी नयी ज़िन्दगी शुरू कर सकता था।

अजाओ की बदकिस्मती से उस गाँव के लोग अभी भी अजाओ के चोर होने को भूले नहीं थे और उन्होंने उसको अभी तक माफ भी नहीं किया था।

सो गाँव में अब यह बात फैलने लगी कि अजाओ अब अपनी लूट के सामान के साथ फिर से इस गाँव मे रहने के लिये आ गया

है। क्योंकि इतना सारा पैसा वह ईमानदारी से इतने थोड़े समय में नहीं कमा सकता था तो वह पैसा जरूर ही लूट का होगा।

कुछ ही दिनों बाद गाँव के लोग इकट्ठा हो कर उसके पास आये और यह सोच कर कि वह पास के गाँवों से चोरी कर के वह यह सब माल जमा करता रहा है पकड़ कर उसको गाँव के सरदार के पास ले गये।

सरदार ने अजाओ से पूछा कि उसके पास इतनी सारी दौलत कहाँ से आयी। पर अजाओ जानवरों और उनकी डंडियों की कहानी उनको बताना नहीं चाहता क्योंकि उसको पता नहीं था वे उसके साथ कैसा बरताव करेंगें।

उसको जानवरों के साथ किया हुआ अपना वायदा भी याद आया। सफाई न देने की वजह से सरदार ने उसको तो जेल में बन्द कर दिया और उसकी सारी चीज़ें अपने कब्जे में कर लीं।

उन्होंने अजाओ को बहुत समय तक जेल में रखा और जब वह जेल से छूटा तो वह फिर से जानवरों के गाँव की तरफ चल दिया।

उसने सोचा कि पहली बार से यहाँ से जाने में और इस बार के यहाँ से जाने में एक फर्क है। पहले वह यहाँ से अपने आपको मारने के इरादे से गया था इस बार वह अपने दोस्तों के पास जा रहा है।

अजाओ जब जानवरों के गाँव पहुँचा तो जानवर उसको अपने बीच पा कर बहुत खुश हुए। अजाओ ने उन्हें अब तक की अपनी सारी कहानी बतायी।

तीनों समूहों ने फिर अपनी अलग अलग मीटिंग कीं और फिर उनके नेताओं शेर, हाथी और मगर ने उसको बुलाया।

उन्होंने उससे कहा — "अजाओ, हमने तुम्हारी बात को गौर से सुना। तुमने जो हमारे लिये वफादारी दिखायी है उससे खुश हो कर एक बार फिर हम तुमको अपनी दुनियाँ में आने की इजाज़त देते हैं और अपने राजा को हमारे और हमारी डंडियों के बारे में सब कुछ बताने की इजाज़त देते हैं।"

सो अजाओ ने डंडियों का एक बंडल उठाया और अपने गाँव की तरफ चल दिया।

इस बार वह सीधे राजा के पास गया और बोला — "हे राजा, आप अपनी प्रजा में अजाओ को अच्छी तरह जानते है। उसको लोगों ने दो बार चोरी का इलजाम लगा कर गाँव के बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने उसको जेल में भी रखा।

शायद आपको याद होगा कि कुछ दिन पहले अजाओ यहाँ था और उसने अपनी दौलत पाने के भेद को खोलने से इनकार कर दिया था। आज वही अजाओ जिन्होंने मुझे वह ताकत दी थी उनकी इजाज़त से उस भेद को खोलने के लिये आपके सामने हाजिर है।

आप कोई एक दिन तय कर लें तो उस दिन मैं आप सबको बहुत सारे आश्चर्यजनक जादू दिखाऊँगा और शायद इस तरह अपने माथे पर लगा यह काला दाग धो सकूँ।"

सो राजा ने एक दिन तय कर लिया। उस दिन गॉव के बहुत सारे लोग आये और उस दिन अजाओ ने अलग अलग डंडियों से अलग अलग जादू दिखाये।

वह सब देख कर लोगों को आश्चर्य भी हुआ और खुशी भी हुई। उसकी बहुत सारी दौलत देखते हुए उनमें से बहुत सारे लोग अपनी अपनी बेटियों की शादी उसके साथ करने तैयार हो गये।

अजाओ ने राजा की बेटी का रिश्ता ले लिया और उसके साथ उसकी शादी का एक दिन भी तय हो गया। जैसे जैसे शादी का दिन पास आता गया गॉव में खुशियॉ और तैयारियॉ बढ़ती गयीं।

शादी के एक दिन पहले सारे जानवर अपने जानवर वाले गॉव से आये और अजाओ की शादी की खूब खुशियॉ मनायी गयीं।

जिस समय जानवर आये उस समय ॲधेरी रात थी। एक जानवर ने खूब सारे नीबू फेंके तो वे सारे नीबू लैम्प बन गये और गॉव भर में उजाला फैल गया।

लोगों को जानवरों के बढ़िया कपड़े देख कर बड़ा आश्चर्य हुआ क्योंकि पहली बात उन्होंने तो जानवरों को इससे पहले कभी कपड़े पहने देखा नहीं था। दूसरे उनके कपड़े तो आदमियों के कपड़ों से कहीं ज़्यादा अच्छे थे।

हाथी का सिर बढ़िया जरी की टोपी से ढका था तो शेर के सिर पर मोतियों का ताज था। छिपकली के गले में लाल मोतियों की माला थी तो बारहसिंगा एक बहुत ही सुन्दर गाउन पहने था। मगर

बहुत बढ़िया रेशम के कपड़े पहने था तो सूअर मखमल की चादर ओढ़े था।

शादी की दावत के सारे खाने और चीज़ों की तरह जादू की डंडियों से ही पैदा किये गये थे। रात बीत गयी और लोगों ने कहा कि इतनी अच्छी शादी की रात, नाच गाना दावत आदि, उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था।

सुबह राजा ने अपनी बेटी अजाओ को दे दी साथ में एक बढ़िया घोड़ा गाड़ी भी दी। जानवरों ने अपने जादू से अजाओ को चीलों से जुती उड़ने वाली एक गाड़ी दी जिसमें बैठ कर अजाओ और उसकी पत्नी सारा दिन गाँव के ऊपर उड़ते रहे।

रात को वे अपने अपने घर चले गये और फिर अगले दिन उनकी शादी हो गयी। जानवर भी अपने गाँव लौट गये।

कुछ समय बाद अजाओ की पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया। उसका नाम उन लोगों ने अकानो[100] रखा। जब अकानो थोड़ा बड़ा हो गया तो अजाओ अकाने को जानवरों के गाँव ले गया। वहाँ उनको जानवरों के तीनों समूहों ने अलग अलग दावत दी।

उन्होंने कहा — "अजाओ, जब तुम हमारे गाँव में पहली बार आये थे तब तुम अपने बेटे अकानो से कुछ ज़्यादा बड़े नहीं थे। उस समय हमने तुमको बहुत कुछ सिखाया। क्या अब तुम अपने

[100] Akano - name of the son of Ajao

बेटे को यहाँ नहीं छोड़ोगे ताकि वह जानवरों को जान सके और उन्हें ठीक से समझ सके।"

अजाओ बोला — "मेरी तो बहुत इच्छा है।"

और वह अकानो को जानवरों के गाँव में छोड़ गया। वहाँ उसने उनकी भाषा, उनके रीति रिवाज आदि बहुत कुछ सीखा।

अकानो अपने पिता को बहुत प्यार करता था। उसका पिता सबसे पहले जानवरों के गाँव में कैसे आया इसकी कहानी सुनते सुनते वह कभी थकता ही नहीं था।

उधर जानवर भी अकानो को प्यार तो बहुत करते थे परन्तु उन्होंने कभी उसको डंडियों का भेद नहीं बताया।

जब भी कभी उसने उनके बारे में पूछा भी तो बूढ़े शेर ने जवाब दिया — "आदमियों में यह भेद केवल तुम्हारा पिता ही जानता है। जब वह मर जायेगा तो उसके बाद इस भेद को और कोई नहीं जान पायेगा।

क्योंकि हम तुम्हारे पिता को बहुत प्यार करते हैं इसी लिये यह भेद हमने उसको बताया। मगर तुमको अगर हमारी किसी और सहायता की कभी भी जरूरत हो तो हम तैयार हैं।"

अकानो जानवरों के गाँव में कई साल रहा। फिर एक दिन वह हाथी से मिलने पहुँचा। हाथी उसको देखते ही बोला — "अकानो, मुझे मालूम है कि तुम मुझसे मिलने क्यों आये हो। कई साल पहले

तुम्हारा पिता भी इसी तरह मुझसे मिलने आया था। क्या तुम अपने देश वापस जाना चाहते हो?"

अकानो बोला — "जी हॉ।"

उस रात अकानो को विदा करने के लिये एक बहुत बढ़िया दावत दी गयी और अगले दिन सुबह अकानो अपने गॉव की तरफ चल पड़ा। बहुत सारे जानवर उसको छोड़ने गये।

जब वे गॉव की सीमा पर पहुॅचे तो हाथी बोला — "हमने तुम्हें डंडियों का जादू कभी नहीं बताया पर देखो यह एक जादू की डंडी है जो हम तुम्हें जाते समय एक भेंट के रूप में दे रहे हैं। तुम इस को तोड़ कर जो कुछ भी मॉगोगे वह इससे तुमको मिल जायेगा।"

अकानो ने सब जानवरों को धन्यवाद दिया और सारे जानवर उसको विदा कर गॉव वापस लौट गये।

अकानो को भी इन जानवरों से प्यार हो गया था और वह इन को छोड़ कर दुखी था पर अपने गॉव जाते समय वह खुश भी था क्योंकि अपने लागों को उसने बहुत दिनों से देखा नहीं था।

पर जब वह गॉव के पास पहुॅचा तो उसे लगा कि उसके गॉव की तो सारी सड़कें खाली पड़ी हैं। वहॉ कोई आदमी ही नजर नहीं आ रहा था।

अकानो घबरा गया और सोचने लगा कि उसको आने में लगता है देर हो गयी। शायद यहॉ उसको और पहले आना चाहिये था।

जब अकानो गॉव के अन्दर पहॅुचा तो उसे इस खालीपन की वजह समझ में आ गयी।

सारा गॉव उजड़ चुका था, घर जल गये थे या फिर टूट गये थे। अकानो अपने नाना के महल के पास पहॅुचा, अपने पिता के घर के पास पहॅुचा और सब कुछ उजड़ा हुआ सा देख कर फिर से दुखी हो गया।

उसी समय उसको हाथी की दी हुई डंडी याद आयी। उसने डंडी तोड़ी और इच्छा की कि वह सारा गॉव फिर से बस जाये और उसके लोग वहॉ फिर से वापस आ जायें।

जैसे ही उसने डंडी तोड़ कर फेंकी और यह इच्छा की तो तुरन्त ही सारा गॉव फिर से बन गया और उसको कुछ लोग सड़क पर चलते फिरते नजर आने लगे।

उसने उनसे अपने परिवार वालों के बारे में पूछा तो वे बोले — "यह बड़े दुख की बात है अकानो कि उधर तो तुम जादू की डंडियॉ ले कर जानवरों के गॉव से आये और इधर यह आदमियों का गॉव एक दूसरे समूह ने नष्ट कर दिया।

तुम्हारे नाना और तुम्हारे पिता लड़ाई में मारे गये और तुम्हारी मॉ को वे लोग बन्दी बना कर ले गये। इस लड़ाई में बहुत से लोग मारे गये और बहुत से लोगों ने जंगल में भाग कर अपनी जान बचायी।"

अकानो ने उनको ढोल बजा कर बुलाने के लिये कहा। सब लोग वापस आ गये और उन्होंने अकानो को अपना नया राजा चुन लिया।

यह सब करने के बाद अकानो फिर से जानवरों के गॉव गया और जा कर उनको अपने गॉव का सारा हाल सुनाया और उस दूसरे समूह से लड़ाई लड़ने के लिये सहायता मॉगी।

हाथी बोला — "अकानो, जो कुछ भी हुआ उसका हमको बहुत दुख है। हमें अजाओ के मरने का भी बहुत दुख है क्योंकि हम उसे बहुत प्यार करते थे पर हमारी मुश्किल यह है कि हम आदमी से नहीं लड़ सकते।

वैसे हम तुम्हारी मॉ को वापस लाने में तुम्हारी सहायता जरूर करेंगे। पर इससे ज़्यादा और कुछ नहीं कर पायेंगे। तुम घर जाओ और अपने सिपाही इकट्ठा कर के इन्तजार करो कि हम कैसे तुम्हारी सहायता करते हैं।"

अकानो ने ऐसा ही किया। वह अपने गॉव वापस चला गया और जानवरों की सहायता का इन्तजार करने लगा।

उसने देखा कि सब जानवरों ने दूसरे गॉव को घेर लिया। वे उनसे लड़े नहीं। घास खाने वाले जानवरों ने उनकी सारी खेती खा डाली।

जब उस गॉव से आदमी फसल लेने आये तो मॉसाहारी जानवरों ने उनको खा लिया और रेंगने वाले जानवरों ने भी उनके ऊपर हमला किया।

धीरे धीरे उनका सारा खाना खत्म हो गया और उनको शान्ति के लिये अकानो की मॉ को छोड़ना ही पड़ा। अकानो की मॉ वापस आ गयी और फिर अपने बेटे के साथ बहुत दिनों तक सुख से रही।

16 एक लड़की जिसने एक खोपड़ी से शादी की[101]

ऐफियोंग एडेम कोभम शहर[102] का रहने वाला था। उसके एक बहुत ही सुन्दर बेटी थी जिसका नाम था अफियोंग[103]। देश के सारे नौजवान उसकी सुन्दरता की वजह से उससे शादी करना चाहते थे पर उसने अपने माता पिता के कहने के बावजूद उन सब नौजवानों को मना कर दिया था।

वह बहुत ही जिद्दी किस्म की लड़की थी उसका कहना था कि वह देश के किसी ऐसे नौजवान से शादी करेगी जो सबसे सुन्दर हो, जवान हो और उसे ठीक से प्यार करे।

बहुत सारे लोग जिनसे उसके माता पिता उसकी शादी करना चाहते थे वे सब उससे उम्र में काफी बड़े थे और देखने में सुन्दर भी नहीं थे। इसलिये वह अपने माता पिता को उन सबके लिये मना करती रही। उसके माता पिता उसकी इस हरकत से बहुत दुखी और परेशान थे।

एक खोपड़ी जो आत्माओं की दुनियाँ में रहती थी उसने भी इस सुन्दर कुँआरी कैलेबार लड़की के बारे में

[101] The Disobedient Daughter Who Married a Skull (Tale No 8) – a folktale from Southern Nigeria, Africa. Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book is available from : hindifolktales@gmail.com

[102] Effiong Edem of Cobham town

[103] Afiong is the name of the daughter of Effiong Edem

सुना तो उसने सोचा कि उसको वहाँ जाना चाहिये और उसको अपने काबू में कर लेना चाहिये।

सो वह अपनी साथिन आत्माओं के पास गयी और उनसे उनके शरीरों के सबसे सुन्दर हिस्से लिये। एक से उसने बहुत अच्छा सिर लिया, दूसरे से शरीर लिया, तीसरे से मजबूत बाँहें लीं, चौथे ने उसको सुन्दर टाँगें दीं।

जब उसने एक आदमी के शरीर को जिन जिन हिस्सों की जरूरत होती है वे सब उनसे ले लिये तो वह एक बहुत ही सुन्दर नौजवान बन कर कोभम के बाजार में गया।

वहाँ उसको अफियोंग दिखायी दे गयी तो उसने अपने मन में उसकी सुन्दरता की बहुत तारीफ की कि वाकई वह बहुत सुन्दर लड़की थी।

उन्हीं दिनों अफियोंग ने भी सुना कि शहर में एक बहुत ही सुन्दर नौजवान आया हुआ है जो उसके शहर के सभी नौजवानों से काफी अलग है। सो एक दिन वह बाजार गयी और उस खोपड़ी को उसकी उधार ली हुई सुन्दर शक्ल में देखा।

उसको देखते ही वह उससे प्यार करने लगी और उसको उसने अपने घर आने की दावत दी। खोपड़ी तो यह सुन कर बहुत ही खुश हो गयी और उसके साथ उसके घर चल दी।

घर ले जा कर अफियोंग ने उसको अपने माता पिता से मिलवाया और खोपड़ी ने तुरन्त ही उनसे अफियोंग से शादी करने की इजाज़त चाही।

पहले तो अफियोंग के माता पिता ने एक अजनबी से अफियोंग की शादी करने से इनकार कर दिया पर फिर अपनी बेटी की पसन्द देखते हुए वे राजी हो गये।

वह खोपड़ी अफियोंग और उसके माता पिता के साथ उसके घर में दो दिन रही फिर उसने उसके माता पिता से कहा कि अब वह अपने घर जाना चाहती थी जो वहाँ से बहुत दूर था।

लड़की तो इस बात के लिये तुरन्त ही तैयार हो गयी क्योंकि वह एक अच्छा लड़का था पर उसके माता पिता की इच्छा अपनी लड़की को इस तरह भेजने की नहीं थी।

पर जैसा कि तुम्हें मालूम है कि वह लड़की बहुत जिद्दी थी सो वह अपने माता पिता का कहना न मान कर उसके साथ चल दी।

जब उन दोनों को गये हुए कुछ दिन हो गये और उन लोगों की कोई खबर नहीं मिली तो एफियोंग एक जू जू करने वाले[104] के पास गया और उससे अपनी बेटी के बारे में कुछ बताने के लिये कहा।

अपनी कौड़ियों[105] से काफी सारे दॉव फेंकने के बाद उसने एफियोंग को बताया कि वह लड़का आत्माओं

[104] Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody – Jaadoo Tonaa.

[105] Translated for the word “Cowries”. They are the sea shells. See their picture above.

की दुनियॉ से आया था और उसकी बेटी को ले गया है। अब उसकी बेटी यकीनन मारी जायेगी सो वे उसका दुख मनाना शुरू कर दें।

उधर कई दिनों तक चलने के बाद अफियोंग और उसके पति ने इस दुनियॉ और आत्माओं की दुनियॉ के बीच की सीमा पार की।

जैसे ही वे आत्माओं की दुनियॉ में पहुँचे टॉग वाली आत्मा खोपड़ी से अपनी टॉग मॉगने आ गयी, सिर वाली आत्मा ने अपना सिर मॉगा और शरीर वाली आत्मा ने अपना शरीर।

इस तरह से मॉगा हुआ सब कुछ दे देने के बाद वह खोपड़ी अकेली अपने असली भद्दे रूप में खड़ी रह गयी।

यह देख कर अफियोंग तो सकते में आ गयी। उसका मन घर भागने को करने लगा मगर उस खोपड़ी ने उसको वहॉ से जाने ही नहीं दिया और उसको अपने साथ चलने का हुक्म दिया। सो अफियोंग को उसके साथ ही जाना पड़ा।

जब वे खोपड़ी के घर आये तो अफियोंग खोपड़ी की मॉ से मिली। उसकी मॉ बहुत बूढ़ी थी और कोई काम करना तो दूर वह तो हिल भी नहीं सकती थी।

अफियोंग से उसकी जितनी सहायता उससे हो सकती उसने उसकी उतनी सहायता की। उसका खाना बनाया, आग जलाने के लिये लकड़ी लायी, पानी भर कर ला कर दिया। वह बुढ़िया इस

सबसे बहुत खुश हुई और जल्दी ही अफियोंग को बहुत चाहने लगी।

एक दिन वह अफियोंग से बोली कि वह उसके लिये बहुत दुखी थी क्योंकि उसके देश में तो सारे लोग आदमी खाने वाले थे। अगर किसी को पता चला कि उनके देश में कोई आदमी है तो वे तुरन्त ही आ जायेंगे और उसे मार कर खा जायेंगे।

अब क्योंकि अफियोंग ने उसकी बहुत सेवा की थी और वह उससे खुश भी बहुत थी तो उसने अफियोंग को अपने घर में छिपा लिया और उससे वायदा किया कि अगर आगे से वह अपने माता पिता का कहना मानेगी तो उससे जितनी जल्दी हो सकेगा वह उसको उसके देश वापस भेजने की कोशिश करेगी।

अफियोंग ने उससे वायदा किया कि वह आगे से अपने माता पिता का कहना मानेगी। सो उस खोपड़ी की माँ ने एक मकड़े को बुलाया जो बहुत ही अच्छे बाल बनाता था।

उसने उससे अफियोंग के बहुत ही बढ़िया बाल बनाने को कहा। उसने फिर उसको पहनने के लिये बहुत सुन्दर सी पाजेब[106] दीं और कुछ और गहने भी पहनने के लिये दिये। फिर उसने एक जू जू बना कर उसको पहनाया और हवा को उसे उसके देश ले जाने के लिये कहा।

106 Translated for the word "Anklets". This ornament is worn on the foot and is very common in India. See its picture and the way it is worn above.

पहले एक बहुत तेज़ तूफान आया, फिर गरज आया, फिर बिजली आयी और फिर बारिश आयी पर खोपड़ी की माँ ने सबको वापस भेज दिया क्योंकि वे सभी अफियोंग को उसके घर ले जाने के लिये ठीक नहीं थे।

सबसे बाद में जब ठंडी खुशबूदार मन्द बहने वाली हवा आयी तो खोपड़ी की माँ ने उसको अफियोंग को उसके घर ले जाने के लिये ठीक समझा सो उसने उसको अफियोंग को उसके घर छोड़ कर आने के लिये कहा और अफियोंग को विदा दी।

तुरन्त ही उस हवा ने अफियोंग को उसके घर के बाहर छोड़ दिया और वापस आ गयी।

जब अफियोंग के माता पिता ने अपनी बेटी को देखा तो वे तो खुशी से पागल से हो गये क्योंकि कुछ महीनों से तो उन्होंने उसके मिलने की उम्मीद बिल्कुल ही छोड़ दी थी।

उसके मिलने की खुशी में उसके पिता ने जहाँ वह खड़ी थी वहाँ से घर के दरवाजे तक उसके चलने के लिये मुलायम खालें बिछा दीं ताकि उसकी बेटी के पैर जमीन पर चलने से गन्दे न हों।

अफियोंग उन खालों पर चल कर घर तक आयी। उसके पिता ने तब उसकी सब सहेलियों को गाने नाचने और दावत के लिये बुलाया और यह सब आठ दिन तक दिन रात चला।

जब यह सब खत्म हो गया तो अफियोंग के पिता ने सारा मामला जा कर शहर के सरदार को बताया। सब कुछ सुनने के बाद

सरदार ने यह कानून बना दिया कि कोई भी माता पिता अपनी बेटी की शादी किसी अजनबी से नहीं करेंगे।

अफियोंग के पिता ने फिर उससे अपने एक दोस्त से शादी करने के लिये कहा और अफियोंग राजी हो गयी। वे दोनों बहुत दिनों तक खुशी खुशी रहे। उनके कई बच्चे भी हुए।

17 बेसहारा लड़का और जादू का पत्थर[107]

इंडे के सरदार इंकीटा का एक बेटा था अयोंग कीटा[108]। उसकी माँ उसको जन्म देने के बाद ही मर गयी थी और यह सरदार एक शिकारी था सो जब भी वह शिकार के लिये जंगल जाता वह अपने बेटे को भी अपने साथ ही ले जाता।

वह अपना शिकार अधिकतर लम्बी लम्बी घास में करता था और इस लम्बी घास की इंडे शहर के आस पास खूब लगी हुई थी। इस लम्बी घास की वहाँ कोई कमी नहीं थी। सूखे के मौसम में उसको इस लम्बी घास में काफी जंगली बतखें[109] मिल जाया करती थीं।

उन दिनों लोगों के पास बन्दूक तो होती नहीं थी तो वे अपने सारे शिकार तीर कमान से ही किया करते थे। और तीर कमान चलाने के लिये काफी होशियारी की जरूरत होती थी।

जब इंकीटा का बेटा कुछ बड़ा हो गया तो उसने उसको भी एक छोटा सी कमान और कुछ छोटे तीर ला कर दे दिये और उसको निशाना लगाना सिखाने लगा। वह लड़का सीखने में बहुत तेज़ था सो वह जल्दी ही निशाना लगाना सीखने लगा।

---

[107] The Orphan Boy and the Magic Stone (Tale No 33) – a folktale of Southern Nigeria, Africa. Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book is available from : hindifolktales@gmail.com

[108] A Chief of Inde named Inkita had a son named Ayong Kita.

[109] Translated for the words "Bush bucks"

वह छिपकलियों और चिड़ियों को अपना निशाना बनाते बनाते अपने छोटे से तीर कमान के इस्तेमाल में इतना होशियार हो गया कि उसका निशाना कभी खाली नहीं जाता था।

वह जब भी तीर चलाता वह उस जानवर को जा कर जरूर लगता जिसको वह मारना चाहता था।

जब वह लड़का दस साल का हो गया तो उसका पिता भी मर गया और इस तरह वह अपने पिता के घर का सरदार बन गया। अब उसके पिता के सारे दास उसके अपने थे।

पर उसके दास उससे खुश नहीं थे इसलिये वे उसको मारना चाहते थे सो वह उनके डर के मारे जंगल भाग गया। जंगल में उसको कुछ खाने को नहीं मिला सो कई दिन तक वह केवल वे ही पाम की गिरी खा कर ज़िन्दा रहा जो पेड़ से गिर जाती थीं।

और क्योंकि वह अभी बहुत छोटा था इसलिये वह बड़े जानवर भी नहीं मार सकता था। और क्योंकि उसका तीर कमान भी बहुत छोटा था इसलिये भी वह केवल छोटे छोटे जानवर ही मार पाता था जैसे गिलहरी, जंगली चूहे, छोटी छोटी चिड़ियाँ।

इसी तरह से वह वहाँ रह रहा था।

एक रात को जब वह एक पेड़ के खोखले तने में सो रहा था तो उसने एक सपना देखा जिसमें उसने अपने पिता को देखा। उसके पिता ने उसको एक जगह बतायी जहाँ काफी बड़ा खजाना

गड़ा हुआ था। लेकिन वह क्योंकि अभी बहुत छोटा था इसलिये डर के मारे वहॉ नहीं गया।

उस सपने को देखने के कुछ ही दिन बाद की बात है कि वह चलते चलते बहुत दूर निकल गया। उसको प्यास भी लग आयी। पास में ही उसको एक झील दिखायी दी।

वह उसमें से पानी पीने ही वाला था कि उसको स्स्स्स्स्स्स की आवाज सुनायी पड़ी और किसी आवाज ने उससे उस झील का पानी न पीने को कहा।

उसने चारों तरफ इधर उधर देखा तो उसे कोई दिखायी नहीं दिया तो वह वहॉ से डर के मारे बिना पानी पिये ही भाग गया।

अगले दिन सुबह सवेरे वह अपना तीर कमान ले कर छोटे मोटे जानवर मारने चल दिया तो रास्ते में उसको एक लम्बे बालों वाली बुढ़िया मिली।

वह बुढ़िया इतनी बदसूरत थी कि पहले तो उसको लगा कि वह कोई जादूगरनी[110] है सो वह वहॉ से भागा तो उसने उसे रोका और कहा कि वह उससे डरे नहीं वह तो उसकी सहायता करना चाहती है ताकि वह अपने मरे हुए पिता के घर पर फिर से राज कर सके।

---

[110] Translated for the word “Witch”

उसने उसको यह भी बताया कि उस झील पर भी वही थी जिसने उसे पानी पीने से मना किया था क्योंकि उस झील के पानी में बुरा जू जू[111] था जो उसको मार देता।

वह बुढ़िया तब अयोंग को एक नाले पर ले गयी जो उस झील से कुछ दूरी पर था। वहाँ उसने झुक कर पानी में से एक चमकीला पत्थर उठाया और अयोंग को दे दिया और साथ में उसको सलाह दी कि जो जगह उसके पिता ने उसको सपने में बतायी थी वह वहाँ जाये और उस खजाने का मालिक बने।

फिर वह बोली कि जब वह वहाँ पहुँच जाये तो वह वहाँ जा कर खुदायी करे। उसको वहाँ बहुत सारा पैसा मिलेगा। उस पैसे से वह दो बहुत ताकतवर दास खरीदे। फिर उनको शहर से दूर जंगल में ले जाये और वहाँ उनसे अपने लिये बहुत सारे कमरों वाला एक घर बनवाये।

उन बहुत सारे कमरों में से एक कमरे में वह यह पत्थर रख दे और फिर जब भी उसको कोई चीज़ चाहिये तो उस कमरे में जा कर इस पत्थर से कहे कि मुझे यह चाहिये और वह चीज़ उसे मिल जायेगी।

[111] Ju Ju is a kind of magic or Black magic – this is very common in Nigeria. Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody – Jaadoo Tonaa. In Nigeria Ju Ju are the gods also who can grant the wishes, curse the people, or abduct the people.

अयोंग ने वैसा ही किया जैसा कि उस बुढ़िया ने उससे करने के लिये कहा था। बड़ी मुश्किल के बाद वह दो दास खरीद सका और उनसे जंगल में अपने लिये बहुत बड़ा घर बनवा सका। वह पत्थर भी उसने उस घर के एक कमरे में रख दिया।

काफी दिनों तक जब भी उसको कोई चीज़ चाहिये होती थी वह उस कमरे में जाता, उस पत्थर से डंडियाँ[112] माँगता और उन डंडियों से वे अपनी मनचाही चीज़ें तुरन्त खरीद लेता।

यह सब बहुत सालों तक चलता रहा। अयोंग अब बड़ा हो गया था, खूब अमीर हो गया था, उसने बहुत सारे और दास भी खरीद लिये थे।

उसने अरो लोगों[113] से दोस्ती कर ली थी जो दासों के खरीदने बेचने का काम करते थे। दस साल बाद अयोंग का शहर बहुत बड़ा हो गया, अब उसके पास बहुत सारे दास हो गये।

एक रात वह बुढ़िया उसके सपने में आयी और बोली कि उसने सोचा है कि वह अब काफी अमीर हो गया है और अब उसको उस पत्थर की जरूरत नहीं है सो अब वह पत्थर उसको उस नाले को वापस कर देना चाहिये जहाँ से वह उसे ले कर आया था।

अयोंग हालाँकि बहुत अमीर था पर वह अपने पिता के घर पर राज करना चाहता था पूरे इंडे देश का सरदार बनना चाहता था।

---

[112] Translated for the word "Rods" – maybe it was the currency in use in Nigeria in those times
[113] Aro people

सो उसने अपने देश के सारे जू जू आदमी[114] और दो जादूगरों[115] को बुला भेजा और अपने सारे दासों को ले कर अपने पिता के शहर चल दिया।

चलने से पहले उसने जू जू आदमियों और जादूगरों के साथ एक मीटिंग की और उनसे कहा कि वे उस दास को उसे बता दें जो उसको न चाहता हो कि वह कौन सा दास है जो उसको पसन्द नहीं करता और फिर जब वह राजा बन जाये तो वे उस दास को मार दें।

जू जू आदमियों ने अपनी एक मीटिंग की और सोच कर उसको बताया कि उसके उन दासों में से पचास दास ऐसे थे जो शैतान[116] थे और अयोंग को मार सकते थे।

अयोंग ने तुरन्त ही उनको बन्दी बना लिया और उनको ऐसेरे बीन्स[117] से जॉचा कि वे शैतान थे कि नहीं। क्योंकि उन्होंने वे बीन्स उगली नहीं थीं इसलिये वे सब मर गये। इसका मतलब वे सब शैतान थे। उन सबको तुरन्त ही दफ़ना दिया गया।

जब बाकी बचे दासों ने यह देखा तो वे अयोंग के पास आये और उससे माफी मॉगी और उसकी वफादारी से सेवा करने का वायदा किया।

---

[114] Translated for the words “Ju Ju men” – who do black magic

[115] Translated for the word “Wizards”

[116] Satan or male witches

[117] Esere Beans – these Esere beans are prepared by way of poisoning them to test the Satanic characteristics of a person. They are fed to the person concerned. If the person eats these beans and he is Satan, he dies but if he spits them he is clean. These beans are called Esere beans.

हालॉकि उन पचास आदमियों को दफ़नाया जा चुका था फिर भी उनको कब्र में भी चैन नहीं था और उन्होंने अयोंग को बहुत परेशान किया। अयोंग बेचारा बहुत बीमार पड़ गया।

सो उसने फिर से उन जू जू आदमियों को बुलाया और उनसे पूछा कि वह इतना बीमार क्यों है तो उन्होंने बताया कि हालॉकि वे पचास आदमी मर गये थे और उनको दफ़ना दिया गया है फिर भी वे इतने ताकतवर हैं कि वे रात को निकल आने की ताकत रखते हैं और वे ही उसका खून पी रहे हैं। यही उसकी बीमारी की वजह है।

फिर उन्होंने कहा कि हम लोग केवल तीन जू जू आदमी है हमें सात जू जू आदमी और चाहिये ताकि हमारा जादुई नम्बर दस हो जाये और हम अपने जादू में सफल हो जायें।

फिर वे उस जगह आये जहॉ उन पचास शैतानों को दफ़नाया गया था। उन्होंने जब उनके शरीरों को कब्र में से निकाला तो उन्होंने पाया कि उनकी लाशें तो बिल्कुल ताजा थीं ज़रा भी खराब नहीं हुई थीं।

तब अयोंग ने आग जलायी और उन सबके शरीरों को एक एक कर के उस आग में जला दिया और जू जू आदमियों को बहुत कुछ दिया।

उसके बाद तो वह बहुत जल्दी ठीक हो गया। उसने अपने पिता के शहर को अपने कब्जे में ले लिया और फिर सारे देश पर राज किया।

उस दिन से जब भी किसी को शैतान कहा जाता है तो उसको ऐसेरे बीन्स से जॉचा जाता है। अगर वह बीन्स उगल देता है तो वह मरता नहीं है और शैतान नहीं होता पर अगर वह बीन्स नहीं उगलता तो इसका मतलब होता है कि वह शैतान है और वह बड़ी तकलीफ से मरता है।

18 जादू का ढोल[118]

बहुत साल पुरानी बात है कि अफ्रीका के नाइजीरिया देश में एक राजा राज करता था जिसका नाम था ओबिओमा[119]। ओबिओमा का मतलब होता है दयालु।

एक बार वह राजा बहुत बीमार पड़ा। इतना बीमार कि लोगों को लगा कि वह मरने वाला था। लोग यह देख कर बहुत दुखी हुए।

पर एक दिन उसको सपने में एक आवाज सुनायी दी — "ओ राजा ओबिओमा, क्योंकि ज़िन्दगी भर तुम सबके लिये बहुत दयालु रहे हो इसलिये मैं तुम्हारी ज़िन्दगी तुमको बख्शता हूँ और तुमको एक चीज़ देता हूँ।

तुम्हारे अपने कमरे के एक कोने में एक जादू का ढोल रखा है। तुम उससे जो कुछ भी मॉगोगे वह तुमको देगा पर तुम उस ढोल को कभी धोना नहीं।"

सुबह को जब राजा उठा तो सीधा अपने कमरे में गया तो देखा तो वाकई उस कमरे के एक कोने में एक छोटा सा ढोल रखा हुआ

---

[118] The Magic Drum – an Igbo folktale from Nigeria, Africa.
Adapted from the Book : "The Orphan Girl and the Other Stories", by Offodile Buchi. 2001. Hindi translation of this book is available from hindifolktales@gmail.com in e-book form free of charge.

[119] Obioma – the name of the Nigerian King

था। उसने उस ढोल को अपने गले में लटकाया और कमरे से बाहर निकल आया।

उसको वह ढोल बहुत अच्छा लगा। वह ढोल चमड़े का बना हुआ था। उस समय क्योंकि खाने की बहुत कमी थी सो उसने ढोल से खाना माँगा। उसने उसको एक होशियार ढोल बजाने वाले की तरह से बजाया और गाया —

पाम पुटु, पाम पुटु, ओ मेरे जादू के ढोल
पाम पुटु, पाम पुटु, मुझे खाना दे, पानी दे, जो स्वादिष्ट हो

तुरन्त ही उस ढोल से बहुत सारा स्वादिष्ट खाना और शराब प्रगट हो गयी। राजा और उसके आदमियों ने वह खाना खूब पेट भर कर खाया।

एक दिन दूसरे गाँव के लोगों ने राजा ओबिओमा पर हमला कर दिया। उनके सिपाहियों के पास भाले और तीर थे। उनके चेहरे लाल स्याही से रंगे हुए थे और उनकी आँखों के चारों तरफ सफेद चौक से घेरे बने हुए थे।

उनके कमान्डर ने हाथी की शक्ल का चेहरा पहना हुआ था। बाकी सिपाहियों ने शुतुरमुर्ग और सफेद तोते[120] के पंख लगे टोप पहने हुए थे और वे सब लड़ाई के गाने गाते हुए चले आ रहे थे —

उनको हिला दो, दुश्मनों को हिला दो
उनको रौंद दो कुचल दो, दुश्मन को कुचल दो

---

[120] Translated for the word "Cockatoo"

राजा ओबिओमा ने उनके लड़ाई के गीत सुने तो अपना जादू का ढोल बजा दिया। इससे वह सारी जगह ऐसे बढ़िया बढ़िया स्वादिष्ट खानों से भर गयी जैसे कभी उन दुश्मनों ने देखे भी नहीं थे। उन्होंने अपने भाले और तीर तो फेंक दिये और खाना खाने बैठ गये।

जब उन्होंने खाना खा लिया तो उन्होंने राजा ओबिओमा को उस स्वादिष्ट खाने के लिये धन्यवाद दिया और बिना लड़े ही अपने गॉव वापस चले गये।

हर आदमी और जानवर राजा के इस जादू के ढोल को लेना चाहता था पर राजा इसकी बड़ी सावधानी से रक्षा करता था।

पर कछुआ चुप नहीं बैठा। उसको तो राजा का वह ढोल चाहिये था सो उसने राजा से उस ढोल को लेने की एक तरकीब सोची।

उसको मालूम था कि नदी के किनारे राजा की पत्नी और बेटी अक्सर नहाने और पानी भरने आया करती थीं। सो वह रोज सबेरे सबेरे उस नदी के किनारे वाले पाम के पेड़ पर चढ़ जाता और वहॉ बैठ कर उनके आने का इन्तज़ार करता।

एक दिन रानी और राजकुमारी नदी पर नहाने आयीं। नहा कर राजकुमारी नदी के किनारे खड़ी ठंडी हवा का आनन्द ले रही थी

और कछुआ पाम के पेड़ की चोटी पर बैठा पाम की गिरी[121] तोड़ रहा था। धीरे से उसने पाम की एक गिरी उस लड़की के पैरों के पास गिरा दी।

उस गिरी को देख कर वह लड़की चिल्लायी — "माँ, देखो यह पाम की गिरी जो मैं बहुत दिनों से खाना चाह रही थी आज मेरे पैरों के पास आ गिरी है।

इसको मैं तबसे देख रही हूँ जब मैं नहा रही थी। मुझे लगता है कि मेरी नजरों ने इसको पेड़ से तोड़ कर नीचे गिरा दिया है। मैं खा लूँ इसे?"

माँ बोली — "हाँ हाँ, खा ले पर पहले इसको धो ले। लगता है कि आज तेरी किस्मत अच्छी है इसी लिये कुछ देर पहले तेरे दाहिने हाथ की हथेली भी खुजा रही थी।"

राजकुमारी बोली — "तब तो मुझे आज कुछ और भी मिलना चाहिये। है न?"

जैसे ही राजकुमारी ने वह पाम की गिरी धो कर खायी कछुआ पाम के पेड़ से नीचे उतर आया और बोला — "कहाँ है मेरी पाम की गिरी? मेरी पाम की गिरी मुझे दो। वह पाम की गिरी तो मेरी थी।"

[121] Palm Nut – from the palm tree. See their picture above. It is a very popular food in West African countries

राजकुमारी बोली — “वह तो मेरे पेट में है। और वह तो बहुत ही स्वाद थी।”

कछुआ रोते हुए बोला — “नहीं। तुमने मेरी पाम की गिरी चुरायी है। वह तो मैंने अपने परिवार के खाने के लिये तोड़ी थी। मैं क्या पाम के पेड़ पर तुम्हारे खाने के लिये पाम की गिरी तोड़ने के लिये चढ़ता और अपनी मौत को दावत देता?”

राजकुमारी ने अपनी सफाई दी — “पर मैंने जब यह गिरी उठायी थी तो मुझे यह नहीं पता था कि यह गिरी तुम्हारी है।”

रानी बोली — “ओ अजनबी कछुए, इसमें कोई नुकसान नहीं है। मेरे पति राजा हैं। वह तुमको इस पाम की गिरी के बदले में जो कुछ भी तुम चाहोगे वह तुम्हें दे देंगे। मेरी बेटी को पता नहीं था कि यह पाम की गिरी तुम्हारी है।”

कछुआ बोला — “हॉ यह ठीक है। चलो राजा के पास चलते हैं। मुझे यकीन है कि वह जान जायेगा कि इतने मुश्किल के दिनों में अपने पड़ोसियों की चीज़ें चुराना कितना बड़ा जुर्म है।

और यह कानून तो उसने अपने हाथ से खुद लिखा है। आज उसके अपने परिवार ने इस कानून को तोड़ा है। कोई भी परिवार इस कानून को नहीं तोड़ सकता है। देखते हैं कि यह कानून केवल गरीब लोगों के लिये ही है या फिर देश में सबके लिये है।”

सो वे सब राजा के पास पहुँचे। वहॉ पहुँचने पर कछुए ने राजा को बताया कि राजकुमारी ने उसकी पाम की गिरी चुरा ली है।

दयालु और ईमानदार आदमी होने के नाते राजा यह पक्का कर लेना चाहता था कि कछुए को उसकी मुश्किलों का बदला ठीक से मिलना चाहिये सो उसने कछुए से उसकी पाम की गिरी की कीमत पूछी।

राजा बोला — "मुझे बहुत अफसोस है कि तुमको यह लगा कि राजकुमारी ने तुम्हारी पाम की गिरी चुरायी है। बोलो, मैं तुम्हारे नुकसान का बदला कैसे चुकाऊँ?

तुम्हें जानवर चाहिये, बकरियाँ चाहिये, सोने के सिक्के चाहिये, या खाना चहिये? मैं तुमको उसका सौ गुना वापस कर दूँगा। तुम बस यह बताओ कि तुमको क्या चाहिये।"

कछुआ बोला — "धन्यवाद राजा जी। मुझे केवल आपका जादू का ढोल चाहिये।"

यह सुन कर एक बार तो राजा के दिल की धड़कन रुक सी गयी और उसने कछुए की तरफ बुरी नजर से देखा भी पर क्योंकि वह एक राजा था और इज़्ज़तदार आदमी था और अपने वायदे के खिलाफ नहीं जा सकता था इसलिये उसने अपना जादू का ढोल उस कछुए को दे दिया।

कछुआ तो उस ढोल को ले कर बहुत खुश हो गया और मन ही मन में हँसा कि उसकी तरकीब काम कर गयी। उसने वह जादू का ढोल उठाया और घर चला गया।

घर पहुँच कर उसने अपने परिवार वालों को बुलाया और उनको बताया कि किस तरह से आज उसने राजा को चकमा दे कर उससे उसका यह जादू का ढोल ले लिया।

इसके बाद कछुए ने वह ढोल बजाया और गाया —

पाम पुट्ट, पाम पुट्ट, ओ मेरे जादू के ढोल
पाम पुट्ट, पाम पुट्ट, मुझे खाना दे, पानी दे, जो स्वादिष्ट हो

और उस ढोल में से बहुत तरह के बहुत सारे स्वादिष्ट खाने निकल पड़े। कछुए का पूरा घर बढ़िया बढ़िया खानों से भर गया। उसके पूरे परिवार ने उस दिन खाना ऐसे खाया जैसे पहले कभी खाया ही न हो। कछुए के परिवार को कछुए पर बहुत घमंड हो आया और वे सब उसकी बहुत तारीफ करने लगे।

इस तरह से उस जादू के ढोल की वजह से कछुए के घर में कई दिनों तक रोज दावत होती रही और वे सब कछुए की रोज ही तारीफ करते रहे।

पर कछुए के लिये यही सब काफी नहीं था। उसको तो यह सब तारीफ और आदर जंगल के सारे जानवरों से भी चाहिये था सो एक दिन उसने जंगल के सारे जानवरों को अपने घर दावत दी।

जंगल के जानवरों को कछुए के ऊपर बिल्कुल भी विश्वास नहीं था इसलिये उस दिन उसके यहाँ बहुत थोड़े से जानवर आये। जब वे सब अपनी अपनी जगह बैठ गये तो कछुआ अपने जादू के

ढोल के साथ बाहर आया और सबके बीच में बैठ कर अपना जादुई ढोल बजाना शुरू कर दिया।

सारा मैदान खाने की बहुत अच्छी अच्छी प्लेटों से भर गया। जानवर तो अपनी ऑखों पर और कछुए की दया पर विश्वास ही नहीं कर पाये और खाना खाते रहे। उसकी दया देख कर उनके दिल में भी कछुए के लिये प्यार उमड़ आया।

अब कछुआ अमीर था, दयालु था और जंगल में एक इ़ज़्ज़तदार जानवर था। दूसरे जानवरों ने अब उसको अपने घरों में बुलाना शुरू कर दिया था और वह अब उनमें काफी लोकप्रिय हो गया था।

कई महीनों तक कछुए ने सारे जानवरों को खूब खाना खिलाया और खूब शराब पिलायी। पर काफी दिनों के इस्तेमाल के बाद वह ढोल गन्दा हो गया सो वह उसको नदी पर धोने ले गया। वहॉ उसने उस ढोल को पानी से खूब मल मल कर धोया और घर ले आया।

शाम को जब वे सब खाना खाने बैठे तो उसने वह ढोल बजाना शुरू किया —

पाम पुटु, पाम पुटु, ओ मेरे जादू के ढोल
पाम पुटु, पाम पुटु, मुझे खाना दे, पानी दे, जो स्वादिष्ट हो

असल में जैसे ही कछुए ने वह ढोल धोया था उसका जादू टूट गया सो बजाय खाने के उस ढोल में से गुस्से में भरे लड़ने वालों का

एक झुंड निकल पड़ा। उन सभी ने अपनी लड़ने वाली पोशाक पहन रखी थी।

उन सभी के हाथों में बजाय तलवारों और तीर कमानों के गाय की पूँछ का एक एक कोड़ा था जो जब वे उसे मारने के लिये हवा में फटकारते थे तो वह बहुत ही डरावना शोर करता था।

बस निकलते ही उन्होंने सबको मारना शुरू कर दिया। उनकी मार इतनी ज़ोर की थी कि कुछ लोगों की पीठ से तो खून भी बहने लगा।

जब कछुए के परिवार वालों ने हिलना भी बन्द कर दिया तो वे समझे कि वे मर गये और वे सब उस जादू के ढोल में जा कर गायब हो गये।

अगले दिन सुबह जा कर कछुए के परिवार को कहीं होश आया और उनके घाव आदि ठीक होने में तो कई हफ्ते लग गये। उसकी पत्नी ने गरम पानी कर कर कर के सबके घाव धोये और घर की बनी दवा लगायी तब कहीं जा कर वे सब ठीक हुए।

कछुआ बोला — "पता नहीं उस ढोल में क्या गड़बड़ हुई।" एक बार फिर से पक्का करने के लिये कछुए ने उसे फिर से सावधानी से बजाया पर मगर फिर वही हुआ। वे लड़ने वाले फिर उसमें से निकल आये और उन सबको बड़ी बेरहमी से पीटा।

अब उसको विश्वास हो गया कि इस जादू के ढोल की जादुई ताकत खत्म हो चुकी थी सो उसके नीच दिमाग ने फिर एक चाल

खेली कि इस जादू के ढोल से केवल उसका परिवार ही क्यों पिटे। अगर जंगल के सारे जानवरों ने इसका आनन्द लूटा है तो वे इसकी मार भी सहें।"

सो कछुए ने एक बार फिर से जंगल के जानवरों को दावत के लिये बुलाया।

अब तक क्योंकि कछुए ने अपनी साख जानवरों में खूब जमा ली थी। इसके अलावा उसकी पहली दावत बहुत अच्छी रही थी तो इस बार जानवरों को बुलाने में उसको कोई तकलीफ नहीं हुई।

बल्कि पिछली बार जो जानवर नहीं आ पाये थे पिछली दावत की तारीफ सुन कर इस बार वे भी आ गये।

कुछ जानवरों ने तो कछुए की दावत खाने के लिये अपना नाश्ता भी नही खाया ताकि वे वहाँ अच्छी तरह से खा सकें। इस तरह वहाँ बहुत सारे जानवर आ गये।

कछुए ने अपने परिवार को उनकी सुरक्षा के लिये दूसरी जगह भेज दिया और एक जंगली चूहे को बुला कर उससे अपने लिये अपने घर से ले कर बाजार के मैदान तक एक बड़ी सी सुरंग खुदवा ली।

फिर वह अपना ढोल ले कर बाजार के मैदान के बीच में बैठ गया और जानवर उसके चारों तरफ बैठ गये। कछुए ने बन्दर से कहा — "मैं तुमको अपना ढोल पीटने के लिये देता हूँ। मैंने तो खाना खा लिया है। तुम लोगों का जब खाना हो जाये तो मुझे मेरा

ढोल वापस कर देना।" इतना कह कर कछुआ उस सुरंग में गायब हो गया।

बन्दर तो यह सुन कर बहुत ही खुश हो गया। उसने कछुए से वह ढोल ले लिया और उसको बजाना शुरू किया —

पाम पुट्ठ, पाम पुट्ठ, ओ मेरे जादू के ढोल
पाम पुट्ठ, पाम पुट्ठ, मुझे खाना दे, पानी दे, जो स्वादिष्ट हो

ढोल का बजना था कि उसमें से बहुत सारे गुस्से में भरे लड़ने वाले निकल पड़े और वहाँ बैठे जानवरों को मारने लगे। दावत का आनन्द लेने की बजाय सारे जानवर चीखने चिल्लाने लगे।

बाजार का मैदान लड़ाई का मैदान बन गया। सारे मैदान में सारे जानवर वहाँ से भागने के चक्कर में एक दूसरे के ऊपर गिरने पड़ने लगे।

कुछ जानवर बहुत भूखे थे और वे भागने के लिये बहुत थके हुए भी थे। जब कि हाथी जैसे बड़े जानवर दूसरे छोटे जानवरों को रौंद कर जा रहे थे, जैसे कि खरगोश। कुछ उन लड़ने वालों की मार से मर गये। जो भाग सकते थे वे कछुए को बुरा भला कहते हुए भाग गये।

जब उन लड़ने वालों ने देखा कि सारे जानवर मर गये तो वे भी ढोल में जा कर गायब हो गये।

जब सब कुछ शान्त हो गया तब कछुआ अपनी छिपी हुई जगह से निकल आया। उसने मरे हुए जानवरों को उठाया और अपने घर ले गया। उसने और उसके परिवार वालों ने उस दिन बहुत अच्छी तरह से खाना खाया।

अब उसे पूरा विश्वास हो गया था कि अब उस ढोल का काम खत्म हो गया था। कछुए ने निश्चय किया कि वह इस ढोल को अब राजा को वापस कर देगा।

इस बीच जादू के ढोल और उसमें से निकले लड़ने वालों की कहानियॉ चारों तरफ फैल चुकी थीं सो राजा भी अब कछुए के किसी भी दिन आने की उम्मीद कर रहा था।

राजा सोने के लिये लेटा हुआ था और कछुए के आ कर ढोल लौटाने के इन्तजार में था। वह सोच रहा था कि वह उस ढोल का अब क्या करेगा। तभी वही आवाज फिर आयी और बोली — "उसका जादू फिर से लाने के लिये तुम उसका जादू का गाना उलटा गाना।"

जैसा कि राजा ने सोचा था वैसा ही हुआ। सुबह सवेरे ही कछुआ राजा का ढोल ले कर राजा के महल में आ गया।

कछुआ बोला — "ओ राजा, यह रहा आपका ढोल। मैं बहुत ही न्यायप्रिय जीव हूॅ। मैंने सोचा कि मुझको यह ढोल हमेशा के लिये अपने पास नहीं रखना चाहिये क्योंकि इसकी जगह तो राजा के पास ही है। इसी लिये मैं इसे आपको वापस करने आया हूॅ।"

राजा बोला — “ठीक है। तुम बहुत ही न्यायप्रिय जीव लगते हो। धन्यवाद। पर जाने से पहले खाना तो खाते जाओ।”

कह कर उसने अपने हाथ ऊपर उठाये जैसे वह उस ढोल को बजाने के लिये उठा रहा हो।

यह देख कर पहले तो कछुआ डर के मारे अपने खोल में छिप गया पर जब उसने ढोल बजाने की कोई आवाज नहीं सुनी तो फिर उसने धीरे धीरे अपना सिर बाहर निकाला और अपने घर चला गया।

राजा भी हँसता हुआ अपने कमरे में गया। वहाँ उसने उसे बहुत धीरे से बजाया और उस जादू के गीत को उलटा गया।

पुटु पाम, पुटु पाम, ढोल जादू के ओ मेरे
पुटु पाम, पुट पाम, जो स्वादिष्ट हो पानी दे, खाना दे मुझे

उस दिन के बाद से उस ढोल में से राजा और उसके आदमियों के लिये फिर से बहुत सारा खाना निकलने लगा। राजा ओबिओमा लोगों पर फिर से और ज़्यादा अच्छी तरह से राज करने लगा।

उसकी दया के चरचे दूर पास सब जगह फैलने लगे। उसके दुश्मन अब उससे लड़ना नहीं चाहते थे और सब खुशी खुशी रहने लगे।

19 राजा का जादू का ढोल[122]

यह बहुत दिनों पुरानी बात है कि नाइजीरिया के कैलैबार[123] प्रदेश में ऐफ्रियाम ड्यूक[124] नाम का एक राजा राज करता था। वह बहुत ही शान्तिप्रिय राजा था और उसको लड़ाई बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती थी।

उसके पास जादू का एक ढोल था। वह जब भी उस ढोल को बजाता था तो उसमें से बहुत अच्छा अच्छा खाना और पीने के लिये शराब आदि निकलते थे। सो जब भी कोई राजा उस पर चढ़ाई करता था तो बजाय लड़ने के वह अपने दुश्मनों को बुलाता और अपना ढोल बजाता।

तुरन्त ही उन सबके सामने बड़ी बड़ी मेजें लग जाती और उन पर मजेदार स्वादिष्ट खाना और शराब आदि लग जाते – फू फू, मछली, सूप, पकाया हुआ याम[125], भिंडी, कई प्रकार की बीयर आदि आदि। यह सब देख कर उसके दुश्मनों की सेना बहुत ताज्जुब करती।

---

[122] The King's Magic Drum (Tale No 4) – a folktale from Southern Nigeria, Africa.
Adapted from the book : "Folktales From Southern Nigeria" by Elphinstone Dayrell. 1910. Hindi translation of this book is available from : hindifolktales@gmail.com

[123] Calabar is a city of Nigeria in its Cross River State

[124] Efriam Duke – name of the King of Calabar

[125] Yam is root tuber vegetable and is a very popular stable food of West African countries especially of Nigeria. See the picture of one of the cooked dish of yam.

दुश्मनों की सेना इतना अच्छा खाना खा कर बहुत खुश होती। सारे सैनिक सन्तुष्ट हो जाते क्योंकि उनका पेट भर जाता और वे बिना लड़े ही चले जाते। इस तरह वह राजा अपने दुश्मनों को भी खुश और दूर रखता था।

उस ढोल में बस एक ही कमी थी और वह यह कि यदि उसके मालिक का पैर सड़क पर पड़ी किसी लकड़ी की डंडी पर पड़ जाये या फिर किसी गिरे हुए पेड़ पर पड़ जाये तो उस ढोल से निकला हुआ सारा खाना खराब हो जाता था और तीन सौ ईबो[126] लोग डंडे ले कर प्रगट हो जाते थे और उस ढोल के मालिक और उससे निकला खाना खाने वालों को बहुत मारते थे।

ऐफ्रियाम ड्यूक एक बहुत अमीर आदमी था। उसके पास बहुत सारे खेत थे, सैंकड़ों गुलाम थे और समुद्र के किनारे एक बहुत बड़ा अन्न का गोदाम था।

उसके पास पाम के तेल के बहुत सारे डिब्बे थे। उसकी पचास पत्नियॉ थीं और उनसे उसके बहुत सारे बच्चे थे। उसकी सब पत्नियॉ बहुत अच्छी मॉएं थीं और वे अपने बच्चों को तन्दुरुस्त रखती थीं।

हर कुछ महीनों में राजा अपनी सब प्रजा को अपने घर बुलाता था और एक शानदार दावत देता था। यहॉ तक कि वह अपने राज्य के जंगली जानवरों को भी नहीं छोड़ता था – शेर, चीते,

---

[126] Igbo people are to maintain discipline

भालू, जंगली गायें, बारहसिंगे आदि आदि सभी जानवरों को वह उस दावत में बुलाता था।

उन दिनों जंगली जानवरों से आदमियों को कोई परेशानी नहीं होती थी क्योंकि सभी आपस में दोस्ती से रहते थे और कोई एक दूसरे को मारता नहीं था।

सारे लोग राजा के ढोल से जलते थे और उसको पाना चाहते थे पर राजा उस ढोल को किसी को देता नहीं था।

एक सुबह राजा की एक पत्नी ऐक्वोर एडेम[127] अपनी बेटी को एक खास झरने पर नहलाने के लिये ले जा रही थी क्योंकि उसके शरीर पर बहुत सारी फुन्सियाँ हो रहीं थीं।

उस झरने के पास पाम का एक पेड़ था और उस पेड़ के ऊपर एक कछुआ बैठा था। वह कछुआ वहाँ बैठा बैठा अपने दोपहर के खाने के लिये पाम की कुछ गिरी[128] तोड़ रहा था कि गिरी तोड़ते समय उसकी एक गिरी नीचे गिर गयी।

बच्ची ने जैसे ही पाम की गिरी जमीन पर देखी तो वह उसे खाने के लिये चिल्लायी। माँ को कुछ और नहीं सूझा तो उसने वह गिरी उठा कर बच्ची को दे दी।

[127] Ekwor Edem – name of the king's wife

[128] Translated for the words "Palm Nuts". See their picture above.

कछुआ ऊपर बैठा यह सब देख रहा था। वह तुरन्त ही पेड़ से नीचे उतरा और उस स्त्री से पूछा कि उसकी पाम की गिरी कहाँ है। माँ ने भोलेपन से जवाब दिया कि वह गिरी तो नीचे पड़ी थी सो मैंने उसे बच्ची को खाने के लिये दे दी।

यह कछुआ भी राजा का ढोल लेना चाहता था तो उसने सोचा कि यह अच्छा मौका है राजा के ढोल लेने का। वह इस बात को ले कर खूब हल्ला गुल्ला मचायेगा और राजा को उसका ढोल उसको देने पर मजबूर कर देगा।

यही सोच कर वह बच्ची की माँ से बोला — "मैं तो बहुत ही गरीब हूँ। बड़ी मुश्किल से मैं अपने और अपने परिवार के लिये खाना लाने के लिये पेड़ पर चढ़ कर पाम की कुछ गिरी तोड़ रहा था कि तुमने मेरी गिरी ले ली और अपनी बच्ची को दे दी।

अब मैं यह सब मामला जा कर राजा को बताता हूँ। जब वह यह सुनेगा कि उसकी पत्नी ने मेरा खाना चुराया है तब मैं देखता हूँ कि वह क्या कहता है।"

जब माँ अपनी बच्ची को झरने में नहला चुकी तो अपने साथ वह कछुए को भी अपने घर ले गयी और राजा को बताया कि उसके साथ क्या हुआ था।

राजा ने कछुए से पूछा कि वह अपनी गिरी के बदले में क्या लेगा – धन, कपड़े, पाम का तेल, अनाज? पर कछुए ने इन सबके लिये मना कर दिया।

राजा ने फिर कहा और जो भी कुछ तुमको चाहिये तुम वह मॉग लो मैं तुम्हें वही दे दूँगा।

अबकी बार कछुए ने तुरन्त राजा के ढोल की तरफ इशारा करते हुए कहा — "मुझे तो केवल आपका यह ढोल ही चाहिये।"

हालॉकि राजा कछुए को वह ढोल देना नहीं चाहता था पर उससे बहस से बचने के लिये राजा ने वह ढोल कछुए को दे दिया पर उसने उसे यह नहीं बताया कि उसकी क्या कमी थी – जैसे कि उसको सड़क पर पड़े किसी लकड़ी के डंडे पर या किसी गिरे हुए पेड़ पर पैर नहीं रखना चाहिये।

कछुआ खुशी खुशी घर चला गया और जा कर अपनी पत्नी को अपनी जीत की कहानी सुनायी।

उसने अपनी पत्नी से कहा — "मैं अब बहुत अमीर हो गया हूँ अब मुझे काम करने की कोई जरूरत नहीं है। मैं अब जब भी चाहूँ तभी खाना खा सकता हूँ। मुझे तो बस इस ढोल को बजाने की जरूरत है और यह ढोल मेरे सामने बहुत सारा खाना और शराब ला कर दे देगा।"

कछुए की पत्नी और बच्चे तो यह सुन कर बहुत ही खुश हुए और उन्होंने उससे उस ढोल को बजाने के लिये कहा ताकि वे सब खूब अच्छा अच्छा खाना खा सकें क्योंकि वे सभी भूखे थे।

कछुआ यह सुन कर ढोल बजाने के लिये तुरन्त ही राजी हो गया क्योंकि जो चीज़ वह ले कर आया था और जो अब उसकी अपनी थी उसका कमाल वह अपने परिवार को दिखाना चाहता था।

इसके अलावा वह खुद भी बहुत भूखा था सो उसने वह ढोल उसी तरीके से बजा दिया जैसे उसने राजा को दावत देने के समय बजाते देखा था।

जैसे ही कछुए ने ढोल बजाया वहाँ बहुत सारा स्वादिष्ट खाना प्रगट हो गया। कछुए का पूरा परिवार बैठ गया और उन सबने खूब पेट भर कर खाना खाया।

यह सब तीन दिन तक ठीक ठाक चलता रहा। उसके सारे बच्चे अच्छा और खूब खाना खा खा कर खूब मोटे हो गये।

अब इस सबको दिखाने के लिये कछुए ने सब आदमियों को, जानवरों को और राजा को भी दावत दी। जब सबको यह बुलावा मिला तो सब बहुत हँसे क्योंकि वे यह जानते थे कि कछुआ तो बहुत ही गरीब है वह इतने सब लोगों को खाना कैसे खिलायेगा। इस लिये बहुत ही थोड़े लोग उसके यहाँ आये।

पर राजा को तो मालूम था कि कछुए के पास ढोल है और वह कितनी भी बड़ी दावत दे सकता है इसलिये राजा उसके यहाँ आया।

जैसे ही कछुए ने ढोल बजाया बहुत सारा मजेदार खाना हाजिर हो गया और सारे लोगों ने खूब खाना खाया।

वे सब यह देख कर हैरान थे कि कछुए के पास इतना सारा खाना आया कहाँ से? जब वे खाना खा कर अपने घर चले गये तो उन्होंने अपने जानने वालों को भी बताया कि आज उन्होंने कछुए के घर कितना सारा और कितना अच्छा खाना खाया था। ऐसा खाना तो उन्होंने अपनी ज़िन्दगी में पहले कभी नहीं खाया था।

जो लोग कछुए के घर नहीं गये थे वे बहुत दुखी हुए कि वे इतना अच्छा खाना खाने क्यों नहीं गये क्योंकि इतना अच्छा मुफ्त का खाना रोज रोज थोड़े ही मिलता है।

अब इस दावत को देने के बाद कछुआ राज्य का सबसे अमीर आदमी हो गया था और अब सब उसकी बहुत इज़्ज़त करने लगे थे।

सिवाय राजा के किसी और को इस भेद का पता नहीं था कि कछुए ने यह दावत कैसे दी पर सबने यह सोच लिया कि अब यदि कछुआ उनको दावत पर बुलायेगा तो वे कभी भी ना नहीं करेंगे।

जब ढोल लिये हुए कछुए को कुछ हफ्ते बीत गये तो वह बहुत आलसी हो गया। अब वह कोई काम करने नहीं जाता था बल्कि हर समय अपनी अमीरी की ही शान बघारता रहता था। वह अब पीने भी बहुत लगा था।

एक दिन कछुआ दूर किसी खेत पर ताड़ी[129] पीने गया तो वहाँ वह अपना ढोल भी ले गया। वहाँ जा कर उसने बहुत ताड़ी पी।

[129] Translated for the word “Palm Wine”. It is a very common and popular drink of Nigeria.

पर जब वह घर लौट रहा था तो रास्ते में पड़ी एक डंडी पर उसका पैर पड़ गया।

डंडी पर पैर पड़ते ही उस ढोल का जू जू[130] तुरन्त ही टूट गया पर उसको इस बात का पता ही नहीं चला क्योंकि उसको तो यह सब कुछ मालूम ही नहीं था।

वह जब घर आया तो बहुत थका हुआ था। घर आ कर उसने वह ढोल एक कोने रख दिया और सोने चला गया। सुबह को जब वह उठा तो उसे बहुत भूख लगी थी। उसकी पत्नी और बच्चे भी खाने के लिये शोर मचा रहे थे सो तुरन्त ही उसने अपना ढोल बजाया।

पर यह क्या? बजाय खाने के वहाँ तो तीन सौ ईबो लोग डंडा ले कर आ गये और उन्होंने कछुए और उसके परिवार वालों को अपने डंडों से खूब पीटा।

यह देख कर कछुआ बहुत गुस्सा हुआ। उसने सोचा मैंने तो बहुत सारे लोगों को दावत के लिये बुलाया था पर बहुत कम लोग आये थे और हर एक को उस दावत में खूब पेट भर कर खाना मिला और जब मैंने केवल अपने परिवार के लिये खाना माँगा तो ये ईबो आ गये और इन्होंने हमें मारा।

---

[130] Ju Ju is a kind of magic or Black Magic in West Africa. In Hindi it is called “Jaadoo Tonaa”.

अब मैं सब लोगों को इसी तरह मारूँगा। क्योंकि इस ढोल की दावत तो सारे लोग उड़ायें और मार केवल मैं ही खाऊँ? यह नहीं हो सकता।

अगले दिन उसने फिर सबको शाम को तीन बजे दावत के लिये बुलाया। इस बार बहुत सारे लोग आये क्योंकि वे इतनी अच्छी दावत को खोना नहीं चाहते थे।

बीमार लोग, लँगड़े लोग, और अन्धे लोग भी आये पर राजा और उसकी पत्नियाँ नहीं आये क्योंकि राजा को पता चल गया था कि उसके ढोल का जू जू टूट चुका है इसलिये अब वहाँ खाने की बजाय मार मिलने वाली है।

जब सब लोग आ गये तो कछुए ने अपना ढोल बजाया और ढोल बजा कर जल्दी से एक बैन्च के नीचे छिप कर बैठ गया जहाँ उसको कोई नहीं देख सकता था। उसको तो मालूम था कि ढोल बजने पर क्या होने वाला है सो उसने अपनी पत्नी और बच्चों को भी पहले ही दूर भेज दिया।

जैसे ही उसने ढोल बजाया तीन सौ ईबो लोग डंडा लिये प्रगट हो गये और उन्होंने सब मेहमानों को मारना शुरू कर दिया। कोई भी मेहमान भाग नहीं सका क्योंकि कछुए ने अपने घर के आँगन के दरवाजे पहले से ही बन्द कर दिये थे।

यह पिटाई करीब दो घंटे तक चलती रही। बहुत सारे लोग तो इतने अधिक घायल हो गये थे कि दूसरे लोग उनको उठा उठा कर ले गये।

एक चीता ही था जो इस पिटाई से बचा रहा क्योंकि जैसे ही उसने ईबो लोगों को देखा वह समझ गया कि अब यहाँ कुछ गड़बड़ होने वाली है सो उसने एक ऊँची छलाँग लगायी और वह कछुए के घर के आँगन से बाहर कूद गया।

जब कछुआ सबकी पिटाई से सन्तुष्ट हो गया तब वह अपनी बैन्च के नीचे से बाहर निकला और उसने अपने घर के आँगन का दरवाजा खोला। तब सारे लोग बाहर निकले। फिर उसने ढोल को एक खास तरीके से बजाया तो वे सारे ईबो लोग गायब हो गये।

कछुए की इस तरह की दावत से सारे लोग कछुए से बहुत गुस्सा थे सो कछुए ने निश्चय किया कि वह अगले दिन वह ढोल राजा को वापस कर देगा। अगले दिन सुबह ही कछुए ने वह ढोल उठाया और राजा के महल की तरफ चल दिया।

राजा के महल में पहुँच कर वह राजा से बोला कि वह उस ढोल से सन्तुष्ट नहीं था और वह अपनी गिरी के बदले कुछ और लेना चाहता था।

अब उसको इस बात की कोई ज़्यादा फिक्र नहीं थी कि अब राजा उसे क्या देता है क्योंकि राजा की दी हुई पहली चीज़ की तो उसने पूरी कीमत वसूल कर ली थी।

अब वह अपनी गिरी के बदले में कुछ गुलाम या कुछ खेत या कुछ कपड़े या कुछ धन लेने के लिये भी तैयार था।

राजा ने उसे यह सब देने से इनकार कर दिया और क्योंकि राजा कछुए के लिये सचमुच ही बहुत दुखी था इसलिये उसने उसको जादू का एक फू फू[131] का पेड़ देने का विचार किया। कछुआ भी यह जादू का पेड़ लेने के लिये तुरन्त तैयार हो गया।

यह जादू का फू फू का पेड़ साल में फल तो एक बार ही देता था परन्तु फू फू और सूप रोज गिराता था।

उस पेड़ की शर्त यही थी कि कछुए को दिन में केवल एक बार ही यह फू फू और सूप उस पेड़ के नीचे से पूरे दिन के लिये इकट्ठा करना होता था। वह दोबारा उसी दिन फू फू और सूप इकट्ठा करने नहीं आ सकता था।

कछुए ने राजा को उसकी दया के लिये धन्यवाद दिया, फू फू का वह पेड़ लिया और घर चला गया।

उसने अपनी पत्नी को बुलाया और उससे एक कैलेबाश[132] लाने के लिये कहा। उस दिन कछुए ने दिन भर के लिये काफी फू फू और सूप इकट्ठा कर लिया और वे सब उस खाने से बहुत खुश थे। खुशी खुशी वे सब पेट भर कर खाना खा कर सो गये।

---

[131] Foo Foo is a kind of Nigeran food

[132] Calabash is the dry cover of a pumpkin like fruit which can be used to keep dry or wet things. It looks like Indian clay pitcher. See its picture above.

लेकिन कछुए के बच्चों में से उसका एक लड़का बहुत लालची था। वह रात भर यही सोचता रहा कि उसका पिता यह सब अच्छी अच्छी चीज़ें लाता कहाँ से है।

सो सुबह उठते ही उसने अपने पिता से पूछा — “पिता जी आप यह इतना अच्छा फू फू और सूप कहाँ से लाये?”

उसका पिता तो चुप रहा पर उसकी चालाक पत्नी बोली — “यदि हम अपने बच्चों को फू फू के पेड़ का भेद बता दें तो हमारे बच्चों को यदि ज़्यादा भूख लगी तो वे दोबारा उस पेड़ के पास चले जायेंगे और फू फू और सूप इकट्ठा कर लायेंगे। इससे उस पेड़ का जू जू टूट जायेगा।”

लेकिन उस लालची लड़के ने अपने लिये खूब सारा खाना लाने की सोची और अगले दिन वह अपने पिता के पीछे पीछे यह देखने के लिये गया कि उसका पिता कहाँ जाता है और क्या करता है।

हालाँकि यह काम ज़रा मुश्किल था क्योंकि उसका पिता अक्सर बाहर अकेला ही जाता था और बहुत ही होशियारी से यह देखते हुए जाता था कि कहीं कोई उसका पीछा तो नहीं कर रहा पर फिर भी कछुए के उस बेटे ने उसका पीछा करने की तरकीब निकाल ही ली।

उसने एक लम्बी गरदन वाला कैलेबाश लिया जिसमें दूसरी तरफ एक छेद था। उसमें उसने लकड़ी की राख भर ली।

उसने एक थैला भी ले लिया जैसा कि उसका पिता ले कर जाता था। थैले में उसने एक छेद कर लिया और राख भर कर उसने वह कैलेबाश उलटा कर यानी कैलेबाश की गरदन नीचे कर के उस थैले में रख लिया। ताकि जब उसका पिता उस पेड़ की तरफ जाये तो वह उसके पीछे पीछे राख बिखेरता जाये।

सो जब उसका पिता अपना थैला लटका कर खाना लेने के लिये चला तो उसके पीछे उसका लालची बेटा भी अपना कैलेबाश वाला थैला ले कर राख बिखेरता हुआ चला।

वह बहुत होशियारी से जा रहा था ताकि उसके पिता को ज़रा सा भी शक न हो जाये कि कोई उसका पीछा कर रहा था

आखिर कछुआ उस फू फू के पेड़ के पास आ पहुँचा। उसने अपने कैलेबाश उस पेड़ के नीचे रखे और दिन भर के लिये खाना इकट्ठा कर लिया।

उसका बेटा यह सब छिप कर देख रहा था। जब कछुए ने खाना अपना दिन भर का खाना इकट्ठा कर लिया तो वह घर की तरफ चल पड़ा। यह देख कर कछुए का बेटा भी वापस चल दिया। घर आ कर उसने दूसरों की तरह पेट भर कर खाना खाया और सो गया।

अगली सुबह उसने अपने कुछ भाइयों को साथ लिया और जब उसके पिता ने दिन भर का खाना इकट्ठा कर लिया तो वह अपने

भाइयों के साथ और अधिक खाना इकट्ठा करने के लिये उस पेड़ की तरफ चल दिया।

वहाँ जा कर उसने जैसे ही खाना इकट्ठा किया उस पेड़ का जू जू टूट गया और उसको दोबारा खाना नहीं मिल सका।

अगले दिन जब कछुआ रोज की तरह उस पेड़ से खाना लेने के लिये गया ता वह पेड़ तो वहाँ था ही नहीं। वह पेड़ तो नजरों से ही गायब हो गया था। वहाँ केवल काँटे वाले पाम के पेड़ खड़े थे।

कछुआ तुरन्त ही समझ गया कि किसी ने उस पेड़ का जूजू दोबारा खाना इकट्ठा कर के तोड़ दिया था। वह बेचारा दुखी मन से घर वापस आ गया और अपनी पत्नी को बताया कि क्या हुआ था।

फिर उसने अपने परिवार के सब लोगों को इकट्ठा किया और सबसे पूछा कि यह काम किसने किया पर सबने मना कर दिया कि उन्होंने किसी ने ऐसा नहीं किया।

बेचारा कछुआ उन सबको उस फू फू पेड़ के पास ले कर आया जहाँ अब काँटों वाला पाम का पेड़ खड़ा हुआ था।

उनको वहाँ ला कर वह उन सबसे बोला — "मेरी प्यारी पत्नी और बच्चो, मैंने तुम लोगों के लिये जो कुछ भी कर सकता था किया पर तुम लोगों ने इस पेड़ का जू जू तोड़ दिया इसलिये अब तुम सब लोग इसी काँटों वाले पाम के पेड़ के नीचे रहो।"

उस दिन से कछुए अब वैसे ही कॉटों वाले पाम के पेड़ों के नीचे रहते पाये जाते हैं क्योंकि उनको कहीं और खाना ही नहीं मिलता।

20 कछुआ और इग्बाको[133]

यह उन दिनों की बात है जब जानवर जंगल पर राज किया करते थे और कछुए आदमियों की तरह बोला करते थे। उन दिनों अक्सर अकाल पड़ जाते थे और जो जानवर बेचारे इस सूखे को नहीं झेल पाते थे वे या तो बहुत कमजोर हो जाते थे या फिर मर जाते थे।

ऐसा ही एक समय आया जब जानवरों के देश में अकाल पड़ा और कछुआ खाना ठीक से न मिलने की वजह से बहुत ही दुबला हो गया।

वह जब तक अपने हॅसी मजाक पर ज़िन्दा रह सकता था रहा पर ऐसे वह कब तक ज़िन्दा रहता। आखिर वह भी दूसरे जानवरों की तरह ही हो गया। क्योंकि खाना मिलने के सारे रास्ते बन्द हो चुके थे।

आहा, सारे रास्ते नहीं। कछुए ने देखा कि चिड़ियों के परों के नीचे अभी भी खूब सारा मॉस है। सो उसने सोचा कि मुझे इन चिड़ियों से खाने के बारे में पता करना चाहिये।

एक दिन जब कछुए को चिड़ियों से बात करने का मौका मिला तो वह उनमें से एक चिड़िया से बोला कि वह बहुत भूखा था सो वह उसे अपने खाने की जगह ले चले।

---

[133] Tortoise and the Igbako – a folktale from Nigeria, Africa.
Translated from the Web Site : http://allfolktales.com/folktales.php

चिड़िया ने मना किया कि वह किसी खाने की जगह को नहीं जानती। इस पर कछुए ने उसको धमकी दी कि अगर वह उसको खाने की जगह नहीं बतायेगी तो वह सब जानवरों को बता देगा कि यह चिड़िया सबसे खाना छिपा रही है।

यह सुन कर वह चिड़िया मान गयी कि वह उसको अपनी खाने की जगह जरूर दिखायेगी। फिर उसने कहा — "अगर मैं तुमको अपने खाने की जगह दिखा देती हूँ तो वायदा करो कि तुम उसको किसी और को नहीं बताओगे।" कछुआ इस बात पर तुरन्त राजी हो गया।

अब कछुआ तो उड़ नहीं सकता था सो चिड़िया ने कुछ पंख कछुए को उधार दिये और वे दोनों बहुत सारी नदियाँ पार कर के समुद्र तक पहुँच गये। वहाँ उनको पानी की देवी[134] मिली।

पानी की देवी ने जब चिड़िया के साथ कछुए को देखा तो वह कुछ परेशान सी हुई। फिर भी उसने कछुए को जादू का एक इग्बाको[135] दिया और कहा — "तुम इस इग्बाको के जादू को अपने परिवार को अलावा और किसी को नहीं बताना।"

कछुआ बोला — "भेद खोलना? और मैं? नहीं नहीं कभी नहीं।"

[134] Water Goddess

[135] Igbako – something magical. It can be anything. It may look like the picture given above.

देवी बोली — "ठीक है। तो तुम इग्बाको से पूछना कि तुम्हारा क्या काम है?" और यह कह कर वह पानी में गायब हो गयी।

कछुए ने इग्बाको से पूछा — "तुम्हारा क्या काम है?"

इग्बाको बोला —

मैं बहुत सारा इयान बनाता हूँ, मैं बहुत सारा ऐब्बा बनाता हूँ
और इतना सारा बनाता हूँ कि उसे पूरी दुनियाँ खा सकती है
और फिर भी बच जाये

और इसके बाद इयान, ऐब्बा और बहुत सारे सूप, मॉस और फल कछुए के सामने इकट्ठे हो गये। कछुआ भूखा तो था ही उसने तुरन्त ही सब कुछ खाना शुरू कर दिया।

इस बात से कोई मतलब नहीं कि उसने कितना खाया या कितनी जल्दी खाया पर बात यह है वह खाना उससे खत्म नहीं हुआ। जब उसकी भूख शान्त हो गयी तो वह उड़ कर उस इग्बाको को ले कर अपने घर आ गया।

घर आने पर उसने अपने पूरे परिवार को बुलाया और अपना इग्बाको निकाला और उससे पूछा — "तुम्हारा क्या काम है?"

इग्बाको बोला —

मैं बहुत सारा इयान बनाता हूँ, मैं बहुत सारा ऐब्बा बनाता हूँ
और इतना सारा बनाता हूँ कि उसे पूरी दुनियाँ खा सकती है
और फिर भी बच जाये

और पहले की तरह बहुत सारा खाना कछुए के परिवार के सामने आ गया। सबने सारा दिन खूब पेट भर कर खाया। वे तब तक खाते रहे जब तक वे और नहीं खा सके।

अब कछुआ अपने मशहूर होने के बारे में सोचने लगा। उसको अपने इग्बाको का जादू जानवरों के राज्य में सब जानवरों को दिखाना था।

सो कछुआ गॉव के ओबा[136] के पास गया और बोला कि उसके पास इस अकाल का इलाज है। उसने ओबा को यकीन दिला दिया कि वह जंगल के सारे जानवरों को बुला ले और वह उन सबको खाना खिला देगा।

अब ओबा का हुक्म तो कोई जानवर टाल नहीं सकता था सो सारे जानवर वहॉ आ आ कर जमा हो गये।

कछुआ एक चबूतरे पर चढ़ गया और नाटकीय ढंग से उसने अपना इग्बाको निकाला और उससे पूछा — "तुम्हारा क्या काम है?"

और इग्बाको बोला —

मैं बहुत सारा इयान बनाता हूॅ, मैं बहुत सारा ऐब्बा बनाता हूॅ
और इतना सारा बनाता हूॅ कि उसे पूरी दुनियॉ खा सकती है
और फिर भी बच जाये

[136] Oba – the Nigerian word for King. Oba are rich and powerful.

और देखते देखते वहाँ बहुत सारा खाना प्रगट हो गया। सारे जानवरों ने शाम तक खूब पेट भर कर खाया जब तक कि उनको रात को नींद नहीं आने लगी।

अगले दिन फिर वही हुआ। कछुए ने फिर इग्बाको से पूछा कि "तुम्हारा क्या काम है?" और पिछले दिन की तरह से फिर से दावत खायी गयी। अब क्या था जानवर रोज कछुए का दिया हुआ खाना खाने लगे और उसकी तारीफों के पुल बाँधने लगे।

जब वे सब इस तरह के खाने के आदी हो चुके थे तो एक दिन वह इग्बाको टूट गया और कछुए के सवाल का जवाब नहीं दे सका। और इस तरह उस दिन किसी को खाना भी नहीं मिल सका। कछुआ बोला कि वह दूसरा इग्बाको ले कर आयेगा।

उसने चिड़िया से कुछ और पंख माँगे और उनको लगा कर पहले की तरह से कई सारी नदियाँ पार कर उसी समुद्र के किनारे पहुँचा जहाँ वह पानी की देवी रहती थी।

वहाँ जा कर उसने देवी को पुकारा — "ओ पानी की देवी, मेरा इग्बाको टूट गया है। मैं दूसरा इग्बाको लेने आया हूँ।"

पानी की देवी प्रगट हुई और बोली — "ऐसा लगता है कि तुमने इग्बाको से बहुत ज़्यादा काम लिया है। तुमने गाँव भर को खाना खिलाया है।"

कछुए ने उससे प्रार्थना की — “नहीं नहीं, बस मैं और मेरा परिवार। मुझे नहीं मालूम कि वह कैसे टूटा पर मुझे एक नया इग्बाको दो कहीं ऐसा न हो कि मेरा परिवार भूखा मर जाये।”

पानी की देवी को कछुए पर दया आ गयी और उसने उसको एक नया इग्बाको दे दिया। पर इस बार यह नया इग्बाको बहुत छोटा सा था।

उसने कछुए को फिर सावधान किया — “याद रखो यह इग्बाको केवल तुम्हारे अपने परिवार के लिये है न कि गॉव भर के लिये।”

कछुआ ने वायदा किया — “ठीक है। मैं इसको किसी और के साथ नही बॉटूॅगा।” और पानी की देवी वापस समुद्र में चली गयी।

कछुए ने पूछा — “तुम्हारा क्या काम है?”

छोटे इग्बाकू ने जवाब दिया —

मैं थोड़ा सा इयान बनाता हूँ, मैं थोड़ा सा ऐब्बा बनाता हूँ
और इतना बनाता हूँ कि उसे पूरी दुनियॉ खा ले पर उसका पेट न भरे।

और इसके बाद वहॉ थोड़ा थोड़ा खाना प्रगट हुआ, जैसे किसी चींटी के लिये हो। कछुए ने उन छोटे छोटे टुकड़ों को खाया और जब तक उसको लगता कि उसने कुछ खाया वह सारा खाना तो खत्म ही हो गया।

उसने पानी की देवी को फिर बुलाया पर वह नहीं आयी। उसने अपने पंख उठाये, अपना वह छोटा इग्बाको उठाया और अपने घर आ गया।

घर आ कर उसने अपने परिवार वालों को इकट्ठा किया और उस छोटे से इग्बाको से पूछा — "तुम्हारा क्या काम है?"

छोटे इग्बाकू ने जवाब दिया —

मैं थोड़ा सा इयान बनाता हूँ, मैं थोड़ा सा ऐब्बा बनाता हूँ
और इतना बनाता हूँ कि उसे पूरी दुनियाँ खा ले पर उसका पेट न भरे

कछुए के परिवार ने उसी थोड़े से खाने से सन्तुष्टि की पर किसी का पेट नहीं भरा।

कछुए ने सोचा — "जब मैंने उस इग्बाको से बहुत सारा खाना बनाया तो सारे लोगों ने खूब खाया अब उनको यह भूख भी सहनी चाहिये।

सो वह एक बार फिर ओबा के घर गया और उससे सारे जानवरों को इकट्ठा करने के लिये कहा। सारे जानवर फिर इकट्ठा हुए और कछुए ने उस छोटे से इग्बाकू से पूछा — "तुम्हारा क्या काम है?"

छोटे इग्बाकू ने जवाब दिया —

मैं थोड़ा सा इयान बनाता हूँ, मैं थोड़ा सा ऐब्बा बनाता हूँ
और इतना बनाता हूँ कि उसे पूरी दुनियाँ खा ले पर उसका पेट न भरे

सारे जानवर इतने थोड़े खाने के लिये शिकायत करने लगे। वे चिल्लाये — "इग्बाको से कहो कि वह और खाना बनाये।" कछुए ने इग्बाको से ऐसा ही कहा और तब तक कहता रहा जब तक वह टूट नहीं गया।

तीसरी बार फिर कछुए ने चिड़िया से पंख उधार लिये और उड़ कर पानी की देवी के पास गया। वहाँ जा कर वह रो रो कर चिल्लाया — "मेहरबानी कर के मुझ पर दया करो। मेरी सहायता करो। मेरा परिवार भूखा मर रहा है। मेरा इग्बाको फिर से टूट गया है। मेहरबानी कर के मुझे दूसरा इग्बाको दो।"

पानी की देवी तीसरी बार समुद्र से बाहर आयी और कछुए से पूछा — "क्या तुमने अपना वायदा फिर से तोड़ा और उस इग्बाको को दूसरों के साथ बाँटा?"

कछुआ बोला — "नहीं नहीं। मैंने ऐसा नहीं किया। मैंने अपना वायदा रखा फिर भी इग्बाको टूट गया।"

देवी बोली — "इस बार मैं तुमको कुछ और देती हूँ। मैं तुमको एक मजबूत डंडा देती हूँ जो कभी नहीं टूटेगा।"

देवी ने कछुए को एक डंडा दिया और समुद्र में गायब हो गयी। कछुआ ने उससे पूछा — "डंडे तुम्हारा क्या काम है?"

डंडा बोला —

मैं हुक्म न मानने वालों को कोड़े मारता हूँ, मैं लालची लोगों को कोड़े मारता हूँ
जब तक कि उनकी खाल दर्द से सफेद नहीं हो जाती

और डंडे ने कछुए को पीटना शुरू कर दिया। कछुआ ज़ोर से चिल्लाया — "मैंने अपना बड़ा इग्बाकू दूसरों के साथ बाँटा। मैंने अपना छोटा इग्बाकू भी दूसरों के साथ बाँटा। अब यह डंडा भी मैं अपने पास ही नहीं रखूँगा। मैं यह भी बाँटूँगा।"

कछुए ने यह कह कर अपने पंख उठाये, अपना डंडा उठाया और घर वापस आया। उसने अपने सारे परिवार को इकट्ठा किया और डंडे से पूछा — "डंडे तुम्हारा क्या काम है?"

डंडा बोला —

मैं हुक्म न मानने वालों को कोड़े मारता हूँ, मैं लालची लोगों को कोड़े मारता हूँ
जब तक कि उनकी खाल दर्द से सफेद नहीं हो जाती

कछुए के सारे परिवार को डंडे ने अच्छी तरह से पीटा। उसके बाद वह उस डंडे को ओबा के पास भी ले गया। वहाँ वे भूखे जानवर अभी भी उसका इन्तजार कर रहे थे।

कछुए ने वहाँ आ कर उस डंडे से पूछा — "डंडे तुम्हारा क्या काम है?"

डंडा बोला —

मैं हुक्म न मानने वालों को कोड़े मारता हूँ, मैं लालची लोगों को कोड़े मारता हूँ
जब तक कि उनकी खाल दर्द से सफेद नहीं हो जाती

और डंडे ने सबको मारना शुरू कर दिया। बड़ी मुश्किल से सारे जानवर अपनी अपनी जान बचा कर भागे।

इस तरह से देवी की बात न मानने से और मशहूर होने के लालच में कछुए ने कितना सारा खाना खोया और मार भी खायी। अगर वह देवी की बात मानता तो उसे और उसके परिवार को ज़िन्दगी भर खूब खाना मिलता रहता।

List of Stories of “Ju Ju in Nigeria”

1. The Story of the Tadpole
2. Why the Hawk Never Steals
3. The Hen and the Hawk
4. Olobun's Sacifice
5. A Sad King and His Sda Kingdom
6. The Lost Heir
7. The Woman With Two Skins
8. The King and the Ju Ju Tree
9. A Pretty Girl and Seven Jealous Women
10. How the Cannibals Drove the People From Insifan to the Cross River
11. The Slave Girl Who Tried to Kill Her Mistress
12. The Fate of Essido and His Evil Companions
13. The Story of the Drummer and the Alligators
14. Olusegbe
15. An Orphan Boy and His Magical Twigs
16. The Disobedient Daughter Who Married a Skull
17. The Orphan Boy and the Magic Stone
18. The Magic Drum
19. The King's Magic Drum
20. Tortoise and the Igbako

देश विदेश की लोक कथाओं की सीरीज़ में प्रकाशित पुस्तकें —

इस सीरीज़ में 100 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं।
पूरे सूचीपत्र के लिये इस पते पर लिखें : hindifolktales@gmail.com

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हिन्दी ब्रेल में संसार भर में उन सबको निःशुल्क उपलब्ध है जो हिन्दी ब्रेल पढ़ सकते हैं।
Write to :- E-Mail : hindifolktales@gmail.com
1 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–1
2 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–2
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1
4 रैवन की लोक कथाऐं–1

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हार्ड कापी में बाजार में उपलब्ध हैं।
To obtain them write to :- E-Mail drsapnag@yahoo.com

1 रैवन की लोक कथाऐं–1 — भोपाल, इन्द्रा पब्लिशिंग हाउस, 2016
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–2 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
4 शीबा की रानी मकेडा — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 160 पृष्ठ
5 राजा सोलोमन — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 144 पृष्ठ
6 रैवन की लोक कथाऐं — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2020, 176 पृष्ठ
7 बंगाल की लोक कथाऐं — देहली, नेशनल बुक ट्रस्ट, 2020, 213 पृष्ठ

Facebook Group
https://www.facebook.com/groups/hindifolktales/?ref=bookmarks

Updated in 2022

लेखिका के बारे में

सुषमा गुप्ता का जन्म उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में सन् **1943** में हुआ था। इन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से समाज शास्त्र और अर्थ शास्त्र में ऐम ए किया और फिर मेरठ विश्वविद्यालय से बी ऐड किया। **1976** में ये नाइजीरिया चली गयीं। वहाँ इन्होंने यूनिवर्सिटी औफ़ इबादान से लाइब्रेरी साइन्स में ऐम ऐल ऐस किया और एक थियोलोजीकल कौलिज में **10** वर्षों तक लाइब्रेरियन का कार्य किया।

वहाँ से फिर ये इथियोपिया चली गयीं और वहाँ एडिस अबाबा यूनिवर्सिटी के इन्स्टीट्यूट औफ़ इथियोपियन स्टडीज़ की लाइब्रेरी में **3** साल कार्य किया। तत्पश्चात इनको दक्षिणी अफ्रीका के एक देश लिसोठो के विश्वविद्यालय में इन्स्टीट्यूट औफ़ सदर्न अफ्रीकन स्टडीज़ में **1** साल कार्य करने का अवसर मिला। वहाँ से **1993** में ये यू ऐस ए आ गयीं जहाँ इन्होंने फिर से मास्टर औफ़ लाइब्रेरी ऐंड इनफौर्मेशन साइन्स किया। फिर **4** साल ओटोमोटिव इन्डस्ट्री एक्शन ग्रुप के पुस्तकालय में कार्य किया।

1998 में इन्होंने सेवा निवृत्ति ले ली और अपनी एक वेब साइट बनायी – www.sushmajee.com। तब से ये उसी वेब साइट पर काम कर रहीं हैं। उस वेब साइट में हिन्दू धर्म के साथ साथ बच्चों के लिये भी काफी सामग्री है।

भिन्न भिन्न देशों में रहने से इनको अपने कार्यकाल में वहाँ की बहुत सारी लोक कथाओं को जानने का अवसर मिला – कुछ पढ़ने से, कुछ लोगों से सुनने से और कुछ ऐसे साधनों से जो केवल इन्हीं को उपलब्ध थे। उन सबको देख कर इनको ऐसा लगा कि ये लोक कथाऐं हिन्दी जानने वाले बच्चों और हिन्दी में रिसर्च करने वालों को तो कभी उपलब्ध ही नहीं हो पायेंगी – हिन्दी की तो बात ही अलग है अंग्रेजी में भी नहीं मिल पायेंगीं।

इसलिये इन्होंने न्यूनतम हिन्दी पढ़ने वालों को ध्यान में रखते हुए उन लोक कथाओं को हिन्दी में लिखना प्रारम्भ किया। इन लोक कथाओं में अफ्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका के देशों की लोक कथाओं पर अधिक ध्यान दिया गया है पर उत्तरी अमेरिका और यूरोप के देशों की भी कुछ लोक कथाऐं सम्मिलित कर ली गयी हैं।

अभी तक **2500** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी है। इनको "देश विदेश की लोक कथाऐं" और "लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें" कम में प्रकाशित करने का प्रयास किया जा रहा है। आशा है कि इस प्रकाशन के माध्यम से हम इन लोक कथाओं को जन जन तक पहुँचा सकेंगे।

विंडसर, कैनेडा
2022